फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 51 प्रभात जयपुर, गुरुवार 21 सितम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Strangest Sati Ever...

Killing of this tiger had hit the lady's sentiments to the extent that she immolated herself on the funeral pyre of the tiger

Innovative Modak Recipes

There is no dearth of innovative modak recipes that one can easily prepare

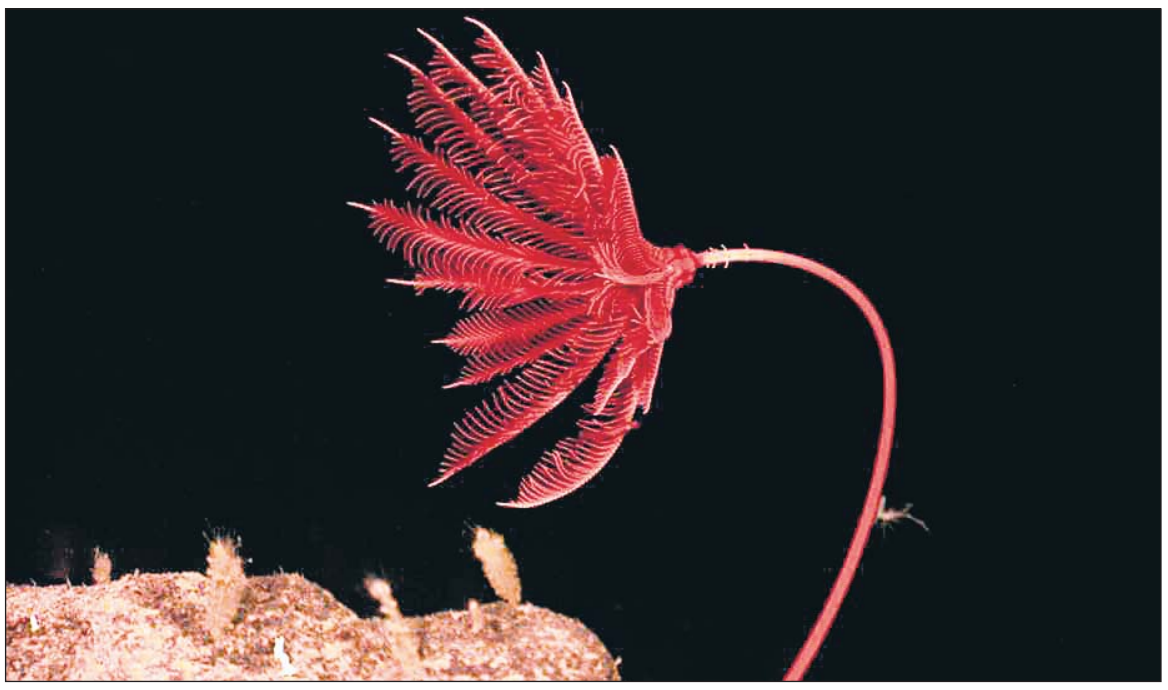

सी स्टार्स और सी अर्चिन के करीबी सम्बंधी, क्रॉइनॉइड्स, जिन्हें आम भाषा में ''सी लिली'' और ''फैदर स्टार'' कहते हैं, हालांकि बहुत प्रसिद्ध नहीं हैं, परंतु ये समुद्र के बहुत खूबसूरत जीवों में से एक हैं। समुद्र के अंदर एक विशाल दुनिया है, उसके रहस्य धीरे-धीरे खुल रहे हैं, और ये रहस्य हमारी कल्पना से भी परे हैं। एकाइनोडर्म (शूल चर्मी) परिवार के इन समुद्री इनवर्टिब्रेट्स (अकशेरुकी) की लगभग 600 जीवित प्रजातियाँ हैं। इन सभी में मूल रुप से पंच पक्षीय समानता (फाइव-साइडेड सिमिट्री) होती है। हालांकि, अक्सर इनकी अनेक भुजाएं भी होती हैं, जिसके कारण इनके मूल ''फाइव साइड्स'' की पहचान करना मुश्किल होता है। इन जीवों का अस्तित्व 485.4 और 443.8 लाख साल पुराना है। इनके जीवाश्म रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि, किसी समय इनकी तादाद काफी ज्यादा थी। पेलिओज़ॉइक युग (जो 538.8 मिलियन वर्ष पूर्व शुरु हुआ) के मध्य से लेकर अंत तक के सभी प्रकार के क्राइनॉइड्स के जीवाश्म लाइमस्टोन बैड्स में पाए गए हैं। लेकिन जब तक जीवित ''सी लिलीज़'' और ''फैदर स्टार'' नहीं मिले थे तब तक यही माना जाता था कि, ये लुप्त हो गए हैं। इन जीवों को देखकर लगता है मानो समुद्र में फूल खिले हैं। हमारी लौकिक संवेदनशीलता तो इन जीवों के अद्भुत सौंदर्य की कल्पना भी नहीं कर सकती।

'मैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करती हूँ'

सोनिया गांधी ने संसद में यह भी कहा कि, बिल पारित होने से लोकसभा व विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने का उनके पति राजीव गांधी का सपना पूरा होगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। आज महिला आरक्षण विधेयक के नए संसद भवन में दुर्लभ दृश्य प्रस्तुत किया जब कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी द्रमुक सांसद कनिमोई और एन.सी.पी. की सुप्रिया सुले ने महिलाओं का सम्मान न करने के लिए सरकार की खिंचाई की। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इसका जवाब देते हुए घोषणा की कि मोदी सरकार ने महिलाओं को महत्वपूर्ण बना दिया है।

संसद और विधानसभाओं में इस विधेयक के अनुसार 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रवाधान है लेकिन यह 2029 के चुनाव के पहले नहीं हो सकेगा। सोनिया गांधी ने विधेयक को समर्थन देते हुए अन्य पिछड़ी जाति की महिलाओं के लिए आरक्षण के भीतर आरक्षण की मांग की।

सोनिया गांधी ने हिंदी में बोलते हुए कहा, ''मैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करती हूं। उन्होंने कहा कि

- **महिला आरक्षण विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान सोनिया गांधी, द्रमुक की कनीमोई और एन.सी.पी. की सुप्रिया सुले ने महिलाओं का सम्मान नहीं करने के लिए भाजपा की कड़ी आलोचना की।**
- **इन आरोपों का जवाब देने के लिए सरकार ने केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी को खड़ा किया, उन्होंने कहा कि, केन्द्र सरकार ने ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' से महिलाओं की ताकत बढ़ा दी है।**
- **सोनिया गांधी ने बिल के क्रियान्वयन में परिसीमन व जनगणना की बाधाओं का मुद्दा उठाया और पूछा, आखिर महिलाओं को कब तक इंतज़ार करना पड़ेगा।**
- **तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने भी विधेयक के क्रियान्वयन का मुद्दा उठाया और कहा कि, यह 2029 से पहले क्रियान्वित नहीं हो सकता है।**

इस विधेयक के पारित होने से उनके पति स्वर्गीय राजीव गांधी का लोकसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई कोटा रखने का सपना पूरा होगा।

सरकार ने महिला राजनीति के विषय पर बोलने के लिए सबसे पहले अपने पुरुष सांसद निशिकांत दुबे को खड़ा किया जिससे लोगों की भौंहें तनीं। गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार करते हुए पूछा कि क्या पुरुष महिलाओं के मुद्दे पर नहीं बोल सकते।

सोनिया गांधी ने यह कहते हुए अपना भाषण आरंभ किया, ''मैं यहां नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करती हूं। धुएं से भरे रसोई घर से फ्लड लाइट्स से जगमगाते स्टेडियम तक भारतीय महिलाओं की यात्रा काफी लंबी रही है।

कांग्रेस एवं अन्य ने महिला विधेयक का श्रेय लेने के लिए भाजपा की खिंचाई की और आम चुनाव कुछ माह दूर होने के कारण यह ज्वलंत विषय है। विपक्ष ने कहा कि 2010 में कांग्रेसनीत यू.पी.ए. सरकार ने इस विधेयक का अपना संस्करण पेश किया था। यह विधेयक राज्यसभा से पारित हो गया था लेकिन समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के विरोध के कारण लोकसभा में यह बिल पारित नहीं हो सका था।

सोनिया गांधी ने विधेयक के समर्थन पर जोर देते हुए सत्ता पक्ष की इस बात के लिए खिंचाई की कि इसके

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सीएम गहलोत के खिलाफ दायर अवमानना याचिका खारिज

लेकिन याचिका कर्ता चाहे तो इसे ''रिवाईव'' कर सकता है

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 20 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायपालिका पर बयानबाजी को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका को निस्तारित कर दिया है। जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश मनु भार्गव की याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

- **अदालत ने कहा कि, न्यायपालिकाओं के खिलाफ गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी करने का मामला पुनः जैसे ही सामने आयेगा तब याचिकाकर्ता आवेदन दायर कर पुनः मामले को उठा सकेंगे।**
- **अदालत ने कहा कि, इसी मामले पर दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री से जवाब तलब कर चुके हैं, इसलिये वह इस तथ्य की पुष्टि करना चाहते हैं कि, उन्होंने न्यायापालिकाओं के संबंध में क्या बयान दिये और क्यों दिये।**

अदालत ने मामले का निस्तारण करते हुए कहा कि, उक्त मामले में जनहित याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है और मुख्यमंत्री को नोटिस भी जारी किये जा चुके हैं। अदालत ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री से इस बात की पुष्टि करने के लिए जवाब तलब किया है कि, मुख्यमंत्री ने न्यायपालिकाओं के खिलाफ क्या टिप्पणी की थी, और क्यों की थी तो कि संबंध में की थी। उल्लेखनीय है कि अदालत ने याचिकाकर्ता मनु भार्गव की याचिका का निस्तारण करते हुए यह भी कहा कि याचिकाकर्ता भविष्य में जरूरत पड़ने पर पुनः आवेदन के जरिये ''रिवाइव'' कर सकता है।

गत सुनवाई के दौरान अदालत ने पहले तो नाराजगी जताई कि एक ही मुद्दे पर बार-बार याचिकाएं क्यों आ रही हैं, जिस पर प्रतिक्रिया करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका की आपराधिक अवमानना के लिये मामला अदालत में दायर करने से पूर्व महाधिवक्ता की सहमति लेनी होती है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ आपराधिक अवमानना के संबंध में याचिका दायर करने के लिये महाधिवक्ता ने पहले तो सहमति नहीं दी थी, लेकिन इस मामले में जब जनहित याचिका दायर की गई, तब महाधिवक्ता के दफ्तर से भी कहा गया था कि अब मुख्यमंत्री को नोटिस जारी किये जा चुके हैं इसलिये आपराधिक अवमानना याचिका दायर नहीं की जा सकती। राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को कहा कि महाधिवक्ता से सहमति नहीं मिलने के बावजूद अदालत आपराधिक अवमानना की याचिका सुन सकती है अगर निजी व्यक्ति मामले की महत्ता को देखते हुए अदालत की आपराधिक अवमानना के संदर्भ में याचिका दायर करे और अदालत को मामले पर स्वतः संज्ञान लेने के लिये संतुष्ट करे। उन्होंने अदालत को कहा कि उन्हें अवमानना याचिका दायर करने के

(शेष पृष्ठ 6 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'केन्द्र में 90 सचिव, मात्र तीन ओ.बी.सी.'

राहुल गांधी ने यह कहते हुए जात आधारित जनगणना व ओ.बी.सी. को आबादी के अनुपात में आरक्षण देने की मांग की।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (अदर बैकवर्ड क्लासेज-ओ.बी.सी.) के आरक्षण के मुद्दे की ओर सबका ध्यान खींचा। ज्ञातव्य है कि, ओ.बी.सी. आरक्षण आज न तो लोकसभा में है और न राज्य विधानसभाओं में।

लोकसभा में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण पर चल रही बहस में भाग लेते हुये, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि, इस मामले में सरकार को संविधान

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'संजीवनी घोटाला केस की निचली अदालत पुनः सुनवाई करे'

हाई कोर्ट ने केस के आरोपी की याचिका पर आदेश दिए

जयपुर, 20 सितम्बर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने संजीवनी सोसायटी घोटाले से जुड़े मामले पर सुनवाई के बाद उक्त मामले को निचली अदालत को वापस भेजकर पुनः सुनवाई करने के लिए कहा। कोर्ट ने इस मामले के आरोपी याचिकाकर्ता केवलचंद दकालिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश बीरेन्द्र कुमार ने यह आदेश पारित किये।

- **याचिकाकर्ता केवल चंद डकालिया, जिसे निचली अदालत ने दोषी करार दिया था, ने हाई कोर्ट में कहा कि, उसने अन्य आरोपियों की जांच करने की गुहार की थी पर निचली अदालत ने उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया और सिर्फ उसे दोषी करार दिया।**

उक्त मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक राज सिंह बाजवा पैरवी के लिये पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि, संजीवनी घोटाले में लाखों लोग प्रभावित हुए थे, परंतु उक्त मामले में दो शिकायतकर्ताओं ने याचिकाकर्ता का नाम पुलिस की जांच एजेंसी ''स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप'' (एसओजी) को दिया था। उन्होंने अदालत को बताया कि, जांच के दौरान आरापियों ने निचली अदालत के समक्ष अन्य आरोपियों की भी जांच करने और उनको अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर देने के लिये गुहार की थी, परंतु उन्हें बिना सुने ही अदालत ने दोषी करार दे दिया था। अधिवक्ता विवेक बाजवा ने कहा कि, निचली अदालत के इस आदेश के खिलाफ आरोपियों को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

अदालत ने सुनवाई के बाद आदेश पारित किये कि, कोई भी अदालत आरोपियों को सुने बिना ही उन्हें मुजरिम घोषित नहीं कर सकती, इसलिये कोर्ट को इस मामले में पुनः सुनवाई करनी होगी।

आरक्षण विस्तार की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। ऐसे समय में जब संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बहस चल रही है, तब सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में

- **मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता में 5 जजों की संविधान पीठ 104वें संविधान संशोधन की समीक्षा करेगी, जिसके तहत अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए लोकसभा व विधानसभा में आरक्षण कोटा की समय सीमा बढ़ा दी गई है।**

अनुसूचित जाति/जनजाति को मूल आरक्षण से परे आरक्षण बढ़ाने की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई करने का निर्णय लिया। संविधान में मूल रुप से 10 वर्ष की अवधि आरक्षण के लिए अपेक्षित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से उपस्थित हुए वरिष्ठ वकील

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोप बेहद गंभीर हैं और कई सवाल खड़े करते हैं'

शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि, इससे दुनियाभर में सिख समुदाय प्रभावित होगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। सिख धार्मिक और राजनीतिक संगठनों ने जून में हुई एक खलिस्तानी ''आतंकवादी'' की हत्या को लेकर भारत व कैनडा के बीच हुए विवाद को लेकर चिंता जताई है।

कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का यह ''विश्वसनीय आरोप'' कि, हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के पीछे भारतीय एजेंट थे, बाद में भारत द्वारा इस दावे का खंडन और उसके बाद दोनों देशों के बीच शुरु हुए राजनयिक विवाद से सिख समुदाय सदमे में हैं तथा उन्होंने इस मुद्दे के सौहार्द्र पूर्ण समाधान की मांग की है।

सिखों की शीर्ष धार्मिक संस्था, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) ने कहा कि, हालांकि, भारत सरकार ने कैनडा की सरकार के आरोपों को खारिज करते हुए कैनडा के एक राजनयिक को निष्कासित कर दिया, लेकिन, यह मामला बहुत गंभीर है और विश्वस्तर पर सिखों को प्रभावित करेगा।

एस.जी.पी.सी. प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने केन्द्र से अपील की है कि, भारत में सिखों के मुद्दों को हल करे और विदेश में रहने वाले सिख समुदाय की समस्याओं और भावनाओं को समझकर सार्थक व उचित समाधान निकाले।

धामी ने कहा, कैनडा में हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के मामले में, कैनडा सरकार द्वारा आरोप लगाने के बाद भारत के एक राजनयिक अधिकारी को निष्कासित करना कई सवाल खड़े करता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''इसकी प्रतिक्रिया स्वरुप, हालांकि भारत ने आरोपों को खारिज करते हुए कैनडा के एक राजनयिक अधिकारी को निष्कासित कर दिया, लेकिन यह मामला बहुत गंभीर है और सीधे ही सिखों से संबंधित है, जिसका असर विश्व स्तर पर सिख समुदाय पर पड़ेगा।''

- **धामी ने केन्द्र सरकार से अपील की है कि, सिखों की भावनाओं को समझते हुए भारत में उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए।**
- **धामी ने कहा कि, कैनडा में निज्झर की हत्या और फिर कैनडा सरकार द्वारा भारतीय राजनयिक पर आरोप लगाने व उसके निष्कासन से कई सवाल पैदा हो गए हैं।**
- **धामी ने कहा, आज भी विदेशों में रहने वाले कई सिखों को भारत आने और गुरूओं के पवित्र तीर्थों में मत्था टेकने से भी वंचित किया जा रहा है।**

उन्होंने कहा कि, दोनों देशों की सरकारों को एक दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय इस मामले को गंभीरता से विचार के एजैण्डे पर लाना चाहिए।

धामी ने जोर देकर कहा कि, सिख समुदाय के लोग दुनिया भर में रह रहे हैं, जिनके मानव अधिकार और धार्मिक चिंताएं भी महत्वपूर्ण हैं। सन् 1984 के सिख विरोधी दंगों और अन्य घटनाओं का जिक्र करते हुए धामी ने कहा, ''सिख समुदाय ने बहुत बार दर्द भरा समय देखा है।''

धामी ने एक वक्तव्य में कहा, ''आज भी कई देशों में रहने वाले सिख अपनी मातृभूमि में आने और अपने धर्म गुरुओं के पवित्र स्थलों पर मत्था टेकने से वंचित हैं।''

उन्होंने कहा कि, सिखों ने हमेशा देश के साथ-साथ पूरी दुनिया में अपने मेहनती स्वभाव एवं और बौद्धिक शक्ति से अपनी उपस्थिति व अस्तित्व को ऊँचा रखा है, जिसके बावजूद समुदाय को हमेशा अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ा है।

धामी ने कहा, ''देश की सरकार की यह जिम्मेदारी है कि, वह देश एवं विदेश के सिखों से जुड़े ऐसे मामलों को लेकर ईमानदार रुख अपनाए और समुदाय के सदस्यों के बीच अविश्वास का माहौल ना बनने दे।''

उन्होंने आगे कहा, ''आज पूरी दुनिया में सिखों के अस्तित्व को देखते हुए भारत और कैनडा दोनों को हाथ मिलाने की जरुरत है, ताकि आरोप लगने पर सच्चाई सामने आ सके और दोनों देशों के बीच रिश्ते भी अच्छे बने रहें।''

शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) ने एस.जी.पी.सी. की भावनाओं को दोहराया और कैनडा के प्रधानमंत्री के बयान को ''गंभीर चिंता'' का विषय बताते हुए, भारत और कैनडा, दोनों सरकारों से, टकराव के बजाय, राजनेता जैसे दृष्टिकोण के साथ मामलों को सुलझाने का आग्रह किया।

''एक्स'' पर दिए एक बयान में शिरोमणि अकाली दल ने कहा, ''हम, सामान्य रुप से पंजाबियों और विशेष रुप से सिखों ने, देश की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अखण्डता के लिए अद्वितीय बलिदान दिए हैं, और इस पर कभी कोई समझौता नहीं हो सकता।''

उन्होंने आगे कहा, ''भारत व कैनडा के बीच संबंधों को लेकर वर्तमान घटनाक्रम बेहद चिंताजनक हैं। क्योंकि इससे हमारे लोगों, विशेषकर कैनडा में पढ़ रहे हमारे युवा छात्रों के जीवन और आजीविका पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।''

''एक्स'' पर दिए वक्तव्य में शिरोमणि अकाली दल ने आगे कहा, ''कैनडा के प्रधानमंत्री का हालिया बयान गंभीर चिंता का कारण है। शिरोमणि अकाली दल कैनडा और भारत, दोनों सरकारों से आग्रह करता है कि, मामले को टकरावादी रुख के साथ नहीं, बल्कि, राजनेता जैसे दृष्टिकोण से सुलझाया जाए।''

'संविधान की प्रति से सोशलिस्ट व सैक्युलर शब्द गायब'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को यह आरोप लगाकर सनसनी फैला दी कि, मंगलवार को नये संसद भवन के उद्घाटन के दिन कानून निर्माताओं को

- **नए संसद भवन में सांसदों को बांटी गई संविधान की प्रति में प्रस्तावना से ''सोशलिस्ट व सैक्युलर'' शब्द हटाने पर कांग्रेस ने गंभीर आपत्ति जताई।**

दी गई संविधान की प्रतियों में प्रस्तावना से ''धर्मनिरपेक्ष'' एवं ''समाजवादी'' शब्द हटा दिए गए हैं।

हालांकि, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि, सांसदों को वितरित की गई प्रतियों में ''प्रस्तावना'' का मूल संस्करण है तथा उपरोक्त शब्द संविधान संशोधनों के बाद इसमें जोड़े गये थे। उन्होंने जोर देते हुये कहा, ''यह मूल प्रस्तावना के अनुसार है। संशोधन बाद में किये गये थे।'' इस मामले को गंभीर बताते हुये, चौधरी ने कहा कि, ये शब्द ''चतुराईपूर्वक हटाये

(शेष पृष्ठ 6 पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

जलवायु परिवर्तन का नया आयाम-ग्रीन कार्ड प्रबंधन

26 जून 2023 को केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम रूल्स 2023 प्रस्तावित किया है। यह अपने किस्म का एक पहला इंस्ट्रूमेंट है जो लोगों को व्यक्तिगत स्तर पर एवम लोकल बॉडीज, उद्योगों, संगठनों को पर्यावरण अनुकूल कार्य करने के लिए इंसेंटिव प्रदान करता है और सकारात्मक कार्य की तरफ ले जाता है, साथ ही ग्रीन क्रेडिट प्रदान करता है।

ड्राफ्ट रूल्स में 8 सेक्टरस की पहचान की गई है जिसमें पौधारोपण, जल, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, अपशिष्ट प्रबंधन और वातावरण प्रदूषण शामिल हैं। एयर पॉल्यूशन डिटेक्शन और मैंग्रोव कंजर्वेशन है और रेस्टोरेशन भी शामिल हैं।

इको मार्क गवर्नमेंट स्कीम में एनवायरनमेंट के लिए प्रोडक्ट्स हैं। सस्टेनेबल बिल्डिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर भी इसमें शामिल है। रूल्स में संशोधन के सुझाव 60 दिन के अंदर मांगे गये थे लेकिन अभी इसमें बहुत काम बाकी है।

क्रियान्वयन की कठिनाइयों को देखते हुए इसमें एक्सपर्ट ने राय दी है। मधु वर्मा जलवायु परिवर्तन एक्सपर्ट हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीन क्रेडिट स्कीम से एक नए युग की शुरुआत हो सकती है लेकिन इसके लिए जागृति लाने की आवश्यकता है। यह बहुत अच्छा एक आवश्यकता पूर्ण करने वाला पैराडाइम शिफ्ट है।

कार्बन एमिशन से ध्यान हटा कर इसका उददेश्य पूर्ण रूप से पर्यावरण संरक्षण प्रदान करने वाला है। इस हेतु लोगों को प्रोत्साहित करता है विशेषतया वॉटर कंजर्वेशन के बारे में एवं सभी सेक्टरस के लिए एक फाऊंडेशनल फ्रेमवर्क तैयार करता है जिसके जरिए पर्यावरण को मजबूत भी करता है ।

योजना की सफलता के लिए गैर सरकारी संगठनों को आगे आना चाहिए। पर्यावरण के लिये इसमें जो इंसेंटिव है उनको किस प्रकार से लागू किया जाए यह एक समस्या है ।

योजना सस्टेनेबल सतत विकास की ओर ले जाती है । नागरिकों को व्यक्तिगत स्तर पर एवं संगठनों के स्तर पर प्रोत्साहन क्रेडिट प्रदान की जाएगी जिसके अंतर्गत वह कार्य जो हुआ है उसके लिए । इस प्रोत्साहन क्रेडिट को बेचा भी जा सकता है लेकिन इसके लिए क्या मेकैनिज्म होगा यह अभी तय नहीं हो पाया है। अभी स्पष्ट नहीं है कि किस प्रकार इस पर चोर बाजारी रोकी जाए। यदि हल्के-फुल्के काम के लिये प्रोत्साहन क्रेडिट दी जाएगी तो कोई अच्छा काम नहीं होगा ।

तालाब बनाने में स्थानीय संगठनों ने काम किया ।

नरेगा के जरिए काम किया गया इसके लिए किस प्रकार मूल्यांकन होगा यह अभी स्पष्ट नहीं है ।

रेगिस्तानी क्षेत्र में बेरी को रिवाइव करके जो काम किया गया जल संग्रहण का उसमें बहुत अच्छा रिजल्ट आया है और इसको प्रोत्साहन क्रेडिट अलग से किस प्रकार दी जाएगी क्योंकि इसमें गांव के लोगों का भी सहयोग होगा। क्रेडिट का बंटवारा किस प्रकार होगा ?

कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने से इसके क्या नुकसान हो सकते हैं इसका अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

ग्रीन ट्रेड प्रोग्राम एक अच्छा कदम है। सरकार द्वारा कार्बन कम करने के क्रेडिट का क्रेडिट दिया जाएगा ।

वह किस प्रकार से जलवायु की परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकती है अभी स्पष्ट नहीं है। अगर एक बिल्डर सस्टेनेबल बिल्डिंग बनाता है तो उसके लिए उसको क्रेडिट दी जाएगी लेकिन वह एक ट्रैडिबल वस्तु हो जाएगी और उससे आगे के लोगों के लिए जिम्मेदारी बनती है कि वह उसको किस प्रकार उपयोग करें ।

फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन, कोऑपरेटिव सोसाइटी और लोकल बॉडीज, प्राइवेट सेक्टर इंडस्ट्रीज सभी के लिए यह प्रोत्साहन कार्बन क्रेडिट के नाम से होगी।

इस प्रकार जल संग्रहण अथवा वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में सफल उद्योग या सफल जो उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे उनके आधार पर क्रेडिट दिया जा सकेगा।

पौधारोपण किये गये जमीन का मालिक कौन है फॉरेस्ट डिपार्मेंट या विलेज कमेटी के बाउंड्री के अंदर भी हो सकता है। इसमें कई उलझने भी हो सकती है। मैनेजर कौन है इसका?

यह शेड्यूल ट्राइब शेड्यूल ट्राइब की जमीन पर भी हो सकता है जिनके फॉरेस्ट राइट्स मान्य थे। इस प्रकार अड़चने आ सकती हैं।

एक बात स्पष्ट है कि व्यक्ति खुद ही एक सेल्फ सर्टिफिकेट दे सकता है सर्टिफिकेट किस प्रकार करेगा और इसमें क्या गड़बड़ हो सकती है ?

यह सर्टिफिकेट स्वयं द्वारा जारी किया जाएगा कार्य करने के बाद उसकी रजिस्ट्री कराना पड़ेगा । क्रेडिट रजिस्ट्री अलग होगी वहां पर करना पड़ेगा और उसके बाद में इंसेंटिव का जो परीक्षण होगा उसका उसके आधार पर दिया जाएगा।

इसके मॉनिटरिंग और इवैल्यूएशन (मूल्यांकन) की क्या व्यवस्था रहेगी। इकोसिस्टम में यह सर्विसेज में शामिल है ।

नव निर्मित ब्यावर जिले में भी पानी के कैचमेंट एरिया में कई काम हुए हैं इसमें मनरेगा मजदूरी मे सेंदरा एवं बर गांव में वाटर स्ट्रक्चर का काफी काम हुआ और टाउन टू अर्थ टीम ने इस गांव को भी देखा और उन्होंने पाया कि उस गांव में गांव वालों ने 95.2 मिलियन लीटर पानी को संग्रहित किया है और यह यह सबसे बडी सफलता है ।

सरकार को इसके विस्तार के लिए परामर्श के द्वार खोलने होंगे जो स्थानीय स्तर से लेकर के राज्य और केंद्रीय स्तर तक कंसल्टेशन हो सकेगा। कृषि क्षेत्र में यह एक गेम चेंजर का काम कर सकता है क्योंकि पर्यावरण में खेती में कैसे कम प्रदूषण हो और खेती सतत विकास में योगदान दे सके इसके आधार पर खेती के लिए क्रेडिट मिलेगी । इसके लिए विश्वसनीय डाटा होना जरूरी होगा और मॉनिटरिंग की जरूरत पड़ेगी क्योंकि बिना मूल्यांकन के कार्बन क्रेडिट दिया जाना भी ठीक नहीं होगा। प्रोटोकॉल मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग एवं वेरिफिकेशन के लिये जरूरी होगा।

राजस्थान के कई गांवो ने अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है और जल संग्रहण का उत्कृष्ट कार्य किया गया है ।

राजस्थान में जो पुरानी बेरी होती थी उसका ऊपर से मुख कम होता था आगे आध मीटर का और अंदर उसके तीन-चार मीटर तक गहराई होती थी पानी उसमें संग्रहित किया जाता था । बाड़मेर जिले में अचछा काम हुआ है।

डाउन टु अर्थ मैंगजीन ने इसकी रिपोर्टिंग की है 15 सितंबर 2023 के अंक मे विस्तार से । बाड़मेर जिले में 2 महीने में 155 तालाब बनाए गए हैं। हाईवे पर स्थापित पुराने बेरी के स्ट्रक्चर के आधार पर इसको किया गया है । बाड़मेर में मधेसर गांव है वहां पर दो महीने में यह काम किया गया है । छोटी-छोटी चैनल खोज करके बेरी से टैंक बनाया गया ।

लोग अपने घरों में जो टैंक बनाते थे उसमें भी बहुत ज्यादा पानी होता था और इस बार इसमें भी काम बहुत अच्छा हुआ है ।

स्थिति यह है कि अधिक वर्षा के कारण बेरी में जो पानी इकट्ठा हुआ है उसको टैंकर से ले भी जाने की स्थिति पैदा हो गई है।

रामसर रेगिस्तान में ऐसा स्थान है जहां पर किसी जमाने में पानी का अभाव था वहाँ और 60 अन्य गांवो में इस साल तालाब सूखे पड़े थे । बारिश के कारण गत मई-जून मे 17.5 मिलियन लीटर पानी आ गया और रिपोर्टिंग टीम ने यह भी देखा कि एक टैंकर भी वहां बेरी के सामने खड़ा है और 1200 प्रति टैंकर से पानी की सप्लाई की जाती है । रामसर तालाब 200 साल पुराना है और यह 15 साल में पहली बार में गत जून की हैवी बारिश में भर गया है, 3 पॉइंट 8 मिलियन लीटर पानी आया है और यह 12 महीने के लिए काफी है ।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर चंदनिया गांव में एक तालाब है जो फैला हुआ है और 200 साल पुराना है, यह रेगिस्तान के बीच मरुउद्यान का काम करता है । 3 साल में गाँव वालों ने उसको रिवाइव करने की कोशिश की है। यह भीमा तालाब के नाम से जाना जाता है और उसकी मिट्टी निकालकर सही किया गया है । पिछले जुलाई में वर्षा आ गई तो वहां पर इस तालाब की कैपेसिटी 1.2 बिलियन लिटर्स थी और यह एक चौथाई है भर चुका था। उसके आसपास 200 प्लस बेरी हुई बनी हुई है इसके अंदर भी बनी हुई है। तालाब के अलावा टाँके के भी हैं जौ गांव के घरों में बहुत अच्छा संसाधन हैं। गांव में घर के अंदर ही पानी का संग्रहण हो सकता है और इसे मैंने स्वयं देखा है। बाड़मेर के अनेक घरों में 6 महीने तक काम करता है और अच्छी बारिश में इसमे साल भर तक का पानी स्टोर किया जा सकता है।

वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का काम पाली जिले में भी हुआ है और इसमें रूपवास गांव में बहुत अच्छी वर्षा हुई। इसके कारण कैचमेंट एरिया था, उस पर बन्ध बनाया घाटी मे और मिट्टी भरने का काम किया और यहाँ एक से अधिक जो ट्रेडिशनल पॉइंट्स है इसमे पानी लाने की व्यवस्था की और करीब 1.5 मिलियन लिटर्स पानी इसमें भरा है । इसमें 27 टाँके भी है और यह पूरा भर सकता है । इस प्रकार रूपवास गांव में पाली जिले में काम अच्छा हुआ है।

नव निर्मित ब्यावर जिले में भी पानी के कैचमेंट एरिया में कई काम हुए हैं इसमें मनरेगा मजदूरी मे सेंदरा एवं बर गांव में वाटर स्ट्रक्चर का काफी काम हुआ और टाउन टू अर्थ टीम ने इस गांव को भी देखा और उन्होंने पाया कि उस गांव में गांव वालों ने 95.2 मिलियन लीटर पानी को संग्रहित किया है और यह यह सबसे बडी सफलता है । गांव के बारे में यह सच है कि पानी कम मिलता था लेकिन यहां पर नरेगा में 320 वाटर स्ट्रक्चर बार-बार कोशिश करके बनाया और मिट्टी का वह है । उसके अंदर फसल बहुत अच्छी ली है और कल्टीवेशन यथा खेती-बाड़ी डबल हो गई है ।

राजस्थान के कई गांव में सफलता से जल संग्रहण के नए स्ट्रक्चर बने एवं पुरानो को पुनर्जीवित किया गया है ।

गांव में किए गए कार्य का वर्गीकरण ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के लिए किस प्रकार किया जाएगा क्योंकि अनेक कार्यक्रमों में नरेगा के अंतर्गत काम हुआ है और व्यक्तिगत स्तर पर भी। खेतों पर वर्गीकरण के लिए और कार्बन क्रेडिट देने के लिए क्या जाच और मूल्यांकन करना पड़ेगा, परीक्षण करना पड़ेगा, ताकि फर्जी काम को रोका जा सके और फर्जी सर्टिफिकेट जारी नहीं हो।

कार्बन क्रेडिट पर विस्तार से विचार-विमर्श होना चाहिए और हमे सरकार को सुझाव देना चाहिए । इसको जलवायु परिवर्तन के नए आयाम से जोड कर सतत विकास के प्रयासो में स्थान देना होगा।

ग्रीन क्रेडिट ग्रीन वाश बन कर भ्रष्टाचार के नये आयाम न बने, हर स्तर पर सतर्क रहने की व्यवस्था करनी ही पड़ेगी।

–अतिथि सम्पादक,
आई.सी.श्रीवास्तव,
आई.ए.एस. (से.नि.)
(पूर्व अध्यक्ष, ट्रांसपेरेन्सी, इण्टरनेशनल इन्डिया)

उत्तम शौच धर्म से मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है, पवित्रता सर्वोपरि गुणों में से एक गुण है

भागचंद जैन मित्रपुरा

दशलक्षण धर्म के प्रथम तीन धर्म उत्तम क्षमा, मार्दव एवं आर्जव धर्म भाव प्रधान है। आज चतुर्थ दिवस पर हम उत्तम शौच धर्म मना रहे है। उत्तम शौच सहित आगे के पांच धर्म उपाव यानी मोक्ष मार्ग की सीढ़िया है। शौच धर्म का शाब्दिक अर्थ है शुद्धता एवं उत्तम शौच धर्म अर्थात आत्मा की पवित्रता। सम्यग दर्शन- आत्मा के श्रद्धान के साथ उत्तम शौच धर्म का नाम दिया जाता है। उत्तम शौच ही सम्यक चारित्र है, अंतश्चेतना की क्रांति है।

शारीरिक शुद्धता/पवित्रता तो बहुत आसान है परंतु आत्मा की शुद्धता/पवित्रता के लिए लोभ कषाय को त्यागना पड़ता है। इसी लिए कहा है - लोभ पाप का बाप बखाना अर्थात् सभी पापों की जड़ लोभ है। लोभ का अभाव एवं संतोष का भाव शौच धर्म कहा जा सकता है। लोभ कषाय के अभाव होने को शौच धर्म कहते हैं। विषयों के प्रति आसक्ति, भोग की वस्तुओं के प्रति आवश्यकता से अधिक झुकाव को लोभ कहते हैं। लोभ या लालच का संबंध केवल धनराशि से ही नही है, अपितु किसी भी वस्तु के प्रति अधिक आसक्ति लोभ है। सारे पापों की जड़ यह लालच ही है। लालची जीव किसी भी अवस्था में संतुष्ट नहीं होता वह तो सदैव ही असंतुष्ट रहता है, और असंतुष्ट जीव की लालसा, अदेय अपेक्षा कभी समाप्त नहीं हो सकती।

सामान्यत: जो लालची होगा वह अपनी विषय पूर्ति के लिए समय आने पर अवांछित प्रक्रिया चोरी, मायाचारी, छल-कपट, हिंसा, परिग्रह, बैर-भाव भी करता ही रहेगा और इस तरह के कृत्य की आदत बनी रहेगी। यही कारण है कि लोभ से बचना परम आवश्यक है। सामान्यत: शरीर की शुचिता, शुद्धता को ही पवित्र मान लेते है। जैन धर्म में शरीर की शुद्धता के बजाय परिणामों की शुद्धता पर बल दिया गया है। अपने मनोभाव में मलीनता ना आने देने से शुचिता का मार्ग प्रशस्त होता है। आत्मा को पवित्र बनाने के लिए हमें तीनों योग मन, वचन और काय को लोभ से दूर रखना होगा। लोभ के भाव का त्याग करना होगा। आत्म गुणों का चिंतन और मनन ही शौच धर्म का लक्षण है। राग द्वेष, मोह रहित रहना शौच धर्म है।

आहार विहार, आचार विचार, व्यवहार की शुद्धता, भोजन की शुद्धता, रात्रि भोजन त्यागना, अनछने जल का त्याग, सभी जीवों पर करुणा,दया, मैत्री भाव रखना आदि शौच धर्म के कुछ लक्षण हैं।

गंगा निकलती है तब पवित्र होती है लेकिन बाहरी संसर्ग से अपवित्र हो जाती है। इसी प्रकार आत्मा पवित्र होती है लेकिन लोभ के वशीभूत होकर अपवित्र हो जाती है।

कविवर 'पंडित द्यानतराय जी' ने लिखा है :

धरि हिरदै संतोष, करहु तपस्या देह सों।
शौच सदा निरदोष, धरम बड़ो संसार में।

जीव के हृदय अर्थात अंतर के परिणामों में संतोष होना चाहिए तथा देह से उसे सदैव तपस्या करनी चाहिए। शौच धर्म का पालन करने वाला सदैव निर्दोष होता है, इसलिये उसे सबसे बड़ा धर्म कहा गया है।

पण्डित की ने आगे लिखा हैं -

प्रानी सदा शुचि शील-जप-तप, ज्ञान-ध्यान प्रभाव तें।
नित गंग जमुन समुद्र न्हाये, अशुचि-दोष स्वभाव तें॥
ऊपर अमल मल-भर्यो भीतर, कौन विधि घट शुचि कहे।
बहु देह मैली सुगुन-थैली, शौच-गुन साधु लहे।

प्राणी अर्थात जीव शील,जप-तप, ज्ञान-ध्यान के भावों से ही शुचि अर्थात स्वच्छ होता है। नित्य गंगा-यमुना अथवा समुद्र के पूरे जल से भी यदि इस देह को स्वच्छ करने का प्रयास करेंगे तो भी यह स्वच्छ होने वाली नहीं है। यह ठीक उसी प्रकार है, जैसे कोई घड़ा ऊपर से तो स्वच्छ हो तथा अंदर से उसमें मल भरा हुआ हो तो कौन उसे स्वच्छ कहेगा वैसे ही, यह देह भी ऊपर से तो सुंदर दिखाई देती है परंतु अंदर झांकने पर इसके समान अस्वच्छ वस्तु कोई नहीं है।

उत्तम शौच लोभ परिहारी, संतोषी गुण रतन भंडारी।

अर्थात् निर्दोष शुचिता से लोभ कषाय का हनन होता है और ज्ञानी जन इस मैली देह के राग को छोड़कर अनंत गुणों का पुलिंदा जो आत्मा तथा उत्तम शौच धर्म है, उसे धारण करते है।

सरकार द्वारा भी स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया है। देश में स्वच्छता के प्रति जागृति आयी है, यह बाहरी स्वच्छता सबको अच्छी लगती है। शारीरिक स्वच्छता से आप कुछ सीमा तक बीमारी से छुटकारा प्राप्त कर सकते है। लेकिन इससे आगे बढ़कर आंतरिक स्वच्छता, शुद्धता के क्रम में यदि मन शुद्ध हो गया तो हम परम आनंद की प्राप्ति कर सकते है। शारीरिक और मानसिक बीमारियां अपने मन से सोचने की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। चिकित्सक मानने लगे है कि सभी तरह की दीर्घकालीन बीमारियां हमारी मानसिक विचारों से अत्यधिक प्रभावित होती है। विज्ञान ने या चिकित्सकों ने नया कुछ नहीं बनाया है धर्म ग्रंथो में दिए गए उद्धरणों का दोहन किया गया है। हमारी प्राचीन समृद्ध संस्कृति को आत्मसात किया है एवम् नये नए आविष्कारों को जन्म दिया है।

क्या हम सभी इस पर्व के अवसर पर सीमित रूप में ही सही, आनंद प्राप्ति के लिए उत्तम पवित्रता का मार्ग अपना सकते है ?

उत्तम शौच परमाणु शक्ति से भी अधिक शक्तिशाली है।

संकलन–भागचंद जैन मित्रपुरा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

विधानसभा चुनाव में सनातन का मुद्दा मतदाताओं को कितना प्रभावित करेगा

राजेन्द्र जोशी

सभी राजनैतिक पार्टियां अपने वजूद को टटोल रही है, विधान सभा चुनाव को देखते हुए राजनैतिक दल हड़बड़ी में नहीं है। सभी राजनैतिक पार्टियां जिताऊ उम्मीदवार के साथ-साथ आंतरिक विरोध को सीमित करना चाह रही है इसलिए यह भी तय है की राजस्थान विधानसभा चुनाव में आचार संहिता लागू होने के बाद ही उम्मीदवार तय होंगे, वातावरण बनाने की बात रही कि हम इस बार अगस्त-सितम्बर में ही उम्मीदवार तय कर देंगे। लेकिन पूरा प्रदेश चुनावी मोड में है। पक्ष-विपक्ष मतदाताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। समस्त राजनैतिक दल चुनावी मुद्दे तलाश रहे है। जितने आसानी से पिछले चार चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को राम के नाम का मुद्दा मिला हुआ था। इस चुनाव में वह भी नये मुद्दे की तलाश में है। कांग्रेस के पास तो मतदाताओं को आकर्षित करने का मुद्दा है भी नहीं। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी सदैव आक्रामक रही है, भारतीय जनता पार्टी को सनातन नाम का एक मुद्दा जरूर हाथ लगा है, जिसको वह विधानसभा चुनाव में पूरी तरह भुनाने का काम करेंगे। भारतीय जनता पार्टी को यह बात अच्छी तरह समझ आ गई है कि चुनाव जीतने के लिए लोगों की भावनाएं एवं आस्था से जुड़े मुद्दे ही उनकी बेतरनी पार करा सकते है। इसलिए दक्षिण से उठी बात को वह मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी मुद्दा बनाकर प्रस्तुत करना चाह रहे हैं। सफलता तो समय तय करेगा। भारतीय जनता पार्टी यह बात अच्छी तरह जानती है कि देश की अधिकांश आबादी को भावनात्मक रूप से वोटो में परिवर्तित करने के लिए धर्म और आस्था का मुद्दा ही उसे चुनाव जीता सकता है। परंतु कांग्रेस के पास धर्म और आस्था का तोड़ बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि इस विषय पर वह खुद घेरे में आ जाती है। उनके अनेक बड़े-बुजूर्ग नेता चुनाव के दौरान इस तरह का बयान दे देते हैं जो भारतीय जनता पार्टी को चुनाव जीतने के लिए काफी होता है। पहले राम को खतरे में बताकर सत्ता परिवर्तन हुआ था और अब सनातन खतरे में हो गया जबकि पूरा देश इस बात से परिचित है की ना तो राम खतरे में हो सकता है और ना ही सनातन को समाप्त करने कि किसी व्यक्ति विशेष या समूह विशेष की ताकत में है । धर्म और आस्था का विषय ऐसा है कि सारे विकास के मुद्दे गौण हो जाते हैं और धर्म और आस्था प्रभावित होने लगती है। सदियों पूर्व मुगल राजाओं एवं अंग्रेजो ने भारत पर शासन किया परंतु सनातन कभी भी समाप्त नहीं हुआ। कांग्रेस के शासनकाल में भी सनातन कभी अपमानित नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस आपस में एक दूसरे का सहयोग करें एक जुटता के साथ चुनाव लड़े रणनीतिकार रणनीति बनाएँ तो मुकाबला किया जा सकता है। परंतु कांग्रेस की स्थिति यह है कि वह जब चुनाव जीतती है तो मार्जन पर और हारती है तब एकदम निचले पायदान पर चली जाती है ।

ऐसे में सनातन का मुद्दा लोकसभा चुनाव का तो बन सकता है परंतु विधानसभा चुनाव में सनातन का मुद्दा प्रभावित होना मुश्किल लग रहा है ऐसे में कांग्रेस के रणनीतिकार किसी एक प्रभावी मुद्दे या दो-तीन मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरे जो सीधे मतदाताओं को प्रभावित कर सकें। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की समस्या यह है कि यहां नेतृत्व का झगड़ा हर समय बना रहता है, कांग्रेस अब सरकारी कांग्रेस हो चुकी है और वह केवल विधायकों तक सीमित है। पार्टी चुनाव में कितनी प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं यह देखने वाली बात है। कांग्रेस खुद भी सत्ता में आने के बाद केवल विधायकों तक सीमित हो जाती है। संगठन हासिये पर चला जाता है। इसलिए मुद्दों को जमीनी स्तर पर पहुंचाने के लिए निष्ठावान कार्यकर्त्ताओं की जरूरत होगी। ऐसे में देखना यह है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में सनातन मुद्दा बनता है या नहीं ?

–राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

180 वरिष्ठ नागरिकों का दल तीर्थ यात्रा के लिए रवाना

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग से 180 वरिष्ठ नागरिकों का दल कामाख्या देवी, आसाम के दर्शनों के लिए बुधवार दोपहर को अजमेर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन को आरटीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ और राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार के उपाध्यक्ष राजेश टंडन द्वारा हरी झंडी दिखाकर अजमेर से रवाना किया। जयपुर संभाग से तथा अलवर से भी वरिष्ठ नागरिक इस ट्रेन में साथ शामिल होते जाएंगे। इस तरह से करीब 500 यात्री कामाख्या देवी दर्शन हेतु जाएंगे।

आरटीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि देवस्थान विभाग के माध्यम से इन वरिष्ठ नागरिक यात्रियों का चयन एक निर्धारित प्रक्रिया द्वारा किया गया है और फिर उन्हें यात्रा पर आईआरसीटीसी के माध्यम से भेजा जाएगा और उनकी यात्रा पूर्णतया नि:शुल्क है। इस यात्रा के अन्दर इन वरिष्ट नागरिकों को

- **स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, जयपुर संभाग व अलवर से भी वरिष्ठ नागरिक शामिल होंगे**

भोजन, मेडिकल एवं इन धार्मिक स्थलों पर भ्रमण हेतु आवक-जावक माध्यम बस इत्यादि का खर्च भी राजस्थान सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस यात्रा में जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन में सुबह के पौष्टिक नाश्ते से लेकर रात तक के भोजन व दूध की व्यवस्था की जाती है तथा इस ट्रेन एक राजपत्रित अधिकारी व मेडीकल स्टाफ मय दवाईयों के 24 घंटे उपलब्ध रहता है।

इस अवसर पर पार्षद नोरत गुर्जर, शेलेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

कोबरा सांप को रेस्क्यू किया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के सांभर बाइपास रोड स्थित समाजसेवी धन्ना लाल प्रजापति के खेत पर बने कमरे में करीब चार से पांच फीट लम्बा कोबरा सांप घुस गया। इसकी सूचना कस्बे में संचालित संस्था डब्ल्यूसीओ के संस्थापक ओमप्रकाश सैन पींटी को दी।

डब्लूसीओ के पींटी ने उक्त सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर कमरे में घुसे कोबरा सांप को रेस्क्यू किया। इसके बाद उसे खुले जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। इस दौरान ओमप्रकाश सैन ने बताया कि राजस्थान में पाये जाने वाले सबसे जहरीले सांपों में से एक यह कोबरा सांप भी है। जिसके काटने पर मनुष्य का दम घुटने लगता है, सांस रूकने लगती है। इस दौरान डॉक्टर के उचित उपचार के अभाव में व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। संस्था के पीन्टी ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम के सदस्यों ने मिलकर अब तक करीब 5286 सरीसृप (सांप, गोयरा, धामन) एवं लगभग 2100 से ज्यादा घायल

फुलेरा में कोबरा सांप को ओमप्रकाश सैन पींटी ने रेस्क्यू किया।

पक्षियों का रेस्क्यू कर उन्हें बचाया है। वहीं आगे बताया कि वन्यजीव व पर्यावरण को बचाने में वन विभाग के श्याम शर्मा का डब्ल्यूसीओ संस्था को विशेष सहयोग रहा है। इसके साथ ही हमारी संस्था एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अब तक लगभग 1100 पौधे भी लगा चुके है।

राशिफल गुरूवार 21 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, अनुराधा नक्षत्र दिन 3:35 तक, प्रीति योग रात्रि 1:44 तक, तैतिल करण दिन 2:15 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 3:35 तक है। आज सूर्य षष्ठी व्रत, बलराम जयन्ती, कार्तिक स्वामी दर्शन, मंथन षष्ठी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:49 तक, चर 10:44 से 12:20 तक, लाभ-अमृत 12:20 से 3:21 तक, शुभ 4:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:22

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यावसायिक/आर्थिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

मकर

आर्थिक स्थिति में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

गणेश चतुर्थी के दूसरे दिन बुधवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को राज्यपाल कलराज मिश्र ने पूजा कर रवाना किया। शोभायात्रा के दौरान भारी भीड़ मौजूद रही। इसमें चंद्रयान-3 की झांकी भी सजाई गई जिसे लोग देखते रहे।

विशेष शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर प्रमुख शिक्षा सचिव तलब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को सात अक्टूबर को अदालत में रिकॉर्ड सहित हाजिर होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि जिन स्कूलों में विशेष विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं, उन स्कूलों में विशेष शिक्षक नियुक्त करने के क्या प्रावधान है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश विशेष योग्यजन कल्याण और पुनर्वास समिति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने अदालत को कहा कि केन्द्र सरकार के प्रावधानों के तहत विशेष योग्यजन विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए स्कूल में विशेष शिक्षक नियुक्त होना चाहिए। राज्य सरकार ने विशेष योग्यजन विद्यार्थियों के लिए अलग से स्कूल स्थापित किए हैं, लेकिन वह काफी कम हैं। ऐसे में राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए कि ऐसे विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए हर स्कूल में विशेष शिक्षक लगाए जाए या हर इलाके में कम से कम एक विशेष स्कूल की स्थापना की जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि जिन सामान्य स्कूलों में कम से कम पांच विशेष योग्यजन विद्यार्थी हैं, वहां विशेष शिक्षक नियुक्त किए जाते हैं। इसके अलावा एक अन्य विशेष विद्यार्थी के परिजन की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने प्रार्थना पत्र दायर कर कहा कि सांगानेर तहसील में ऐसी अलग से कोई स्कूल नहीं है और ना ही इस क्षेत्र की सरकारी स्कूलों में विशेष शिक्षक नियुक्त हैं। राज्य सरकार की नीति के चलते यदि किसी स्कूल में पांच से कम विशेष विद्यार्थी हैं तो वहां विशेष शिक्षक नहीं है।

ऐसे में इन स्कूलों में ऐसे विद्यार्थियों का पढने का अधिकार का हनन हो रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने दोनों अधिकारियों को रिकॉर्ड सहित हाजिर होकर इस संबंध में जानकारी देने को कहा है।

पहली बार प्रधानमंत्री की सभा की व्यवस्थाओं का जिम्मा संभालेंगी महिलाएं : भजनलाल

- ‘परिवर्तन संकल्प यात्रा को मिले जन-आशीर्वाद के बल पर कह सकता हूं कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी’
- नारी शक्ति वंदन बिल से महिलाओं का होगा सशक्तिकरण और पीएम की सभा को लेकर प्रदेश की महिलाओं में ज़बरदस्त उत्साह : सौम्या गुर्जर

जयपुर। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को प्रदेशभर में मिले जनसमर्थन और जनआशीर्वाद के बाद 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जयपुर के दादिया में प्रस्तावित जनसभा की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा और जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरूआत त्रिनेत्र गणेश मंदिर सवाईमाधोपुर से हुई थी। यह यात्रा प्रदेश के 47 विधानसभा क्षेत्रों में 1944 किलोमीटर चली। यात्रा का समापन कल मंगलवार को जयपुर के सभीविधानसभा क्षेत्रों जिसमें झोटवाड़ा, सांगानेर, सिविल लाईन्स, किशनपोल, विद्याधरनगर, हवामहल, आदर्श नगर विधानसभाओं से होते हुए मालवीय नगर विधानसभा के भाटिया भवन में हुआ।

प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दूसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा डूंगरपुर-बांसवाड़ा के बेणेश्वर धाम से शुरू हुई थी जिसका कल कोटा में समापन होगा। यह यात्रा प्रदेश के 52 विधानसभाओं में चलेगी जिसमें अभी तक 2382 किलोमीटर चल चुकी है। वहीं तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरूआत रामदेवरा जैसलमेर से हुई थी जो कि 51 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी और अभी तक 2423 किलोमीटर चल चुकी है, यात्रा का समापन कल जोधपुर में होगा। चौथी परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरूआत हनुमानगढ़ के गोगामेड़ी से हुई थी, यह यात्रा 50 विधानसभा क्षेत्रों से होकर अभी तक 1900 किलोमीटर चल चुकी है, यात्रा का समापन अलवर में होगा। चारों दिशाओं से निकली चारों परिवर्तन संकल्प यात्राएं कुल 10 हजार किलोमीटर चलेंगी।

शर्मा ने कहा कि परिवर्तन संकल्प यात्राओं को लेकर प्रदेश की जनता के भीतर बेहद उत्साह और जोश देखने को मिला। जनता की जनसहभागिता के चलते यह यात्रा जन-जन की यात्रा बन गई। इस यात्रा में कुछ स्थानों पर मेरा भी जाना हुआ। जहां हमने देखा कि यात्रा के दौरान किसानों ने खेतों से महिलाओं ने घरों की छत से और बसों के ऊपर से यात्रा का अभिवादन किया। कांग्रेस की महाभ्रष्ट, युवा विरोधी, किसान विरोधी, महिला अत्याचारी और दलित अत्याचार करने वाली इस सरकार को जनता ने उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

जयपुर महापौर सौम्या गुर्जर ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार से तंग आकर प्रदेश की जनता परिवर्तन का जनमानस बना चुकी है। कल देश के लिए एक ऐतिहासिक गौरव का दिन था। जब प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन में प्रवेश के साथ ही देश की महिलाओं को सशक्त करने के लिए नारी शक्ति वंदन बिल रखा।

जेएलएन मार्ग से अल्बर्ट हॉल की तरफ का रास्ता बड़े बड़े ट्रकों से बंद कर धनवंतरी के मुख्य द्वार के सामने से टोंक रोड की तरफ ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया। कारण पूछने पर मौके पर खड़े पुलिस कर्मियों ने बताया की अल्बर्ट हॉल की तरफ वीआईपी मूवमेंट के चलते रास्ते को डायवर्ट कर दिया गया है। इसके चलते लंबा जाम लग गया और धनवंतरी आउटडोर होने के चलते मरीज भी परेशान होते दिखे

तीये की बैठक

हमारे प्रिय **श्री अमरनाथ शर्मा** पुत्र स्व. श्री हरिशंकर शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 19.09.2023 को हो गया है। ससुराल पक्ष की बैठक दिनांक 21.09.2023 को सायं 4 से 4:45 तक नगर निगम पार्क, ब्रह्मपुरी थाने के पास, आमेर रोड, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- भगवान सहाय शर्मा (ससुर), भवानीशंकर शर्मा, विष्णु भारद्वाज, डॉ. चंद्रशेखर भारद्वाज एवं समस्त चूलीवाल तिवाडी परिवार। खोराश्यामदास वाले। 12, तालकटोरा जयपुर

मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती शान्ति देवी** का स्वर्गवास 19.9.23 को हो गया। तीये की बैठक 21.9.23 गुरूवार को सायं 4-5 बजे पौण्ड्रक पार्क उद्यान, ब्रह्मपुरी टैक्सी स्टैण्ड, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- आनन्द शर्मा (पति), शान्ता देवी स्व. हनुमान (जेठ- जेठानी), महेश मीना, स्व. दिनेश- विमला, सुरेश- सुमन (पुत्र- पुत्रवधू), ईश्वर, सत्यनारायण (भतीजा), रवि, ऋषि, अभिषेक, हर्षवर्धन, कमल, मुकुन्द गौतम, जान्हवी (पौत्र- पौत्री), कृष्णा (पडपौत्र), दामोदरजी- स्व. शान्ति देवी, स्व. मोहनजी- चन्दादेवी, राधेश्यामजी- मुन्नीदेवी (ननद- ननदोई), बजरंगजी- हेमलता सतीशजी- सुनीता, तरूणजी- चेतना, बन्टीजी- मधु (पुत्री- दामाद), रोहित, युवराज, भव्या धीरज, (दोहिता- दोहिती) समस्त काट्या तिवाडी गोत्तम परिवार।

9314883555, 9680033351

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

करोना से अनाथ बच्चों को मिलेंगी सरकारी नौकरियां

- राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 63 प्रस्तावों को मंजूरी
- राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी, बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी पॉलिसी मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में 63 प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसमें प्रदेश में शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए 200 से अधिक सामाजिक संस्थाओं को भूमि आवंटन करने का बड़ा फैसला लिया गया है। साथ ही, कोरोना के कारण अनाथ हुए बच्चों की सरकारी नौकरियों के लिए नियमों में संशोधन किया गया है। मंत्रिमंडल ने राजकीय कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर बढ़ाने और वेतन विसंगतियों को दूर करने के प्रस्तावों का अनुमोदन किया है।

मंत्रिमंडल ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए कोविड-19 के कारण अनाथ हुए बालक-बालिकाओं को वयस्क होने पर सरकारी नौकरी दिए जाने के लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मंत्रिमंडल ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में सहयोग करने वाले दो युवक प्रह्लाद सिंह चुण्डावत एवं शक्ति सिंह चुण्डावत को नियमों में शिथिलन प्रदान कर कनिष्ठ सहायक के पद पर सरकारी नौकरी दिये जाने का निर्णय किया है।

मंत्रिमंडल ने राजस्थान ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2023 का अनुमोदन किया है। राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन आधारित परियोजनाओं से वर्ष 2030 तक 2000 केटीपीए क्षमता के परियोजना स्थापना तथा इनसे सम्बधित उपक्रमों की निर्माण इकाईयों से राज्य में निवेश एवं रोजगार के लिए संभावनाएं बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान अक्षय उर्जा एवं सौर उर्जा क्षमता स्थापना में देश में प्रथम स्थान पर है। साथ ही राजस्थान में ग्रीन हाइडोजन के लिए अनुकूल परिस्थितियां मौजूद है।

बोनस अंकों का लाभ नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में सीएचए को बोनस अंकों का लाभ नहीं देने चिकित्सा विभाग से जवाब तलब किया है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को अंतरिम रूप से बोनस अंकों का लाभ देने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश पवन कुमार व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं ने कोविड काल में सीएचए के पद पर अन्य नर्सिंग स्टाफ के साथ काम किया था। इसके बावजूद भी भरतपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने उनके अनुभव प्रमाण पत्र में उन्हें नर्सिंग स्टाफ के समान कार्य करना नहीं बताया। जिसके चलते नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में उनके अनुभव प्रमाण पत्र पर बोनस अंक नहीं दिए जा रहे हैं। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता राजस्थान चिकित्सा अधीनस्थ सेवा नियम, 1965 के नियम 19 के तहत अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर बोनस अंक प्राप्त करने का हकदार है। इसके अलावा याचिका में यह भी कहा गया कि दूसरे कई जिलों में सीएचए का काम करने वाले अभ्यर्थियों को बोनस अंकों का लाभ दिया गया है। याचिका में गुहार की गई है कि याचिकाकर्ताओं को नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में बोनस अंकों का लाभ देकर नियुक्ति दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं को अंतरिम रूप से बोनस अंकों का लाभ देने को कहा है।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्योचन्द भडिया पुत्र पेमाराम एवं श्रीमती सुमन देवी पत्नि श्योचन्द भडिया, निवासी 42, गणेश कालोनी, खातीपुरा, जयपुर का पुत्र शुभम् भडिया गलत संगत में पड गया और मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है इसलिए मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र शुभम् भडिया को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है, कोई भी व्यक्ति या संस्था शुभम् भडिया से व्यवहार करते है तो उनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। शुभम् भडिया का मेरे अभिभाष्यगण से कोई लेना देना नहीं है।

जयपुर (सुरेश मिठारवाल) एडवोकेट
दिनांक-20.09.2023 मो.नं. 9414062160

आम सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है, कि मेरे द्वारा मेरा पुत्र मोहम्मद जाहिद को दिनांक 06.06.2014 को मैनें मेरी चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया था, लेकिन अब उसके व्यवहार में बदलाव आ गया है, जोकि मेरे द्वारा आम सूचना दिनांक 06.06.2014 दैनिक नवज्योति में दी गई विज्ञप्ति आज दिनांक 21.09.2023 से निरस्त समझी व मानी जावे।

भवदीय
(अब्दुल लतीफ) वल्द छोटे खां
नि. म.नं. 3637. बाबू का टीबा,
चौ.तोपखाना हूज़ूरी, रामगंज, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1909 दिनांक-18.09.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 72/151 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 72.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा पुत्र श्री नरोत्तम लाल शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2290 दिनांक 08.12.1998 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 3191 दिनांक 22.01.1999 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 08.02.1999 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 1682 दिनांक 21.07.2007 के द्वारा श्री सुधीर झा पुत्र श्री सदानन्द झा के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्री सुधीर कुमार झा की मृत्यु दिनांक 11.02.2015 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री प्रदीप कुमार झा पुत्र स्व. श्री सुधीर कुमार झा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री प्रदीप कुमार झा पुत्र स्व. श्री सुधीर कुमार झा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

उद्‌घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 21/23
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम राम मोहन शर्मा पुत्र स्व. श्री गणपत लाल जाति ब्राह्मण विवाद स्थान 35, सुमेर नगर एफ ब्लॉक मुहाना रोड, मानसरोवर, जयपुर
मृतक स्व. श्री गणपत लाल शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 6.09.2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्री गणपत लाल शर्मा उर्फ गणपत लाल शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी सांगानेर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 26 माह 09 सन् 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 08 माह 08 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1913 दिनांक-18.09.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 71/296 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 14.25 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री सुधीर कुमार झा पुत्र श्री सदानन्द झा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8266 दिनांक 9.03.2000 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 9.03.2000 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात श्री सुधीर कुमार झा की मृत्यु दिनांक 11.02.2015 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री प्रदीप कुमार झा पुत्र स्व. श्री सुधीर कुमार झा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री प्रदीप कुमार झा पुत्र स्व. श्री सुधीर कुमार झा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

खुली ई-निविदा सूचना

व.मं.बि.इंजी. (टीआरडी), उ.प.रे., जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। (1) **निविदा संख्या:** ईएल-टीआरडी-जेपी-2023-24-04 **कार्य का नाम:** एनुअल मेंटेनेंस कान्ट्रेक्ट ऑफ कमिन्स मेक इन्जन्स ऑफ 07 नंबर्स 08 व्हीलर टॉवर वैगन्स ऑवर जयपुर डिविजन फार पीरीयड ऑफ थ्री ईयर्स। **अनुमानित लागत:** ₹ 3,49,77,967.00/- **बिड सिक्युरिटी राशि:** ₹ 3,24,900/- **निविदा खोलने की तिथि:** 12.10.2023 **नोट: ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in 1008-DP/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

ई-टेण्डर निविदा सूचना (दोहरी पैकेट)

उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण)-तृतीय, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा दो चरणों वाली रिवर्स नीलामी का ऑनलाइन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। निविदाकार अपना मूल/परिवर्तित प्रस्ताव ई-निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑनलाइन भर दें। (1) **ई-टेण्डर नोटिस संख्या:** एनडब्ल्यूआर/एससी/सिविल-13641931-R (2) **कार्य का नाम व लोकेशन:** खातीपुरा में कोच केयर कॉम्प्लेक्स (फेज़-II) हेतु कंपोजिट वर्क्स (सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल) जिसमें औद्योगिक शेड का निर्माण, अन्य सहायक भवन, पिट लाइन ट्रैक कार्य, ड्रेनेज सिस्टम, विद्युतीकरण और रोशनी का काम, नए विकसित करने के संबंध में निर्दिष्ट मैकेनिकल मशीनरी और प्लांट (ईओटी क्रेन आदि) की खरीद और कमीशनिंग और अन्य विविध कार्य शामिल है। (3) **अनुमानित लागत:** ₹125,55,07,151.49/- (4) **धरोहर राशि:** ₹64,27,600/- (5) **कार्य पूरा होने की अवधि:** 18 (अठारह) माह (6) **ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय:** 11/10/2023 को 15.00 बजे तक (7) **पूर्व बीड मीटिंग की तारीख, समय व स्थान:** 21/09/2023 at 11.15 बजे, जगतपुरा रेलवे फाटक के पास रेल निर्माण भवन के कांफ्रेंस हॉल में, जगतपुरा, जयपुर-302017 (8) **वेबसाइट का विवरण:** www.ireps.gov.in **नोट:** (1) कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा। सम्बंधित पूछताछ 22/09/2023 को 15:00 बजे तक स्वीकार की जावेगी। 1009-DP/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1927 दिनांक-20.09.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 13/11 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 47.520 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री श्याम सिंह पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4387 दिनांक 27.02.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 08.04.1987 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 6623 दिनांक 26.09.2006 के द्वारा श्री मनोहर लाल पुत्र श्री सुन्दर दास के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्री मनोहर लाल की मृत्यु दिनांक 16.02.2020 को हो जाने के कारण इनके पुत्र/पुत्री श्री सुनील डिंगरा पुत्र स्व. श्री मनोहर लाल एवं श्वेता डिंगरा पुत्री स्व. श्री मनोहर लाल ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री सुनील डिंगरा एवं श्वेता डिंगरा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1920 दिनांक-20.09.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 71/305 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 142.25 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्रीमती रश्मि शर्मा एवं श्री दुष्यन्त कुमार शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 7873 दिनांक 24.03.2000 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 08.05.2000 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात श्री दुष्यन्त कुमार शर्मा की मृत्यु दिनांक 12.11.2020 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती रश्मि शर्मा पत्नी स्व. श्री दुष्यन्त कुमार शर्मा ने 1/2 अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती रश्मि शर्मा पत्नी स्व. श्री दुष्यन्त कुमार शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

ई-ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना

No.: Comml/E-auction/Catering/2023/59, दिनांकः 19.09.2023, उक्त के सन्दर्भ में स्टेशन पर कैटरिंग के ठेके हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की गई है। कैटलॉग IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किए जा चुके हैं। (1) **कार्य का नाम:** जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कैटरिंग के ठेके हेतु ई-ऑक्शन। (2) **कार्य की अवधि:** कैटरिंग : 5 वर्ष (3) **लॉट के ई-ऑक्शन प्रारंभ की तिथि व समय:** CATERING UNITS: (1) CATG-JU-09-23 दिनांक 04.10.2023 को 11:00 बजे से (2) CATG-JU-10-23 दिनांक 05.10.2023 को 11:00 बजे से (4) **वेबसाइट जहाँ से लॉट वाइज ई-ऑक्शन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है:** www.ireps.gov.in 1006-DP/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

खोया पाया

प्लाट न्बर-199, ओरिएंटल आर्केड, महल योजना, जगतपुरा, जयपुर की मूल रजिस्ट्री एवं अन्य दस्तावेज कहीं खो गए हैं, मिलने पर सूचित करें, दिव्या मनवानी-8502906515

मेरी निजी खातेदारी की जमीन श्री कुशल नगर 94 का साइट प्लान सन् 2007 में जयपुर से मुंबई शिफ्ट होने के समय कहीं गुम हो गया। मिलने पर सूचित करे। 8769537382

मेरे प्लाट नं. 118, पदम विहार, शिवदासपुरा, जयपुर का मूल पट्टा, साईड प्लान, रसीद जो कि बाबा आर.एन. गौड सहकारी समिति द्वारा जारी किये गये कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। मुकेश कुमार 9694444115

मेरा मेडिकल फार्मेसी कॉन्सिल द्वारा जारी मूल रजिस्ट्रेशन सीरियल नंबर 64059 जो कि कुशाल सिंह पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह के नाम से जारी है कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। 9672611592

मेरा राजस्थान फार्मेसी काउन्सिल/ट्रिब्यूनल द्वारा जारी फार्मासिस्ट पंजीयन प्रमाण पत्र संख्या 37355 जारी दिनांक 03.01.2012 कहीं खो गया है, जो इस समय मैसर्स संतोषि मेडिकल स्टोर ड्रग लाइसेंस संख्या JPR/2018/30931-34 पर अंकित था। मिलने पर उक्त पते गांव खोरा लाड खानी तह. शाहपुर जयपुर राज. पर पहुंचाने का श्रम करें। नाम एवं पता- मोहन लाल जाट

जेडीए द्वारा जारी पट्टा की योजना हनुमान वाटिका खेडा जगन्नाथ पुरा चाकसू जयपुर का विक्रय पत्र और जेडीए पट्टा जयपुर में कहीं खो गया है। सूचित करें। रविना बाई मीना-9694535249

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मंजू अग्रवाल से बदल कर मंजू देवी अग्रवाल पत्नी बंशीधर अग्रवाल रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे निवासी पी नं. 45, वार्ड नम्बर 6, विजय बाडी, काना राम नगर, ढेहर के बालाजी, जयपुर

शादी से पूर्व मेरा नाम खुरशीद बानो था अब मेरा नाम खुरशीद है। Khursheed खुरशीद हादी मंजिल 1625/26 कमेला गली, एम.डी. रोड, जयपुर

मैंने अपना नाम सोमनी देवी पत्नी सोमसिंह मीणा से बदलकर सोहनी देवी कर लिया है जो कि आधार कार्ड में अंकित है, भविष्य में मुझे सोहनी देवी के नाम से जाना जाए। पता- जालमपुरा, तहसील-जहाजपुर, जिला- शाहपुरा (भीलवाडा)

I Parvati devi legally wedded spouse of army no 14569378W rank CFN LT mohan lal Sharma R/O village alisar via kaladera teh.chomu district jaipur have changed my name From PARVATI DEVI (DOB 7/7/1967) is wrong entered in service record To PARWATI DEVI (DOB 1/1/1971) vide affidavit dated 18/9/23 before district notary chomu jaipur

I samdhar Kumari is legally wedded spouse of army no 6461142M Ex NK Late shambhu singh R/O plot 50 jeen mata nagar kalwar road harnath pura jhotwara Jaipur have changed my name From SAMDHAR KUMARI is wrong entered in service record To SAMNDAR KANWAR vide affidavit dated 14 sep 2023 before district notary Jaipur

I Tincy Kurian Wife of Army No 8038034P, Rank: NK (GD), Name: Sibin George, resident of House Name: Puthenpurackal, Vill: Koodaranchi, PO: Kakkadampoil, PS: Thiruvanpady, Teh: Kozhikode (Calicut), Dist: Kozhikode (Calicut), State: Kerala. PIN: 673604, Have Change My Name from TINCY SIBIN to TINCY KURIAN vide Affidavit No. BF824982 Date 14 Feb 2023.

राजस्थान-सरकार
न्यायालय, उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, जयपुर (शहर)
कमरा नं. 608, पांचवी मंजिल, मिनी सचिवालय, बनीपार्क, जयपुर फोन : 2200836

क्रमांक: फा. 99(41)उरज/शहर/समिति/धारा- 99/दी राजलक्ष्मी महिला यूसीबी/2020/3161-64 दिनांक: 24.03.2021

1. श्रीमती सपना शर्मा पत्नी श्री अजय शर्मा, ऋणी सदस्य
2. श्री अजय शर्मा पुत्र श्री सुभाष चन्द्र शर्मा, सहऋणी सदस्य निवासी-प्लॉट नं. 68, मोहन मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर
3. श्री रमेश बंसल पुत्र श्री रामचरण बंसल, जमानतदार निवासी- 229, नियर बालाजी इंजीनियर कॉलेज, गणेश नगर, जयपुर।
4. श्री हरिश पुत्र श्री भगवान दास, जमानतदार निवासी - डी-11, विद्याधर नगर, जयपुर

आदेश
(राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा 99 के अधीन)

दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि., के आवेदन के अनुसार सोसायटी के उपर्युक्त दोषी ऋणी व सहऋणी सदस्यों मे बैंक का बकाया ऋण मूल रूपये 13,22,652.00/- एवं. ब्याज + चार्जेज रूपये 14,83,677.00/- कुल राशि 28,06,329.00/- (दिनांक 28.02.2021 तक) एवं भविष्य मे जब तक मूल राशि पूरी वसूल न हो पावे तब तक मूल राशि पर 17 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज वसूल करने की प्रार्थना की गई थी, जिसके अनुक्रम में प्रकरण में दोषी ऋणी व सहऋणी सदस्यों तथा जमानतदारो को राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा 99 के अंतर्गत नोटिस क्रमांक फा. 99 ( ) उरज / शहर / समिति / धारा - 99 / दी राजलक्ष्मी महिला यूसीबी /2020/36-40 दिनांक 06-01-2021 को जारी किया गया था | बैंक का पत्र दिनांक 08.12. 2020 के अनुसार आवेदक बैंक द्वारा ऋणी सदस्या श्रीमती सपना शर्मा पत्नी श्री अजय शर्मा, व अन्य को नोटिस दिनांक 08.01.2021 को रजिस्टर्ड पोस्ट करवाया गया था, लेकिन दोषी ऋणी सदस्यों द्वारा प्रकरण मे बकाया ऋण राशि जमा नही करवाई गई। इसलिए आवेदक बैंक द्वारा प्रकरण में धारा 99 के अंतर्गत आदेश जारी करने का निवेदन किया गया है। अत: मै, देशराज यादव, उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितिया, जयपुर (शहर), वसूली अधिकारी, राजस्थान सहकारी समितिया अधिनियम 2001 की धारा 99 के अंतर्गत मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रस्तुत प्रकरण में आदेश देता हूँ कि ऋणी व सहऋणी सदस्य बैंक को बकाया ऋण के मूल रूपये 13,22,652.00/- एवं ब्याज + चार्जेज रूपये 14,83,677.00/- कुल राशि 28,06,329.00/- (दिनांक 28.02.2021 तक) एवं भविष्य मे जब तक मूल राशि का भुगतान न हो जावे तब तक बकाया कुल राशि पर तय वार्षिक दर से ब्याज बैंक को चुकावे। यह आदेश आज दिनांक 24.03.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

(देशराज यादव) उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, जयपुर (शहर)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
प्राधिकृत अधिकारी-सरदीप राठौड, संपर्क नम्बर-9887772255 ई-मेल आईडी-sardeep.rathore@idfcbank.com

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV-ए
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना/एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से ऋणग्रहिता (ओं) व जमानती (यों) को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित अचल सम्पत्तियाँ सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा आईडीएफसी बैंक लि. अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 27.10.2023 को "जहाँ है जैसी है" "जो कुछ है यह हैं" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड) के खाता संख्या 10946375, 15723037 में 14.04.2021 को बकाया रुपये 35,27,266.29/- की पंकज झंवर, विष्णू दत्त झंवर, पंकज झंवर (पी वी इण्डस्ट्रीज) ऋण ग्रहिता (ओ), सह ऋण ग्रहिता (ओं) से वसूली के लिये की जायेगी।

ऑक्शन स्टेट्स

आरक्षित मूल्य	रुपये-3,135,000/-
बयाना राशि जो जमा होगी	रुपये-3,13,500/-
बोली प्रस्तुत करने / बयाना राशि जमा कराने की तिथि	26.10.2023 को सायं 5.00 तक
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि	20.10.2023 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक
नीलामी की तिथि	27.10.2023 प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक
सम्पत्ति का विवरण	फ्लैट नं. एस-2, क्षेत्रफल 1100 वर्गफिट, दूसरी मंजिल, प्लाट नं. 4/216, स्कीम चित्रकूट, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमाये निम्न है पूर्व-सरकारी रोड 9 मीटर चौडी, पश्चिम-प्लाट नं. 225, उत्तर-प्लाट नं. 217, दक्षिण-प्लाट नं. 215

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेबसाइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक को देखें अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

स्थान - जयपुर
दिनांक- 20.09.2023

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लि. के नाम से जाना जाता था)

चुनाव से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत काफी नर्वस : हिमंता बिस्वा सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होने जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि इस बार चुनाव लड़ने से पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत काफी नर्वस लग रहे हैं। इसीलिए हर थोड़े दिन में नई-नई घोषणा कर रहे हैं। अगर जनता का हित करना ही था तो पहले ही योजनाएं लॉन्च करते। सीएम सरमा बुधवार को जोधपुर में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होने पहुंचे हैं।

जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की परिपाटी है कि चुनाव से पहले मोबाइल, लैपटॉप और मसाले के पैकेट बांटते हैं। मैं खुद कांग्रेस में इस परिपाटी को नजदीक से देख चुका हूं। 25 सितंबर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जन आशीर्वाद यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि कितनी भी यात्राएं निकाल लें जनता अब उनको यह आशीर्वाद देगी कि घर बैठिये, आपको पांच साल अपने परिवार के साथ बिताना होगा। असम के सीएम ने कांग्रेस पर गहरे कटाक्ष किए। कहा कि कांग्रेस की नीतियों ने नॉर्थ ईस्ट को कमजोर किया। वहां एक राज्य को छोड़कर बाकी 7 में शांति है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जोधपुर में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी मौजूद थे।

- 'हर थोड़े दिन में नई-नई घोषणा कर रहे हैं अगर जनता का हित करना ही था तो पहले ही योजनाएं लॉन्च करते'
- गहलोत की जन आशीर्वाद यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि कितनी भी यात्राएं निकाल लें जनता अब उनको यह आशीर्वाद देगी कि घर बैठिये, आपको पांच साल अपने परिवार के साथ बिताना होगा

आईएनडीआईए अलायंस के एक नेता द्वारा सनातन धर्म खत्म को करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यदि आप एकेडमिक डिबेट में भी इस्लाम के खिलाफ कुछ बोल जाते हैं तो सर तन से जुदा हो जाता है। लेकिन दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के लोग लगातार सनातन धर्म को गालियां दे रहे हैं। मैं भी नहीं चाहता कि कोई इस्लाम के खिलाफ बोले, लेकिन इंडिया गठबंधन के लोगों द्वारा बार-बार हिंदू धर्म के खिलाफ बयान देने पर भी कांग्रेस चुप है। राहुल गांधी कोई ऑफिशियल बयान नहीं दे रहे हैं कि जिसमें वह सनातन धर्म के खिलाफ इस बयान से अपना किनारा करें। इसका मतलब साफ है कि गांधी परिवार भी इन सबके पीछे है।

सीएम सरमा ने डीजल और पेट्रोल के भाव पर तुलना करते हुए कहा कि असम में राजस्थान की तुलना में पेट्रोल 10 रुपए सस्ता है। इसलिए अब राजस्थान के मुख्यमंत्री यहां महंगाई राहत कैंप लगाकर क्यों दिखावा कर रहे हैं। असम में बिजली भी राजस्थान से कम है और महंगाई दर भी सिर्फ चार प्रतिशत है, जबकि राजस्थान में 8.6 प्रतिशत है। यह नेशनल एवरेज 6.8 से भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल डीजल के जो पैसे राजस्थान सरकार ज्यादा ले रही है उसको लेकर सीएम गहलोत को माफी मांगनी चाहिए और राहत देने का यह ड्रामा बंद करना चाहिए। राजस्थान में बढ़ रहे महिला अत्याचार पर भी उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लिया। मणिपुर के हिंसा पर पूछे गए सवाल पर सीएम सरमा ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट को पूरी तरह से कमजोर करने में कांग्रेस की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तो नॉर्थ ईस्ट के सभी आठ राज्यों में परेशानी थी। अब एक राज्य को छोड़कर बाकी सभी 7 राज्य शांत हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलते हैं कि पूरा देश एक है लेकिन कांग्रेस जो ट्वीट करती है उसमें नॉर्थ ईस्ट को काटकर बताया गया है। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

बीकानेर, (कासं)। जुलाई 2020 में एक सात साल की लड़की और नौ साल का लड़का बकरियां चराने के लिए पड़ौस के खेत में गए थे। तभी वहां युवक ने लड़के को डराकर भगा दिया और लड़की के साथ जबरन दुष्कर्म किया और दस रुपए देकर चुप रहने के लिए कहा। इसके बाद भी लड़की ने परिजनों को सब कुछ बता दिया तो गांव वालों ने कैलाश नाम के युवक को गिरफ्तार कर लिया। इस पूरे मामले में अदालत ने आरोपी कैलाश को आजीवन कारावास की सजा सुना दी।

- कोर्ट ने आरोपी पर करीब एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया है

पोक्सो एक्ट के इस मामले में सेशन न्यायाधीश (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण, अधिनियम 2012) मीनाक्षी जैन ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्त कैलाश पुत्र पेमाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आदेश में कहा गया है कि आजीवन कारावास का मतलब शेष जीवन है। ऐसे में अभियुक्त को अब सारा जीवन कारावास में ही भुगतना होगा। महज सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म को अदालत ने बहुत ही गंभीरता से लिया है। इस मामले में मृत्युदंड भी दिया जा सकता था लेकिन अदालत ने कहा कि ये 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयरे' केस नहीं है। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक सुभाष साहू ने पक्ष रखा।

सेशन न्यायाधीश ने अपने आदेश में लिखा है कि ये प्रकरण मानवता को शर्मसार करने वाला और निकृष्टता की पराकाष्ठा का परिचायक है। इस प्रकार के घृणित अपराध करने वाले को समाज से दूर रखा जाना उचित है, तभी समाज में लड़कियां सुरक्षित रह सकेगी। अदालत ने कैलाश को अनेक धाराओं में सजा देते हुए करीब एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड जमा नहीं कराने की स्थिति में अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सभी सजायें एक साथ चलेगी।

दुष्कर्मी शिक्षक कोच को बीस साल का कारावास

अजमेर, (कासं)। अजमेर पोक्सो न्यायालय संख्या एक के विशिष्ट न्यायाधीश बन्नालाल जाट द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी शिक्षक कोच को बीस वर्ष के कठोर कारावास व 60 हजार रूपए के अर्थदंड से दण्डित किया है। इसके साथ ही न्यायाधीश ने पीड़िता को छह लाख रूपए पीड़ित प्रतिकर राशि दिलाने के भी आदेश दिए है।

- पीड़िता हिमाचल प्रदेश की रहने वाली थी
- 2019 में फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने अजमेर आई थी
- 60 हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया

एडवोकेट रूपिन्द्र परिहार ने बताया कि पीड़िता हिमाचल प्रदेश की रहने वाली थी और वह वर्ष 2019 में फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने के लिए अजमेर आई थी। इस दौरान शहर के एक गार्डन में टीम को ठहराया गया था। मैच चले उसके मध्य टीम के कोच (शिक्षक) ने उसको अपने कमरे में बुलाकर उसके साथ दुराचार किया। वर्ष 2021 में विद्यालय में न्यायाधिपति जस्टिस भल्ला के वैबनार के माध्ययम से छोटे बच्चों व महिलाओं को उनके साथ हो रहे अपराध के बारे में जानकारी दे रहे थे, तब पीड़िता को उसके साथ हुए अपराध का बोध हुआ और उसने अपने विद्यालय प्रशासन को बताया।

बहस के दौरान अभियुक्त के अधिवक्ता ने उक्त प्रकरण को दो वर्ष विलम्ब से दर्ज कराने एवं पीड़िता का टीम में सलेक्शन नहीं होने के कारण अभियुक्त झूठा फंसाया जाना बताया। एडवोकेट रूपिन्दर परिहार ने बताया कि घटना अजमेर में हुई थी, इस कारण मामला अजमेर में दर्ज हुआ था। अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में 19 गवाह व 41 दस्तावेज पेश किए गए।

राजस्थान सरकार अब रेवड़ियां बांटकर जनता को बहका रही है : गजेन्द्र सिंह शेखावत

कांग्रेस सरकार ने किसानों और युवाओं के साथ किया धोखा : केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसानों और युवाओं के साथ धोखा किया है। किसानों के ऋण माफ करने के बजाय उनकी जमीनें नीलाम की जा रही हैं। राजस्थान का आत्मस्वाभिमानी किसान आत्महत्याएं करने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में राज नहीं कुराज है। यह सरकार अब रेवड़ियां बांटकर जनता को बहका रही है, लेकिन पिछली बार धोखा खा चुकी जनता इस बार गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह तैयार है। शेखावत बुधवार को लूणी में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वादा किया था कि सरकार बनने के बाद दस तक की गिनती गिनने जितने समय में किसानों का ऋण माफ कर दिया जाएगा, लेकिन गहलोत सरकार ने यह वादा आज तक पूरा नहीं किया। उल्टे किसानों की जमीन नीलाम कर रहे हैं। इन्होंने किसानों के साथ धोखा किया। अब तक 20 हजार किसानों की जमीन नीलाम हो चुकी। कर्ज से परेशान दो हजार से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर ली। इस बार राज तो रूठा ही राम भी रूठ गया। कहीं ज्यादा बारिश से फसलें खेत में गल गईं तो कहीं सूखे के कारण फसलें सूख गई। गहलोत सरकार कहां तो मुफ्त बिजली का दावा कर रही थी, यहां किसानों को बिजली ही नहीं दी जा रही। इसके चलते वे सिंचाई नहीं कर पाए और उनकी आंखों के सामने ही फसल बर्बाद हो गई।

- लूणी में परिवर्तन संकल्प यात्रा की सभा को केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत ने संबोधित किया

शेखावत ने कहा कि ऐसा लगता है कि गहलोत सरकार ने इंश्योरेंस कंपनी के साथ मिलीभगत कर रखी है। फसल बीमा योजना का मुआवजा भी उन्हें नहीं दिया जा रहा है। एक प्रकार से इस सरकार ने राजस्थान को बर्बाद करने का पाप किया है। इस सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया। उन्हें बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन नहीं दिया। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होते रहे।

शेखावत ने गहलोत सरकार के महंगाई राहत शिविरों पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार को अब अंत समय में लग गया कि हमारी सरकार जाने वाली है, तब महंगाई याद आई है। चार साल तक सरकार क्या करती रही? अब राहत शिविर लगा रही है, लेकिन जनता अब सब समझ चुकी है। एक बार इनके बहकावे में आ गई, दूसरी बार झांसे में नहीं आने वाली।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपनी कुर्सी को बचाने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए। कानून का राज स्थापित करने में कोताही बरती। राजस्थान में भ्रष्टाचार को ऊंचाई पर लेकर गए। महंगाई को बढाया। बेरोजगारी को पहले पायदान पर पहुंचाया। महिला अपराध में प्रदेश को देश में एक नंबर पर पहुंचाया। इस सरकार के कार्यकाल में दो लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुए। दलितों पर होने वाले अत्याचार को एक नंबर पर पहंचाया। कुल मिलाकर राजस्थान को अपराध का गढ़ बना दिया। सरकार की इस नाकामी को उजागर करने के लिए ही भाजपा को परिवर्तन यात्रा निकालनी पड़ी।

सड़क हादसे में बाइक सवार पिता की मौत, बेटी घायल

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। थाना क्षेत्र में बीती रात हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पिता की मौके पर मौत हो गई एवं बाइक पर सवार बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना उस समय घटी जब बाइक सवार लालसोट थाना क्षेत्र के खटवा ग्राम निवासी संतोष महावर खुद की पुत्री दिव्या को बाइक पर बैठा कर घर आ रहा था।

इसी दौरान थाना क्षेत्र के लालसोट तुगा रोड पर रामनगर रेवड़ी स्कूल के पास एक ट्रैक्टर द्वारा तेज गति में पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मारने से यह सड़क दुर्घटना घटित हुई। यह सड़क दुर्घटना इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर द्वारा मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मारने के बाद बाइक सवार संतोष महावर सड़क पर जा गिरा एवं बेटी दूर उछलकर जा गिरी।

सड़क पर गिरे को पीछे तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर द्वारा कुचल देने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल दिव्या को रामगढ़ पचवारा उप जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों द्वारा दिव्या की हालत गंभीर होने के चलते उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं सड़क दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को मौके पर छोड़कर घटनास्थल से मौका पाकर भागने में कामयाब रहा। वहीं पुलिस द्वारा बुधवार सुबह मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

लारेंस के नाम से रंगदारी मांगने वाला सूरत से गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा और शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र में बिल्डर और ज्वैलरी कारोबारी महिला को रंगदारी के नाम पर 50-50 लाख की फिरौती मांगने वाले को पुलिस ने गुजरात के सूरत इलाके से दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की साइबर टीमों के साथ जिला पूर्व एवं पश्चिम की टीमों ने संयुक्त रूप से जाल बिछाया और उसे दस्तयाब के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली। आरोपी का लारेंस से कोई लेना-देना नहीं है। उसे पैसों की जरूरत थी और वह लालच में पड़ा हुआ था। गूगल पर नंबर सर्च कर उसने वाट्सअप कॉल कर शहर के दो प्रमुख लोगों को रूपयों के लिए धमकाया था। पुलिस उपायुक्त पूर्व डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि शास्त्रीनगर और रातानाडा थाने में पिछले तीन- चार दिन पहले किसी शख्स ने बिल्डर और महिला ज्वैलरी कारोबारी को वाट्सअप कॉल कर लारेंस के नाम पर 50-50 लाख की रंगदारी मांगी थी और जान से मारने और उठा लेने की धमकी दी थी। जिस पर जिला पूर्व एवं पश्चिम में एक एक प्रकरण दर्ज हुआ था।

- महिला ज्वैलरी कारोबारी व बिल्डर को धमकी दी थी

डीसीपी डॉ. दुहन ने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ ने कमिश्नरेट की जिला पूर्व एवं पश्चिम की अलग अलग टीमों का गठन करते हुए रातानाडा थानाधिकारी नरेश मीणा, शास्त्रीनगर थानाधिकारी प्रदीप डांगा के सुपरविजन में गठित टीमों के साथ साइबर टीम ने कॉल करने वाला पता लगाया तो मालूम हुआ कि कॉलिंग सूरत से की गई है। इस पर पुलिस की टीमों ने लोकेशन को मिलाते हुए सूरत से एक युवक उदाणियों की ढाणी जिला फलोदी के हरीराम उर्फ हरिश पुत्र हरचंदराम विश्नोई को दस्तयाब किया। डीसीपी दुहन ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी हरिश उर्फ हरीराम विश्नोई को पैसों की जरूरत थी। वे बेरोजगार था और मजदूरी के लिए इधर-उधर राजस्थान के बाहर मजदूरी करता था। कभी महाराष्ट्र तो कभी गुजरात चला जाता था।

16 सितंबर को शास्त्रीनगर सी सेक्टर निवासी कर्ण सिंह पुत्र पुखराज शाह की तरफ से शास्त्रीनगर थाने में रिपोर्ट दी गई थी कि उसकी पत्नी प्योर गोल्ड नाम से बिजनैस करती है कारोबारी पत्नी के नाम पर चलता है। तब शाम के समय किसी शख्स ने कॉल कर 50 लाख की रंगदारी मांगी और उठा लेने की धमकी देने के साथ जान के लिए धमकाया था। फोन करने वाले ने बार बार कॉल किया तब पति पत्नी थाने पहुंचे और केस दर्ज कराया था। इसी तरह रातानाडा थाने में एक बिल्डर दासपा हाउस के पास में कार्यालय चलाने वाले पृथ्वी सिंह को धमकाया गया था। यह कॉल भी कुछ देर बाद किया गया था। उससे भी कार्यालय बंद कराने और देख लेने की धमकी देकर 50 लाख की फिरौती मांगी गई थी।

फतहसागर-स्वरूपसागर झील फिर छलकी, दोनों के गेट खोले

लेकसिटी में कभी धूप तो कभी बूंदाबांदी, पांचवें दिन भी बारिश

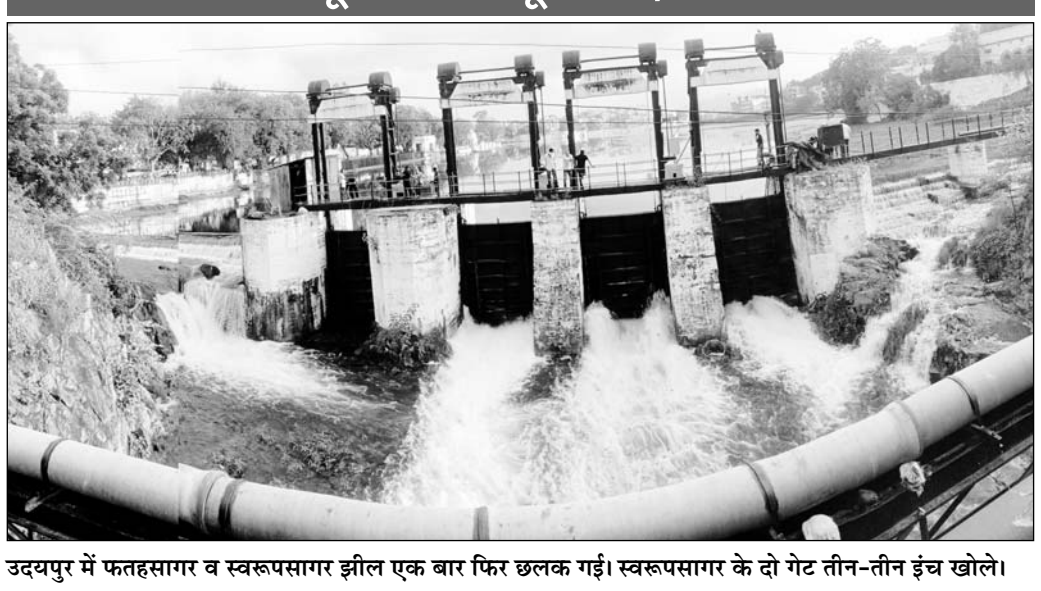

उदयपुर में फतहसागर व स्वरूपसागर झील एक बार फिर छलक गई। स्वरूपसागर के दो गेट तीन-तीन इंच खोले।

उदयपुर, (कासं)। बुधवार को सुबह बारिश के बाद दोपहर में धूप खिली तो शाम होते-होते फिर बदले मौसम के साथ बूंदाबांदी होने लगी। उदयपुर में बरसात का यह पांचवां दिन है लेकिन आज बारिश का दौर कमजोर पड़ता दिखा। इधर, शहर की प्रमुख झीलें फतहसागर व पीछोला झील के लबालब होने से शाम पांच बजे पहले फतहसागर के चारों गेट तीन-तीन इंच व इसके बाद स्वरूपसागर के दो गेट चार-चार इंच खोल दिए गए है।

लेकसिटी में पांचवें दिन भी बारिश का दौर जारी रहा हालांकि आज मानसून का छठा दौर कमजोर पड़ता दिखाई दिया। वहीं लगातार बारिश से झीलों की खुशियां एक बार फिर उफान पर है। मंगलवार को उदयसागर झील के गेट खोले जाने के बाद बुधवार को फतहसागर झील व स्वरूपसागर झील के गेट भी खोल दिए गए है। आकोदड़ा डेम से हो रही आवक के चलते दोनो झील के गेट खोले गए है। वहीं शाम 5 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले में हल्की बूंदाबांदी के समाचार ही मिले है। जिले के देवास में 5, गोगुन्दा में 4, झाड़ोल में 2, नाई 7, ओगणा 5 व उदयपुर शहर में 4 मिमी बरसात रिकॉर्ड की गई।

चंबल नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 2.59 मीटर दूर

बुधवार शाम को चंबल नदी का जलस्तर 128.20 मीटर पहुंचा

कोटा बैराज सहित अन्य स्थानों से चंबल नदी में पानी छोड़े जाने के बाद नदी में उफान आया।

धौलपुर, (निसं)। कोटा बैराज सहित अन्य स्थानों से चंबल नदी में पानी छोड़े जाने के बाद नदी में उफान आया है। जिससे धौलपुर जिले में भी चंबल नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जो बुधवार शाम को खतरे के निशान से महज 2.59 मीटर दूर रह गया। हालांकि लोगों को चिंतित और परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अब रात में नदी का जलस्तर लगातार कम होगा तथा अभी तक अतिरिक्त पानी छोड़ने की सूचना नहीं है। हालांकि फिर भी जिलेवासियों को बरसात के समय में सावधान और सतर्क रहने की जरुरत है। सिंचाई विभाग धौलपुर के एईएन पर्वेंद्र मीणा ने बताया कि बुधवार शाम को 6 बजे चंबल नदी का जलस्तर 128.20 मीटर पहुंच गया।

धौलपुर में चंबल नदी का खतरे का निशान 130.79 मीटर पर है। वहीं चेतावनी का निशान 129.79 मीटर पर है। एईएन पर्वेंद्र मीणा ने बताया कि चंबल नदी में गेट खोलकर जो पानी निकल गया था उसके बाद मंगलवार शाम को ही गेट बंद कर दिए गए, इसलिए अब चंबल नदी में और पानी नहीं आएगा तथा रात को जलस्तर और कम होगा, इसलिए जिले वासियों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

पटाखा व्यापारियों ने दी आत्महत्या की चेतावनी

चूरू, (कासं)। चूरू में पटाखा व्यापारियों के लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं होने से उन्हें बहुत ही परेशानी हो रही है। यहां पटाखा व्यापार मंडल यूनियन के अध्यक्ष राम रतन बजाज, उपाध्यक्ष मनोज बजाज, दिनेश अग्रवाल, योगेश लोहिया, विशाल किल्ला, संजय खेमका आदि प्रशासन से कई बार लाइसेंस नवीनीकरण करने की मांग कर चुके हैं। यहां का प्रशासन पिछले 2 साल से पटाखा व्यापारियों के लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कर रहा है। व्यापारियों ने बताया कि 2 साल से प्रशासन लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कर रहा है। उससे पहले 2 साल कोरोना में चले गए। यहां पटाखा व्यापारियों के भूखा मरने की नौबत आ गई है। अब परेशान पटाखा व्यापारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र ही उनके लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ तो वे आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाएंगे।

- लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं होने से परेशान है व्यापारी

पर्यावरण स्वीकृति आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आशियाना हाउसिंग लिमिटेड की प्रस्तावित परियोजना "द अमलतास बाय आशियाना" जो कि खसरा सं. 159, 161-165, 167, 169, ग्राम मुरलीपुरा, तहसील- सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान में स्थित है तथा जिसका भूखण्ड क्षेत्रफल 14602.92 वर्गमीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) संपत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/ Sectt/ Project/ B2/ Cat.8a (23177)/ 2021-22 दिनांक 15.09.2023 तथा पहचान संख्या EC23B038RJ180399 दिनांक 18.09.2023 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है एवं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट http://www.parivesh.nic.in पर भी उपलब्ध है।

'राहुल गांधी की सभा के कारण स्वदेशी-स्वरोजगार मेले का भूमि आवंटन रद्द किया आवासन मंडल ने'

- स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक देवेंद्र भारद्वाज ने बताया कि 23 से 30 सितम्बर तक मेले के लिए भूमि आवंटन की पूरी राशि जमा करवा दी थी, साथ ही एन.ओ.सी. मिल गई थी।
- मेले में कई स्टॉलों के साथ ही जॉब फेयर, श्रीराम ज्योति महाआरती, सामूहिक हनुमान चालीसा सहित कई आयोजन होने थे।

जयपुर। राजधानी के मानसरोवर में वीटी रोड स्थित मेला ग्राउंड पर राहुल गांधी की प्रस्तावित सभा को लेकर 23 से 30 सितम्बर तक लगने वाले मेले के लिए भूमि आवंटन को राजस्थान आवसन मंडल ने राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद रद्द कर दिया है।

स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक देवेंद्र भारद्वाज ने बताया कि स्वदेशी एवं स्वरोजगार मेला के लिए 23 से 30 सितंबर तक मानसरोवर स्थित वी. टी. रोड मेला ग्राउंड पर भूमि की बुकिंग मय शुल्क हो चुकी थी। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि अचानक कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी का सार्वजनिक कार्यक्रम 23 सितंबर को मेला स्थल पर बताकर मेला समिति का भूमि आवंटन निरस्त करवा दिया गया। इस कारण आयोजक मेला स्थगित करने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि स्वदेशी जागरण मंच द्वारा जुलाई में ही राजस्थान आवासन मंडल को स्थान का संपूर्ण शुल्क जमा करवाकर ही अनुमति ली गई थी। पुलिस व विद्युत निरीक्षक की भी एन ओ सी मिल गई थी, लेकिन मंडल द्वारा अचानक फोन पर सूचना दी गई कि 23 सितम्बर को ही राहुल गांधी की सभा होने के कारण स्थान का आवंटन रद्द किया गया है।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी एवं स्वरोजगार मेला में 23 से 30 सितंबर आठ दिनों तक सैंकड़ों स्टॉल्स के माध्यम से भारी मात्रा में व्यापार की संभावना थी। साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा जॉब फेयर लगना तय था, जिसमें कई कंपनियाँ हजारों जॉब का आश्वासन दे चुकी थी। मेले में विविध कार्यक्रम तय थे। इनमें श्रीराम ज्योति महाआरती, सामूहिक घूमर, यज्ञ, सामूहिक हनुमान चालीसा, किसान विमर्श, बौद्धिक परिचर्चा आदि। इन कार्यक्रमों में रोजाना हजारों लोगों के पहुंचने की संभावना थी। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मेला अचानक स्थगित हो जाने से व्यवसायियों व आमजन के हितों पर गंभीर आर्थिक व मानसिक कुठाराघात हुआ है। मेले में सहभागी होने के लिए कई दस्तकारों ने कर्ज लेकर अपना सामान तैयार करवाया था।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 21 सितम्बर को दोपहर 12 बजे अल्बर्ट हॉल पर 175 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित नेहरू उद्यान, अण्डरपास-लक्ष्मी मंदिर तिराहा, रामनिवास बाग भूमिगत पार्किंग, सिल्वन जैव विविधता वन (आगरा रोड) का लोकार्पण करेंगे। वहीं 255 करोड़ रूपये से प्रस्तावित 4 प्रोजेक्ट्स गोविन्द देव मंदिर क्षेत्र का सौंदर्यीकरण व विकास कार्य, ईदगाह क्षेत्र का सौंदर्यीकरण व विकास कार्य, सैटेलाईट हॉस्पिटल, कानोता व बालमुकुन्दपुरा (अजमेर रोड) व राजस्थान उच्च न्यायालय के सामने भूमिगत पार्किंग का शिलान्यास करेंगे।

साईकिल चलाने के बहाने मासूम का अपहरण

- शरीर पर कालिख पोत देर रात अजमेर रोड पर पटक कर बदमाश भाग गए बदमाश

जयपुर। राजधानी के मुहाना इलाके में घर पास साईकिल चला रहे मासूम को कार सवार बदमाश अपहरण कर ले गए। बच्चे के लापता होने से परिजनों और आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। बदमाश बच्चे से मारपीट कर शरीर पर कालिख पोतकर बेहोशी की हालत में अजमेर रोड पर सुनसुना जगह पटक कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को अस्पताल पहुंचाया। वहीं बदमाशों को पकड़ने के लिए नाकाबंदी कराई लेकिन, अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस सीसीटीवी कैमरे और मोबाइल डिटेल खंगाल रही है।

जानकारी के मुताबिक श्याम विहारी कॉलोनी निवासी मुनेश कुमार का 10 वर्षीया बेटा अन्य बच्चों के साथ साईकिल चला रहा था। इसी बीच एक युवक ने उससे चलाने के लिए साईकिल मांगी तो बच्चे ने मना कर दिया। उसके बाद शातिर ने उसे पीछे बैठाकर साईकिल चलाने के लिए राजी कर लिया। बच्चे को पीछे बैठाकर बदमाश साईकिल को करीब 100 मीटर दूर तक ले गया। इसी बीच कार सवार अन्य बदमाश पहुंचे और बच्चे का अपहरण कर साईकिल भी ले गए। बच्चे को जबरन उठाकर ले जाने के बाद अन्य बच्चों ने शोर मचाया तो इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों के साथ पडोसी भी बच्चे के तलाश में जुटे मगर सुराग नहीं लगा। इसी बीच रात करीब 1 बजे ई-रिक्शा चालक ने अजमेर रोड स्थित 200 फीट बायपास पर बेहोश पड़े बच्चे के सूचना दी तो पुलिस भी मौके पर पहुंची और बच्चे को दस्तयाब किया। मुनेश और उसकी पत्नी सांगानेर में कपड़ों का कारोबार करते है जिसकी चलते पुलिस किसी रंजिश या फिर फिरौती की मांग के एंगल पर भी जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार बच्चे के शोर मचाने पर बदमाशों ने उससे मारपीट की। अपहरण करने वालों ने उसके शरीर पर कालिख पोती। बदमाशों के डर और मारपीट से बच्चा बेहोश हो गया। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि आखिर बदमाशों ने कालिख क्यों पोती। पुलिस अब वारदात में प्रयुक्त काले रंग की कार के आधार पर बदमाशों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

बच्चे के साथ आए युवक ने कपड़े चुराए

जयपुर। मालपुरा गेट इलाके में बच्चे के साथ आया व्यक्ति कपड़े की दुकान से कपड़ा चोरी करके ले गया। चोरी की घटना दुकाने में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में नेवटा सेज निवासी रामप्रकाश ने मामला दर्ज करवाया है। जिसमें बताया कि उसकी कशीदा गली में श्याम परिधान के नाम से दुकान है। 17 सितंबर को दिन में 3 बजकर 20 मिनिट पर एक व्यक्ति बच्चे को साथ लेकर आया। दुकान पर आए व्यक्ति ने कॉटन के तीन थान जिसमें 60 मीटर माल निकलवाकर चोरी करके साथ ले गया। पीड़ित का कहना है कि उसने पास की दुकान से सीसीटीवी कैमरे से रिकार्डिंग निकलवाई है। जिसमें व्यक्ति चोरी करते हुए साफ दिखाई दे रहा है।

पीड़ित रामप्रकाश ने बताया कि जिस समय युवक कपड़ा लेने आया उसी दौरान दो तीन महिलाएं भी आई है। जो कपड़े को देखने लगी। महिलाओं को कपड़े दिखाने के दौरान वह बिजी हो गया, तभी बच्चे को साथ आया युवक कपड़ा लेकर चला गया। दूसरे दिन जब कपड़ा संभाला तो उसमें 60 मीटर कपड़ा गायब मिला। इस पर सामने लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकलवाए गए तो उसमें बच्चा लेकर आया युवक कपड़ों का बण्डल ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

गोदामों के निर्माण के लिए 14.40 करोड़ रुपए स्वीकृत

जयपुर। नाबार्ड ने वर्ष 2023-24 के दौरान भंडारागार आधारभूत सुविधा निधि (डब्ल्यूआईएफ) के तहत राजस्थान सरकार को 14.40 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है।

नाबार्ड राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. राजीव सिवाच ने बताया कि राजस्थान राज्य भंडारण निगम द्वारा अजमेर जिले के किशनगढ़ में 22500 मीट्रिक टन भंडारण क्षमता के लिए दो गोदामों के निर्माण के लिए 14.40 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

डॉ. सिवाच ने कहा कि इन गोदामों का निर्माण 22500 मीट्रिक टन की उच्च तकनीक भंडारण सुविधा प्रदान करने के लिए किया जाएगा। किसानों, सरकारी एजेंसियों, व्यापारियों आदि द्वारा इसका उपयोग किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उपज की बर्बादी को रोका जा सकता है।

मुख्य महाप्रबंधक ने यह सूचित किया कि निकटवर्ती 150 गांवों की लगभग 1.20 लाख आबादी इस योजना से लाभान्वित होगी। अभी तक नाबार्ड द्वारा राजस्थान सरकार को संचयी रूप से 3.59 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता के निर्माण के लिए 239.29 करोड़ रुपए का वितरण किया जा चुका है।

छात्र नेता को जेल से छुड़ाने टंकी पर चढ़े समर्थक

- पुलिस ने समझाइश कर सुबह नीचे उतारा
- दो छात्रों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में मंगलवार देर रात छात्र नेता को जेल से छुड़ाने के लिए दो समर्थक देर रात 12 बजे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पास पानी की टंकी पर चढ़ गए। सभी छात्र नेता नरेश मीणा को रिहा करने की मांग करने लगे। युवकों के पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। समझाने के बाद बुधवार सुबह करीब 11 बजे सभी छात्र नीचे उतर आए।

दरअसल, सचिन पायलट के जन्मदिन पर बारां में रैली निकालने को लेकर पुलिस ने छात्र नेता नरेश मीणा को पकड़ा था। बाद में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। समर्थक इस पूरे मामले में पुलिस के एक्शन से नाराज हैं। टंकी पर चढ़े राम भजन (23) और मुकेश मीणा (21) ने बताया कि बारां पुलिस ने गलत तरीके से नरेश मीणा को जेल भेजा है। वह सामान्य रैली निकालकर सचिन पायलट का जन्मदिन मना रहे थे।

पुलिस प्रशासन ने उन्हें बिना परमिशन के रैली निकालने के आरोप में पकड़ लिया और फिर जेल भेज दिया। टंकी पर चढ़े दोनों युवक बस्सी के रहने वाले हैं। उनका कहना है कि प्रशासन से लगातार मांग कर रहे थे कि नरेश मीणा को जल्द से जल्द छोड़ दिया जाए। पुलिस ने इस पूरे मामले में अत्याचार किया है। नरेश मीणा पिछले कई समय से छात्र राजनीति में सक्रिय है। बारां से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। नरेश मीणा ने सचिन पायलट के जन्मदिन पर एक वाहन रैली निकाली थी। पुलिस प्रशासन का आरोप है कि बारां जिले में निकाली गई इस वाहन रैली की परमिशन नरेश मीणा ने नहीं ली थी। इसके चलते जिला पुलिस ने नरेश मीणा को गिरफ्तार किया था। नरेश को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया था। नरेश मीणा के जेल जाने से उनके समर्थकों में निराशा देखी गई थी। इसके बाद देर रात 12 बजे दो युवक राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। नरेश मीणा की रिहाई की मांग की। पुलिस ने बताया कि दोनों ही युवकों को शांति भंग में गिरफ्तार कर लिया है।

'राजस्थान में होगा परिवर्तन'

जयपुर, (का.सं.)। किशनपोल विधानसभा क्षेत्र स्थित जोहरी बाजार में भाजपा की "परिवर्तन संकल्प यात्रा" के आगमन पर पार्षद कुसुम यादव ने साथी कार्यकर्ता बंधुओं, मातृशक्ति, स्थानीय निवासियों के साथ रथ का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। कुसुम यादव ने जनसमूह को संबोधित करते हुए बताया कि राजस्थान में परिवर्तन होने वाला है राजस्थान की जनता संकल्प ले चुकी है कि कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकना है।

जनता 5 सालों से कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त है और अब दोनो हाथ खोलकर भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाने के लिए तैयार है। परिवर्तन संकल्प यात्रा में भारी संख्या में उमड़े जनसमूह को देखकर लग रहा है कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी का कमल पूर्ण बहुमत के साथ खिलेगा।

कार्यकर्ता बंधुओ मातृशक्ति और भारी संख्या में मुस्लिम बंधुओ द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव जोहरी बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल सराफा कमेटी अध्यक्ष कैलाश मित्तल घी वालों का रास्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज लुहाड़िया सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता बंधु मातृशक्ति और स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री रामकिशोर मीणा को रोका

जयपुर। चुनाव नजदीक आने के साथ ही सियासी गर्माहट भी बढ़ रही है। अब पूर्व मंत्री और भाजपा नेता रामकिशोर मीना ने भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण चतुर्वेदी और जिला संगठन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी को पत्र लिखा है, जिसमें सिकराय में परिवर्तन यात्रा के दौरान उनकी अपेक्षा के आरोप लगाए। वहीं, जिला संगठन पर टिकट के उम्मीदवारों से कार्यक्रमों के नाम पर उगाही करने का गंभीर आरोप भी लगाया है।

मीणा ने लिखा कि सिकराय में केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल व रामकुमार वर्मा ने मुझे रथ पर आने के लिए कहा। रथ पर चढ़ने लगा तो यात्रा संयोजक चतुर्वेदी ने यह कहते हुए रोक दिया कि यहां सवार होने का प्रोटोकॉल नहीं है। दो बार ऐसा हुआ और बाद में पीछे बैठने का फरमान सुना दिया लेकिन सिकन्दरा चौराहे पर फिर प्रोटोकॉल की याद दिला दी।

मैं कड़वा घूंट पीकर वापिस जयपुर आ गया।

प्रदेश संगठन के नाम पर कई विधानसभाओं में टिकट के उम्मीदवारों से 25 हजार से 1 रुपए तक पैसे लिए जा रहे हैं। वही उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ड्राइवर तक को भी 5 -5 हजार तक दिलवाए। सिकराय विधानसभा से 13 और दौसा विधानसभा क्षेत्र के ऐसे 22 उम्मीदवार बताए। जबकि, स्वागत, भोजन की व्यवस्था तो संगठन करता आया है।

तीन महिलाओं समेत पांच तस्कर गिरफ्तार

- जयपुर के जवाहर सर्किल, कानोता, चित्रकूट, जयसिंहपुरा खोर व श्यामनगर में ड्रग्स माफियाओं पर पुलिस की रेड
- 4.59 ग्राम स्मैक, 91.9 ग्राम गांजा व 22,400 रुपए बरामद

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी ने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' अभियान के तहत जवाहर सर्किल, कानोता, चित्रकूट, जयसिंहपुरा खोर व श्यामनगर इलाके में कार्रवाई कर तीन महिलाओं समेत पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 4.59 ग्राम स्मैक, 91.9 ग्राम गांजा व बिक्री के 22,400 रुपए व परिवहन में प्रयुक्त एक बाइक बरामद की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में पांच प्रकरण दर्ज किए है।

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पुष्पा सांसी पत्नी बनवारी सांसी (44) निवासी सांसी मौहल्ला, खरेड़ा टोडा जिला टोंक हाल वर्ल्ड ट्रेड पार्क के पीछे, मालवीय नगर, पप्पी देवी पत्नी रामकिशन सांसी (50) निवासी मालियों का मौहल्ला गांव कानोता, शिवा मालावत पुत्र मोहन मालावत (24) निवासी गांव मदाउ मुहाना हाल जेडीए क्वार्टर सिरसी रोड भांकरोटा, सोनम सांसी पत्नी सन्नी सांसी (26) निवासी गांव तिनकीरुढी मुण्डावर अवलर हाल पटेल नगर वीआईपी स्कूल के पास नायला रोड और मोहम्मद अली उर्फ बबलू पुत्र स्व. मोती सैयद हुसैन (40) निवासी गंगा विहार कॉलोनी सुशीलपुरा नाले के पास, श्यामनगर है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में अलग-अलग पांच मामले दर्ज कर 4.59 ग्राम स्मैक, 591.9 ग्राम गांजा, बिक्री राशि 22,400 रुपए व एक बाइक जब्ज की है।पुलिस तस्करों से पूछताछ कर रही है।

उत्तरप्रदेश से हथियार लाकर बेचने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

- आरोपियों से 1 पिस्टल, 9 जिन्दा कारतूस सहित बाइक बरामद

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी ने ऑपरेशन आग के तहत करधनी इलाके में कार्रवाई कर दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 1 पिस्टल, 9 जिन्दा कारतूस, 1 खाली कारतूस व एक बाइक बरामद की है। दोनों ही बदमाश संगठित गिरोह के रुप में हथियार सप्लायर गैंग है, जो उत्तरप्रदेश से हथियार खरीदकर जयपुर शहर में सप्लाई करते है।

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विशाल सिंह पुत्र राजू सिंह (21) निवासी छोटी खाटू, खुनखुना डीडवाना कुचामन और कुन्दन सिंह उर्फ बिट्टू पुत्र मोहन सिंह (23) निवासी वार्ड नंबर 5 दलतपुरा दांतारामगढ़ सीकर है। आरोपी विशाल सिंह और कुन्दन सिंह उर्फ बिट्टू संगठित गिरोह के रुप में हथियार सप्लायर गैंग के सदस्य है, जो उत्तरप्रदेश से हथियार खरीदकर जयपुर शहर में सप्लाई करने का काम करते है।

आरोपी जयपुर में बड़ी मात्रा में हथियार सप्लाई करते है। ये लोग डिमाण्ड के आधार पर हथियार खरीदने वालों को व्हाट्सअप पर फोटो भेजते है और जो अच्छे दाम देते उनको बेचकर वापस चले जाते है। आरोपी हर 10 दिनों में 4-5 हथियार लेकर आते है। पूछताछ आरोपियों ने जयपुर शहर में सप्लाई करना कबूला है। पुलिस ने इनसे 1 पिस्टल, 9 जिन्दा कारतूस, 1 खाली कारतूस व एक बाइक बरामद की है।

बियानी लॉ कॉलेज में ओरिएंटेशन प्रोग्राम ऊर्जा का समापन

जयपुर, (का.सं.)। विद्याधर नगर स्थित बियानी लॉ कॉलेज में दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दूसरे दिन भी ऊर्जा 2023 का आगाज पूरी गर्म जोशी के साथ में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत लाइटिंग ऑफ लेम्प के साथ की गई और लॉ कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. वर्षा शर्मा ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज के चैयरमेन डॉ. राजीव बियानी, कॉलेज निदेशक डॉ. संजय बियानी, कॉलेज डीन डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल और लेबर एंड वेलफेयर कमीशनर एस.एस. शर्मा रहें।

डॉ. राजीव बियानी ने कहा कि जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए अपने पैशन और प्रोफेशन को एक बनाना आवश्यक है। अपने काम से प्यार करे जिससे सफलता आपके कदम चूमें तथा विद्यार्थियों को करंट अफेयर्स और न्यायिक निर्णयों से अवगत रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस एस शर्मा ने विद्यार्थियों को लेबर लॉ में करियर और स्कोप के बारे में जानकारी दी तथा भारत में लेबर वर्ग के लिए बने अनेक कानूनों से अवगत करवाया।

वहीं कॉलेज निदेशक डॉ. संजय बियानी ने कहा कि अच्छा लीडर बनने व पर्सनेलिटी के लिए आलोचक की बजाय प्रंशसक बने स्वयं भी उत्साह में रहें और सकारात्मक बने तथा ऐसा ही माहौल बनाए। कार्यक्रम के अंत में मंच संचालन कर रही सहायक प्रोफेसर कुसुम सैनी ने बच्चों को डांस एक्टिविटी करवाई व एचओडी रोशन लाल ने सभी अतिथियों को मोमेंटों देकर सम्मानित किया।

ज्योतिषाचार्य पवन शर्मा दुबई दौरे पर

जयपुर। राजस्थान विप्र कल्याण बोर्ड सलाहकार सदस्य अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष अनुसंधान केंद्र ज्योतिष आचार्य पवन शर्मा दुबई के दौरे पर पांच दिवसीय दुबई दौरे पर रहेंगे। भारतीय सनातन धर्म का प्रचार ज्योतिष प्रश्न कुंडली के माध्यम से लोगों का करेंगे। मुलाकात साथ में विश्व सद्भावना का देंगे संदेश ज्योतिष आचार्य पवन शर्मा का विप्र कल्याण बोर्ड राज्य मंत्री राजस्थान सरकार महेश शर्मा राजस्थान जन विकास परिषद अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन नेहा चतुर्वेदी करणी फाउंडेशन के अध्यक्ष राम सिंह सुदर्शन घनश्याम शर्मा अजय शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मिलेट मेला आज से

जयपुर, (का.सं.)। इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान जवाहरलाल नेहरू मार्ग जयपुर में गुरूवार से मिलेट मेला लगाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि देश इस वर्ष मिलेट वर्ष मना रहा है। इसी संबंध में इस मेले का आयोजन किया जायेगा।

तनाव-एंजाइटी में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता जरूरी : डी.जी.पी.

- पुलिस मुख्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर कार्याशाला आयोजित

जयपुर। डीजीपी उमेश मिश्रा ने कहा कि आज के दौर में मानसिक तनाव और एंजाइटी की समस्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने पुलिस के साथ आमजन से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गम्भीरता बरतने की सलाह दी।

मिश्रा बुधवार को पुलिस मुख्यालय में इंग्लैंड के मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी में तैनात राजस्थान मूल के डॉ. विमल शर्मा के मानसिक स्वास्थ्य पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। डीजीपी ने कहा कि जीवन की जटिलताओं के मध्य युवा वर्ग सहित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या बढ़ी। इसका मुख्य कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अभिभावकों के उचित मार्गदर्शन के अभाव में बच्चे मानसिक तनाव के शिकार होकर आत्महत्या तक का कदम उठा रहे हैं। उन्होंने जीवन के सकारात्मक दृष्टिकोण पर बल देते हुए कहा कि काम के बढ़ते बोझ की स्थिति में व्यवस्थित जीवन शैली की जरूरत है। नियमित व्यायाम, योग-प्राणायाम और खेल सहित स्वयं की देखभाल व मनोरंजन गतिविधियों से व्यस्त रखकर मन की खुशी का पैमाना बढ़ाया जा सकता है।

डीजी कानून व्यवस्था राजीव शर्मा ने सभी का स्वागत कर पुलिस अधिकारी व जवानों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गम्भीरता और मानसिक समस्याओं के समय पर सामाधन पर बल दिया। एक दिवसीय कार्यशाला में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव बगरहट्टा ने व्यवस्थित दिनचर्या के साथ नियमित व्यायाम पर जोर दिया। मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी में कार्यरत राजस्थान मूल के डॉ. विमल शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य की स्थितियों के नियमित रूप से आंकलन करने के साथ ही समय-समय पर विशेषज्ञों से विचार विमर्श करने की सलाह दी। इंग्लैंड से आए विशेषज्ञ डॉ. कैथरीन एवं डॉ रॉबर्ट पॉल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर एडीजी क्राइम दिनेश एमएन, एडीजी बिपिन पाण्डे, आईजी राजेन्द्र सिंह, डीआईजी श्वेता धनखड़, एसएमएस के सीनियर प्रोफेसर डॉ. लोकेश शर्मा, पीएचक्यू के डॉ. सुनील पूनिया सहित पुलिस संस्थानों में कार्यरत चिकित्साधिकारियों ने भाग लिया।

नारी शक्ति वंदन विधेयक एक नारा नहीं बल्कि संकल्प है जो सिद्धी तक पहुंचेगा : सी.पी. जोशी

'राजस्थान की कांग्रेस सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौडगढ सांसद सीपी जोशी ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पर बोलते हुए कहा यह एक नारा नहीं बल्कि संकल्प है जो सिद्धि तक पहुंचेगा। मोदी सरकार ने हमेशा नारी को सम्मान देने कि दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। इस विधेयक से सही मायने में नारी को सम्मान और अधिकार मिलेगा। लोकतंत्र के नव निर्मित मंदिर का नारी शक्ति वंदन विधेयक से श्रीगणेश हुआ है, अभी तो शुरूआत है, यहां से बहुत कुछ अभूतपूर्व और निर्णायक होगा। यह भवन भारत की नई तकदीर लिखेगा। जोशी ने कहा हमारे गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और सनातन परम्परा में नारी शक्ति का सम्मान किया जाता रहा है। मां और देश हमारे लिए स्वर्ग के समान है, हम भारत माता का जयघोष भी करते है। सीपी जोशी ने कहा भारत में कई महिलाओं ने अपने राज्य का शासन संभाला।

ARBiT it happens here...

World Alzheimer's Day

Millions of families struggle with challenges due to Alzheimer's disease. The world lights up purple on World Alzheimer's day, a day dedicated to raising awareness about Alzheimer's and dementia. Every three seconds someone in the world develops dementia/ Alzheimer's, according to the Alzheimer Disease International (ADI). So because of this, organizations around the world come together on this day to support finding a cure for this sorrowful disease.Raise awareness, donate time and money, and support the millions of families affected by the degenerative cognitive disease known as Alzheimer's.

#TECH-SAVVY

Mesh Traps And Purifies Water From Fog

Droplets trickle down the mesh and are collected to provide water for drinking, cooking, and washing.

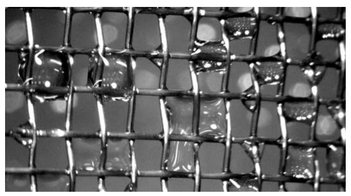

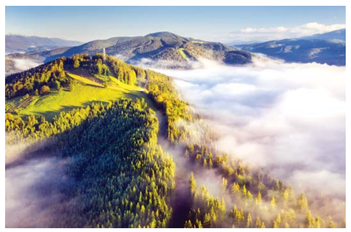

A specially coated metal mesh can harvest water from fog and remove pollutants at the same time, report researchers.

In countries such as Peru, Bolivia, and Chile, it's not uncommon for people who live in foggy areas to hang up nets to catch droplets of water. The same is true of Morocco and Oman.

Droplets trickle down the mesh and are collected to provide water for drinking, cooking, and washing. As much as several hundred liters of water can be harvested daily using a fog net only a few square meters in area. For regions with little rain or spring water, but where fog is a common occurrence, this can be a blessing.

One crucial drawback with this method, however, is atmospheric pollution, since the hazardous substances also end up in the droplets of water. In many of the world's major cities, the air is so polluted that any water harvested from fog isn't clean enough to be used untreated either for drinking or for cooking.

Researchers at ETH Zurich have now developed a method that collects water from fog and simultaneously purifies it. This uses a close-mesh lattice of metal wire coated with a mixture of specially selected polymers and titanium dioxide. The polymers ensure that droplets of water collect efficiently on the mesh and then trickle down as quickly as possible into a container before they can be blown off by the wind. The titanium dioxide acts as a chemical catalyst, breaking down the molecules of many of the organic pollutants contained in the droplets to render them harmless.

"Our system not only harvests fog but also treats the harvested water, meaning it can be used in areas with atmospheric pollution, such as densely populated urban centers," Ritwick Ghosh explains. A scientist at the Max Planck Institute for Polymer Research in Mainz, Ghosh conducted this project while on an extended guest stay at ETH Zurich. There, he was a member of the group led by Thomas Schutzius, who is now a professor at the University of California, Berkeley.

Once installed, the technology needs little or no maintenance. Moreover, no energy is required apart from a small but regular dose of UV to regenerate the catalyst. Half an hour of sunlight is enough to reactivate the titanium oxide for a further 24 hours—thanks to a property known as photocatalytic memory. Following reactivation with UV, the catalyst also remains active for a lengthy period in the dark. With periods of sunlight often rare in areas prone to fog, this is a very useful quality.

The new fog collector was tested in the lab and in a small pilot plant in Zurich. Researchers were able to collect 8% of the water in artificially created fog and break down 94% of the organic compounds that had been added to it. Among the added pollutants were extremely fine diesel droplets and the chemical bisphenol A, a hormonally active agent.

In addition to harvesting drinking water from fog, this technology could also be used to recover water used in the cooling towers.

The Strangest Sati Ever...

May be it is the only Sati shrine in the entire country where devotees are legally allowed to worship the Sati Mata which is the symbol of symbiosis between people and wild creatures. This shrine is popularly known as Nahar Sati temple which is located inside the rich Siliberi forest block on the eastern side of the reserve. The famous Pandupole temple is not too far from this temple.

Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex field director project tiger Sariska & keoladeo national park, Bharatpur

In our childhood, we have all heard many tales of bravado of the great Rajput and Maratha warriors. We have even read about the famous story of johar by queen Padmini with thousands of her fellow women. The brave-heart Rani Hada had chopped off her own head in order to inspire her husband Rao Salumber to focus solely on fighting the enemy in the battlefield. These were highly inspirational legends.

Since school days, I have heard of stories of legendary people, like Raja Rammohan Roy and learned about Sati Pratha. This practice, I learnt, remained more prevalent among higher castes in different parts of India mostly during ancient and medieval times. Legendary Raja Ram Mohan Roy was instrumental in getting a regulation passed in 1829 to enforce ban on this loathsome custom.

Sati literally means 'a pure and virtuous woman'. The practice of Sati or self-immolation by the widow was associated with a kind of virtue. The righteousness of this practice was defined by a religious logic that it was inauspicious for a widow to live after the death of her husband. A widow who agreed to self-immolate herself at the funeral pyre of her husband was considered to be highly virtuous for she has attained the status of Sati Mata or Sati Goddess. My grandmother one day revealed the mythological story behind the origin of Sati Pratha. She narrated that Sati was the wife of Lord Shiva and she immolated herself to protest against her father who had insulted her husband Shiva.

This knowledge got me bit confused because as per her story when Sati immolated herself, her husband lord Shiva was alive wherein as per the Sati Pratha, only widows used to immolate themselves on the funeral pyre of their deceased husbands.

Many years later while serving in Rajasthan I had the opportunity of visiting few shrines made in respect of the Sati Matas at different places. I also saw how these shrines were drawing more and more devotees with every growing year. Suddenly in September 1987, one notable incidence came into light when in the village Deorala of Rajasthan, 17-year old Roop Kanwar, a bride of eight months immolated herself on her husband's funeral pyre.

This incidence stirred the entire country. Humans and women's rights activists came out on the streets throughout the country, seeking stringent law and exemplary action against those involved in this crime. The hue and cry not only activated state but also the central government as well as judicial courts. Consequently, overnight, several persons responsible for the act were arrested. At that time, the Indian Parliament acted speedily and unanimously passed the Commission of Sati (Prevention) Act, 1987 to abolish this custom forever from the Indian soil.

As a follow-up measure, as expected, state governments throughout the country got really geared up. The fares being organized on annual and periodic basis on various Sati Mata temples and shrines were forcefully stopped. Even now old locks may be found hanging on the dilapidated doors of these shrines.

Amidst this atmosphere won't you be surprised if I invoke you to visit a Sati shrine located in the heart of the tiger land Sariska? Yes, I really mean it but the purpose is neither to violate the law nor to irritate the said activists. It has a higher purpose of motivating people at large to respect nature and its wild creatures.

May be it is the only Sati shrine in the entire country where devotees are legally allowed to worship the Sati Mata which is the symbol of symbiosis between people and wild creatures. This shrine is popularly known as Nahar Sati temple which is located inside the rich Siliberi forest block on the eastern side of the reserve. The famous Pandupole temple is not too far from this temple.

The Pandupole nullah, a life line to several thousand wild creatures of the reserve, emerging from Pandupole, cover a stretch of about ten kilometer before reaching Siliberi. On the way it passes through the savannah forests of Umri valley which supports a huge population of ungulates like chital, sambar, blue bull and primates like hanuman langur. As pleasure while jumping and springing from one tree to another. Onlooker's eyes get riveted to the scene. The monkeys eat less but throw more on the floor to feed the herbivores which cannot climb these trees but wish to enjoy these tasty fruits full of nourishment. The hills surrounding this valley from all the four sides have excellent growth of dhonkada or dhonk (Anogeissus pendula) trees up to the top. Being basically a browser, sambar loves the hilly terrain. Many a times they come to quench their thirst in this nullah which flows in sizeable width through the valley.

This valley is around 6 km in length and 1 to 2 km in width. It has several secluded jungle pockets, therefore protection of wild life including the big cats has been a real challenge for the reserve management. It is worth mentioning that not far from this valley, a bit ahead of Siliberi are number of thickly populated villages like Baleta, Naya Gaon etc. The villagers are mainly cattle rearers. The luxuriant forage areas of this rich savannah jungle of Umri and Siliberi valleys lure them to graze their cattle here. Such cattle are likely to fall easy victim to the carnivores causing resentment among the villagers. During the reign of the royals before independence, the villagers living on the periphery or inside the reserve lived in perfect harmony with the wildlife, especially carnivores like tiger and leopard. The tiger then was not an enemy to them. The villagers worshipped the animal as a deity and did not harm it. But over a period of time the greed of the people has, however, changed this concept. That is why over time the management also started tightening its vigil. Firstly at Siliberi, a forest guard chowki was established in the old fort like red building built in pre-independence era.

After some time another chowki at Umri was also created. In 1990, a dedicated forest guard posted here fell victim to some unidentified criminals/poachers. In such a situation this Nahar Sati temple can prove to be a boon in safeguarding tigers and other wild creatures from agitated villagers and professional poachers. After all, how can people worshiping this Mata, a symbol of harmony between tiger and humans, can kill tigers or other wild animals for their petty self pursuits?

Had I not been posted at Sariska Tiger Reserve, I wouldn't have had the luck to have visited this unique shrine, may be the only one in the entire country. My first visit to the shrine was a mere chance.

During a rainy night in 1991 at Siliberi, one of the important protection posts located in the South-East of the Sariska Tiger Reserve, a forest guard told me a story which gave me goose bumps. He narrated the story of a pious lady who became Sati on the funeral pyre of a tiger. It was unbelievable. I knew our guards keep listening to many such stories of ghosts, in the company of tea for, forest dwellers and villagers located in the adjacent areas. But the guard swore his mother to justify his truthfulness and was ready to take me to the holy lady's shrine, located not far from this post.

The story had shaken me from head to toe. The anxiety to visit the shrine did not let me sleep that night. Next day, after inspecting the forest area of the Siliberi block, before noon time, we reached the shrine, a small building having tiger idols on either side of its entrance gate. There was an ordinary looking priest in the service of the shrine, who even offered drinking water and a cup of hot tea to us. But I was keen to testify the story narrated by the forest guard. The priest introduced me to a group of people, all of who seemed to belong to an educated city class. There were around seven men and women of all ages. They had come from Bombay to offer their puja (prayer) to the Sati Mata, which they worship as their pious Kuldevi (family deity). The eldest man of the family narrated the legend behind this shrine.

#FORREST DIARY

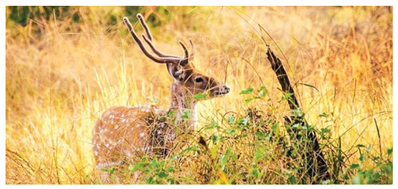

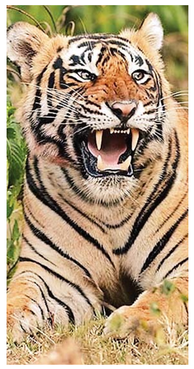

The legend

He told that about a thousand years ago, a forest dweller community used to live in this Siliberi valley in a hamlet having 30 odd cottages. A lady was living here with her little child and father-in-law as her husband had gone to a far away place for work. During one of these days a tiger took away the child. She was wearing a veil and did not look at the tiger. She thought it was her father-in-law who took the child. Later on, however, she learned that her father-in-law did not take the child. She was worried and started searching for the child. The child was finally found in the den of the tiger. The child was safe. She picked up the child and the tiger did not obstruct. Neither did the tiger hurt her nor the child. This unbelievable incident made her believe that it was no one else but her husband who came in the form of a tiger to take the child from her lap. The villagers, however did not believe her and to ensure safety to their lives and of their cattle, killed the tiger.

The custom during those days was that some women belonging to influential families used to immolate themselves on the funeral pyre of their husbands.

Killing of this tiger had hit the lady's sentiments to the extent that she immolated herself on the funeral pyre of the tiger for she believed that the tiger was her husband. Her immolation moved the villagers. They repented for their act and started worrying lest they would be punished by God for their sin. To atone for their sin, they built this shrine-temple called Nahar Sati at the site of immolation and took oath not to kill any tiger ever in future. It is believed that after that no tiger was killed in this jungle by any villager or poacher for several years.

The priest confirmed that several well-to-do persons having roots in this legendary village (not in existence since several years), mostly settled in Bombay, keep visiting this temple every year to offer their prayers to the Sati Mata. They have strong belief that this Nahar Sati Mata is not only the protector of wild creatures of this forest but also their families. They worship her as their Kul Devi.

From the core of my heart I offered my prayers to the Sati Mata. I had found a great tiger protector in the form of the Sati Mata in this far-flung deep jungle.

In my first tenure of five long years as field director of this deity in persuading villagers to procure their support in protecting this forest and its inhabitants, the wild creatures including tigers. Results derived were highly encouraging. No tiger casualty happened even in vulnerable areas like this during this entire tenure.

Of course basically, the concept of this temple is that it glorifies dignity of the tiger. A smart reserve manager should encash people's sentiment on this for protection of tiger.

Unfortunately over a period of time due to laxity on the part of the reserve management, few clever people have taken the reins of the management of this shrine in their hands from the real devotees and like other temples have expanded its structure substantially with an object to convert it into a kind of commercial venture attracting a large number of pincickers from the nearby township of Baleta. This endangered the safety of the wildlife in the area. Consequently all the tigers inhabiting this forest got poached between 2002 & 2004. In 2008, on my second posting I noticed this change. It was highly shocking. I had to initiate strict legal action against the temple authorities. Since then no further construction has taken place but the reserve management has to keep strict vigil lest it starts again. Satimata's supreme sacrifice should not go to waste. It is a wonderful forest area, an excellent tiger habitat. This beautiful forest and its inhabitants, the wild creatures are the worthy children of this Satimata. They deserve full protection in this pious forest area as it is primarily for them that Satimata made this supreme sacrifice.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRIED & TASTED

Innovative Modak Recipes

There is no dearth of innovative modak recipes that one can easily prepare

The 10-day festivities of Ganesh Chaturthi are onand it is the time to enjoy modaks, Lord Ganesha favourite sweet in different flavours. Modaks, that are believed to have originated in the state of Maharashtra.

While ukadichemodak, the most commonly prepared modak, is made with rice flour and filled with coconut and jaggery before steaming it, there is no dearth of innovative modak recipes that one can easily prepare.

If you are looking for unique modak recipes to try during the ongoing Ganeshotsav, here are some options for you to try.

ROSE GULKAND MODAK

Ingredients
- Khoya - 1 cup
- Rose syrup - 2 tbsps
- Gulkand - 1 cup
- Sugar - 3/4 cup
- Coconut powder - ¼ cup
- Cashewnut - 1/4 cup

Preparation
1. For stuffing, combine all the ingredients and mix well. Keep aside
2. Heat a heavy bottom pan on low flame.
3. Add mawa and keep stirring for a minute, mawa will start melting
4. When it melts, add sugar, cashewnut, and coconut powder and stir further for a minute.
5. When the mixture starts leaving fat, add rose syrup and cook until the mixture starts to leave the sides of the pan; once it's ready keep it aside
6. Once the mixture comes to room temperature, add rose gulkand to the mixture and the stuffing is ready, gently knead into dough
7. Stuff it inside the mould as desired shapes and sizes and it is ready to go

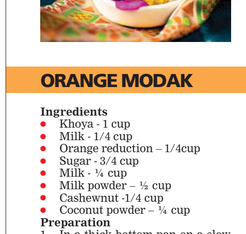

RASMALAI MODAK

Ingredients
- Milk powder – 1 cup
- Cashew nut powder – 1/3 cup
- Malai paneer – 01 cup
- Rose petals – 1 tbsps
- Pista – 1/3 cup
- Sugar powder – ¾ cup
- Rose essence – few drops

Preparation
1. In a mixture jar add crumbled malai paneer, make a fine paste, and keep aside
2. In a thick bottom pan on a slow heat, add malai paneer mixture and once the panner starts melting add rose petals, pista, powdered sugar, cashew nut powder and rose water and cook it on a slow flame until the mixture is thick as required.
3. Remove it on a separate plate and cool it down for few minutes
4. Once the mixture is warm, we can put it on a mould as desired shapes and it is ready to use.

ORANGE MODAK

Ingredients
- Khoya - 1 cup
- Milk - 1/4 cup
- Orange reduction – 1/4cup
- Sugar - 3/4 cup
- Milk - ¼ cup
- Milk powder – ½ cup
- Cashewnut -1/4 cup
- Coconut powder – ¼ cup

Preparation
1. In a thick bottom pan on a slow flame add milk and khoya; keep stirring until the khoya melts to the desired consistency
2. Remove it to a plate and keep it aside
3. In the same pan, add orange reduction and sugar. Mix and cook on low heat by stirring constantly until it thickens like a super thick pulp; it will coat the spoon.
4. Add cooked khoya, milk powder, and coconut powder to the orange reduction and mix well.
5. Keep stirring and cooking. Within 8-10 minutes the mixture will thicken and come together like a dough and leave the pan
6. Remove it from the flame and keep it aside until it becomes cold to room temperature
7. Then we can mould it in whatever shapes and sizes as desired

CHOCOLATE AND CARAMEL MODAK

Ingredients
- Desiccated coconut - 1 cup
- Caramel - 1 cup
- Choco chip- 1/2 cup
- Ghee – 2 tbsps
- Sugar – ¼ cup

Preparation
1. In a non-stick pan add 2 tbsp. ghee, melt it.
2. Add desiccated coconut and dry roast for a few minutes without burning it.
3. Melt the caramel and add the roasted desiccated coconut to the caramel and add choco chip and combine everything.
4. Transfer the mixture to another plate and bring it to room temperature.
5. Turn off the heat and let the mixture cool for a while.
6. Apply little ghee on your palm and knead the coconut and caramel mixture to make a smooth dough and divide the dough into equal portions as required
7. Mixture can be filled in the mould whatever shapes and sizes as desired

THE WALL

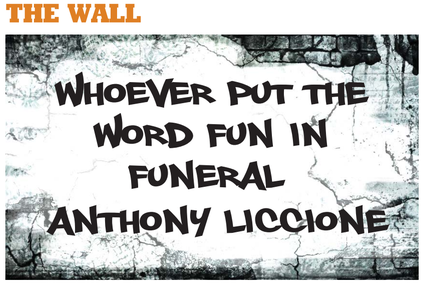

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

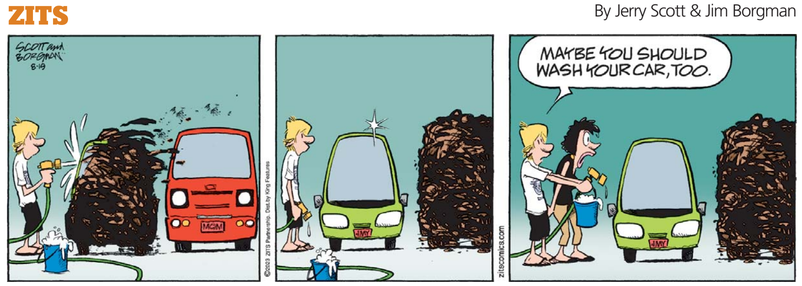

मौज-मस्ती और शोक पूरे करने के लिये पेट्रोलपंप कर्मी को लूटा था

पूर्व कर्मी ही निकला लूट का मास्टरमाइंड, चार लुटेरे गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा जिले के कोटड़ी कस्बे में मंगलवार दोपहर हुई पेट्रोलपंप कर्मी के साथ लूट का पुलिस ने 20 घन्टे में खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड सहित चार जनों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में पेट्रोलपंप का पूर्व कर्मचारी ही मुख्य आरोपी निकला, जिसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रकम जमा कराने जा रहे युवक के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया।

कोटड़ी पुलिस उपाधीक्षक श्याम सुंदर विश्नोई ने बताया कि कस्बे के जहाजपुर रोड स्थित रायबुधमल पैट्रोल पम्प के मालिक श्रीकल्याण आचार्य ने रिपोर्ट दी कि उसके पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन महेंद्र गुर्जर 4 लाख 97 हजार रुपये नकद लेकर बैंक में जमा करवाने जा रहा था, इसी बीच नेहरू नगर स्थित पुलिया के आगे बाइक सवार दो युवकों ने बाइक की टंकी पर रखा बैग छीन लिया और लूट की घटना को अंजाम देकर भाग निकले। महेंद्र ने मालिक को सूचना दी तो तुरन्त पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और शहापुरा सहित भीलवाड़ा जिले में नाकेबंदी करवा दी गई।

कर्मचारी द्वारा बताए हुलिए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश के लिए तीन अलग अलग टीमें गठित कर अलग-अलग स्थानों के लिए रवाना की गई। दौरान अनुसंधान पेट्रोलपंप के कमर्चारियों को भी संदेह के आधार पर थाने बुलाया गया।

उनकी भी कॉल डिटेल्स आदि खंगाली गई तो पेट्रोल पम्प के कर्मचारी किशन पिता शंकर दरोगा निवासी भगवानपूरा पर शंका हुई। उसे हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की तो उसने कबूल किया कि पूर्व में पेट्रोलपंप पर काम कर चुके देवराज पिता रणजीत दरोगा निवासी शीतला माता की गली कोटड़ी ने लूट की योजना बनाई, देवराज को पुलिस ने थाने लाकर पूछताछ की तो सामने आया कि कस्बा निवासी विकास उर्फ शानू पिता नरेश उर्फ मंगल दाधीच व सदर थाने के रिछडा गांव निवासी मनोज पिता गिरधारी नायक ने लूट की घटना को अंजाम दिया। इस पर पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की।

इस दौरान सूचना मिली कि दोनों युवक जोगणिया माता में देखे गए इसपर देर रात सीओ श्याम सुंदर मय टीम जोगणिया माता पहुंच गए जहां उन्होंने जानकारी जुटाई तो दोनों एक होटल में कमरा किराया पर लेकर शराब पार्टी कर रहे थे। पुलिस दोनों को पकड़ कर थाने ले आई। उधर लूट की राशि भी पुलिस बरामद करने में सफल रही है। पुलिस ने चारो आरोपियों को गिरफ्तार कर 20 घंटे में ही वारदात का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए मास्टरमाइंड सहित चार जनों को गिरफ्तार किया।

- पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन से 4.97 लाख रुपये लूटे थे

मौज मस्ती के लिए दी लूट की घटना को अंजाम :- पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ ने आरोपियों ने कबूल किया की कि पंप कर्मचारी से लूटे गए रुपये को मौज-मस्ती और शोक पूरे करने के उद्देश्य से लूट की घटना को अंजाम दिया गया आरोपी नशेड़ी व सोशल मीडिया पर डॉन बनने का सपना देख रहे थे।

विकास ने कोटड़ी श्याम मन्दिर से भी चुराए थे रुपए :- लूट की घटना को अंजाम देने वाला एक आरोपी विकास उर्फ शानू पिता नरेश उर्फ मंगल दाधीच के खिलाफ 2020 में कोटड़ी चारभुजा नाथ की दानपेटी से रुपए चुराने का मामला दर्ज है ,अमावस्या के दिन पेटी से रुपयों की गिनती करते समय उसने 2 हजार रुपये के नोटो की गड्डी चुराई थी।

चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

दौसा में सदर थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय गिरोह के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया।

दौसा, (निसं)। जिले की थाना सदर पुलिस ने सूने मकानों में चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में इन्होंने जयपुर, भीलवाड़ा दूदू और दौसा शहर और कस्बों में चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है।

एसपी वन्दिता राणा ने बताया कि पुलिस ने कुरुक्षेत्र हरियाणा निवासी आरोपी राजू पुत्र जसपाल जट सिख (45) और शिमलापुरी लुधियाना निवासी जसवीर उर्फ जस्सू पुत्र प्रीतम जटसिख (55) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी शहरों और कस्बों के बाहरी इलाकों में बने मकानों की रैकी कर वारदात को अंजाम दिया करते हैं।

- राजस्थान में जयपुर, शाहपुरा, दूदू, भीलवाड़ा व दौसा और हरियाणा में वारदात करना कबूला

दोनों से पुलिस की टीम अन्य घटनाओं के संबंध में गहनता से अनुसंधान कर रही है। एसपी राणा ने बताया कि 1 जून को थाना सदर इलाके के गोवर्धन वाटिका निवासी कमलेश कसाना के सुने पड़े मकान से अज्ञात चोर दिन में ताले तोड़ सोने चांदी के जेवर, डेढ़ लाख रुपए नगद और अन्य जरूरी दस्तावेज चोरी कर ले गये थे। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए एडिशनल एसपी बजरंग सिंह शेखावत व सीओ कालूराम मीणा के सुपरविजन एवं एसएचओ गौरव प्रधान के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

परिवादी के मकान के सीसीटीवी फुटेज और अभय कमांड के कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर वारदात में प्रयुक्त हरियाणा नंबर की गाड़ी को चिन्हित कर इस दिशा में अनुसंधान को आगे बढ़ाया। गाड़ी के क्रेता व विक्रेता से पूछताछ कर मुलजिमों को चिन्हित किया। आरोपियों द्वारा पूर्व वारदातों में प्रयुक्त मोबाइल नंबर प्राप्त कर साइबर सेल की मदद से वारदात का खुलासा कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

असंतुलित होकर पलटी पिकअप, दो जने घायल

निवाई, (निसं)। जयपुर से बीगोद जिला भीलवाड़ा जा रही एक पिकअप का अचानक टायर फट गया जिससे पिकअप होकर पलट गई। इस दुर्घटना में पिकअप में सवार दो जने घायल हो गए।

घटना की सूचना लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को एंबुलेंस की सहायता से राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में भर्ती करवाया। निवाई थाना हेड कांस्टेबल सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि जयपुर से चावल के कट्टे भरकर बीगोद जिला भीलवाड़ा जा रही एक पिकअप का अचानक टायर फट गया जिससे पिकअप असंतुलित होकर पलट गई। जिससे पिकअप में सवार दो जने घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से प्राथमिक उपचार के लिए राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल मदन खटीक पुत्र रामजी खटीक व मोहम्मद अली पुत्र अहमद हुसैन अली दोनों निवासी निवासी भीगोद तहसील मांडलगढ़ भीलवाड़ा का प्राथमिक उपचार किया गया। इस दौरान गंभीर रूप से घायल मदन खटीक की चिंताजनक स्थिति होने पर चिकित्सकों ने उसे जयपुर रैफर किया।

मालपुरा को नहीं मिली जिले की सौगात

आमजन में फूटा गुस्सा, जिला नहीं तो वोट नहीं की जमकर नारेबाजी की

मालपुरा, (निसं)। बुधवार को सीएम अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई केबिनेट की अंतिम बैठक में मालपुरा को जिला बनाने की सौगात नहीं मिलने से आमजन में कांग्रेस सरकार के प्रति गहरा आक्रोष देखा गया। वहीं 182 दिन से एसडीएम आवास के सामने अनशन व धरने पर बैठे धरनार्थियों में भारी निराशा व सरकार के प्रति नाराजगी देखी गई।

बुधवार को केबिनेट की बैठक शुरू होने से पूर्ण होने तक जिला बनाओ आन्दोलन के धरना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ लगी रही, टीवी स्क्रीन पर लोग टकटकी लगाए मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा होने का इंतजार करते रहे। बैठक के बाद सामने आई बैठक की चर्चाओं में मालपुरा का नाम तक शामिल नहीं होने पर लोगों ने व्यास सर्किल पर कांग्रेस सरकार होश में आओ व जिला नहीं तो वोट नहीं की जमकर नारेबाजी की गई। कांग्रेसजनों ने भाजपा विधायक से असंतुष्टों को साथ लेकर शुरू किये गये जनआन्दोलन को 182 दिन पूर्ण होने के बावजूद कांग्रेस सरकार के मुखिया गहलोत द्वारा भाजपा के कब्जे से कांग्रेस की परम्परागत मालपुरा सीट जीतने के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं दिखाने से गहलोत की मालपुरा सीट व कांग्रेसजनों के प्रति दिखी बेरूखी से भाजपा खेमे में कांग्रेस नेताओं के प्रति गहरी नाराजगी देखी गई तो आमजन में भी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के विरूद्ध खुलकर मतदान करने की चर्चाएं जोरों पर है।

जिला बनने से वंचित रहे मालपुरा की सरकार द्वारा अन्देखी करने के लिए विधानसभा क्षेत्र की जनता भाजपा से ज्यादा कांग्रेस को दोषी मान रही है। टिकट पाने के लिए दिल्ली से मालपुरा की दौड़ लगा रहे तीन दर्जन से अधिक कांग्रेस के नेताओं द्वारा मालपुरा को जिला बनाने के लिए एक बार भी प्रतिनिधि मण्डल के साथ मुख्यमंत्री से मिलकर दबाव बनाने का काम नहीं करने से जनमानस कांग्रेस के विरूद्ध मोर्चा खोलता नजर आ रहा है जिसका परिणाम कांग्रेस पार्टी को इस बार भी विधानसभा चुनावों में भुगतना पड़ सकता है।

संविदाकर्मी ने आत्महत्या की

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर की गौशाला कॉलोनी में रहने वाले सीएमएचओ ऑफिस धौलपुर के संविदाकर्मी ने हाथ की नस काटकर आत्महत्या कर ली। मामले की सूचना मिलते ही निहालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवाया। जानकारी के अनुसार संविदाकर्मी आलोक शर्मा (47) ने बुधवार दोपहर में हाथ की नश काटकर आत्महत्या कर ली।

बताया जा रहा है कि मृतक आलोक का पत्नी से तलाक का केस चल रहा था। जिससे वह मानसिक अवसाद में चल रहा था। पिछले दो दिन से तो घर में घुसने के बाद उसे किसी ने बाहर आता हुआ नहीं देखा। लगातार दो दिन से दरवाजा ना खुलने पर नौकरानी भी लौट कर वापस घर जा रही थी। बुधवार दोपहर को मृतक के घर काम करने आने वाली नौकरानी ने परिजनों को दरवाजा ना खोलने की जानकारी दी। इसके बाद जब परिजनों ने दरवाजा खोल कर देखा तो संविदा कर्मी आलोक शर्मा बाथरूम में पड़ा हुआ मिला। जिसके कमरे में हाथ की नस काटने से खून बिखरा पड़ा था। जिसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिस पर पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने घटना को लेकर मर्ग दर्ज कर ली है और जांच की जा रही है।

अस्पताल के बाहर ढाबे पर एक घंटे तड़पती रही प्रसूता

- अरजनसर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नर्सिंग स्टाफ ने प्रसूता में खून की कमी बताते हुए रेफर कार्ड बनाकर महाजन या राजियासर जाने का कह दिया था
- जागरूक लोगों ने 108 एंबुलेंस को बुलाकर प्रसूता को महाजन अस्पताल में भर्ती कराया

महाजन, (निसं)। एक तरफ गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव के लिए केंद्र व राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं चलाकर राहत देने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों में स्टाफ की मनमानी व अनदेखी के कारण प्रसूताओं को पीड़ा भोगनी पड़ रही है। कुछ ऐसा ही मामला रविवार रात को अरजनसर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सामने आया। यहां नर्सिंग स्टाफ की संवेदनहीनता के चलते एक प्रसूता एक घंटे तक अस्पताल के बाहर एक ढाबे पर प्रसव वेदना झेलती रही। आखिर कुछ जागरूक लोगों ने 108 एंबुलेंस को बुलाकर प्रसूता को महाजन अस्पताल में भर्ती करवाया।

जानकारी के अनुसार अरजनसर निवासी ममता बावरी को प्रसव पीड़ा होने पर उसकी मां मुकेश देवी रविवार शाम करीब सात बजे अपनी बेटी को लेकर अरजनसर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची।

अस्पताल में करीब डेढ़-दो घंटे बाद नर्सिंग स्टाफ ने प्रसूता में खून की कमी बताते हुए रेफर कार्ड बनाकर महाजन या राजियासर जाने का कहकर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन इस गरीब परिवार की मां-बेटी के पास एक पैसा भी नहीं था। अस्पताल प्रशासन ने प्रसूता के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था करवाना भी उचित नहीं समझा, जिससे प्रसूता अपनी मां के साथ एक घंटे तक अस्पताल के बाहर एक ढाबे पर प्रसव वेदना झेलती पड़ी रही। आखिर कस्बे के कुछ जागरूक लोगों ने महाजन से 108 एंबुलेंस को मंगवाकर प्रसूता को महाजन अस्पताल में भर्ती करवाया।

जिस प्रसूता में खून की कमी बताकर प्रसव अरजनसर अस्पताल में नहीं करवाया गया। उस प्रसूता का महाजन अस्पताल में भर्ती करवाते ही कुछ ही मिनटों में नर्सिंग स्टाफ ने सुरक्षित प्रसव करवाया। नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि जच्चा व बच्चा दोनों पूर्ण रूप से स्वस्थ है। यहां एएनएम सुनीता ने प्रसूता व उसकी मां के लिए रात को नाश्ते की व्यवस्था अपने स्तर पर करवाई।

डॉ. गणेश जीनगर, प्रभारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अरजनसर का कहना है कि प्रसूता में खून की कमी थी। साथ ही हमारे पास जांच आदि की व्यवस्था नहीं है। इस कारण अरजनसर अस्पताल में प्रसव नहीं करवाया गया।

हमले का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी अमित उर्फ टेडा निवासी ष्याम नगर को गिरफ्तार किया है।

फिलहाल पुलिस मामले क अनुसंधान में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना मथुरा गेट क्षेत्र में जघीना गेट पर सिगरेट पीने को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद एक युवक ने सरस बूथ संचालक पर फायर कर दिया था। बूथ संचालक इस हमले में बाल बाल बचा। इस घटना के संबंध में पुष्कर सिंह ने थानामथुरा गेट पर अमित टेडा, सोनू गडरिया और एक अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई थी। एएसआई मुकेश कुमार ने मामले का अनुसंधान कर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी अमित उर्फ टेडा को गिरफ्तार किया है।

रंजिश में युवक को गोली मारी

- 15 साल पहले मारपीट कर गांव से निकाला था
- बहन के घर रह रहा था परिवार

गंगापुर सिटी, (निसं)। वार्ड नम्बर 32 की तीन पुलिया के पास मंगलवार देर शाम एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई और पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल बिश्नोई सहित सदर थाना और कोतवाली थाना अधिकारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर गवर्नमेंट हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया, जहां परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से बुधवार को मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार युवक हेतराम मीणा (26) पुत्र बालू राम मीणा निवासी चैनपुर बरिया थाना गुडगांव हाल निवासी तीन पुलिया के पास गंगापुर सिटी की आपसी रंजिश के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया मृतक का परिवार 15 वर्ष पूर्व करई गांव थाना मामचारी में रहता था, जहां इनका 2008 में आपसी झगडा हुआ था, जिसकी चलते दोनों ही परिवारों में लंबे समय से रंजिश चली आ रही थी और आरोपियों ने युवक हेतराम की मंगलवार शाम गोली मारकर हत्या कर दी। साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की धर पकड के लिए टीम का गठन किया गया है। इस संबंध में मृतक के भाई चेतराम मीणा पुत्र बालू राम ने थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई है कि वह हेतराम, मौसमी व उसके पिता बालूराम व अपने बच्चा (छोटा सा) अपनी बहन के घर पर तीन महीने से रह रहे है और अचानक ग्राम करई पोस्ट बहादरपुर जिला करौली व उनके साथ दो लोग और भी थे, घर पर आए और इन लोगों ने घर में सरिया लाठी-डंडों और धारदार हथियारों के अलावा फायरिंग कर दी। इन लोगों ने गोली चलाई तो पहली गोली मेरे उपर चलाई तो में अचानक गिर गया तो गोली साइड से निकल गई और दूसरी गोली मेरे भाई हेतराम की छाती पर लग गई, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। चेतराम ने बताया कि उन्हें 2008-09 से अपने गांव करई से निकाल दिया गया है। इस दौरान इन लोगों ने जमीन पर तोड-फोडकर दिया साथ ही मां का जेवर भी उन लोगों ने निकाल लिया। इसके बाद से 10-15 साल से चैनपुर बढयि करौली में रहते थे। अब अपनी बहन सुनीता पत्नी राधेश्याम के मकान मां भगवती नगर महुकलां खुर्द में तीन महीने से रहते आ रहे हैं।

ऋषि पंचमी पर शाही स्नान के साथ देवछठ मेला शुरू

महिलाओं और बालिकाओं ने तीर्थराज मचकुंड में स्नान करने के बाद विशेष पूजा-अर्चना की।

धौलपुर, (निसं)। तीर्थराज मचकुंड धौलपुर पर प्रतिवर्ष देवछठ के मौके पर लगने वाले लक्खी मेले की शुरुआत ऋषि पंचमी पर शाही स्नान के साथ हुई। सभी तीर्थों का भांजा कहे जाने वाले मचकुंड सरोवर पर ग्वालियर, मुरैना, अयोध्या, वृन्दावन, मथुरा और अन्य जिलों से आए हुए संतों के शाही स्नान के बाद ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में डुबकी लगाई। ऋषि पंचमी पर बुधवार सुबह महिलाओं और बालिकाओं ने तीर्थराज मचकुंड में स्नान करने के बाद विशेष पूजा-अर्चना की। जिसके बाद सप्त ऋषि की कथा सुनकर महिलाओं ने दान दक्षिणा करके लोगों को भोजन कराया।

ऋषि पंचमी से देवछठ तक चलने वाले इस मेले की शुरुआत करते हुए ग्वालियर, मुरैना, अयोध्या, वृन्दावन, मथुरा और अन्य जिलों से आए हुए संतों की सवारियां बैंड-बाजों के साथ मंगल भारती मंदिर से शुरू होकर मचकुंड सरोवर पहुंची। जहां संतों सरोवर में शाही स्नान किया। शाही स्नान के बाद संतों ने तीर्थराज मचकुण्ड की पूजा-अर्चना कर दो दिन तक चलने वाले तीर्थराज मचकुंड मेला का शुभारंभ किया। ऐतिहासिक तीर्थराज मचकुंड मेले में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान के आस-पास के क्षेत्रों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में सरोवर में डुबकी लगाने पहुंचते हैं। मचकुंड महाराज को सभी तीर्थों का भांजा कहा जाता है। सरोवर में देवछठ वाले दिन स्नान करने से पुण्य लाभ मिलता है।

जलग्रहण योजना में निर्धारित मापदण्ड के अनुसार नहीं बने कुण्ड

दो साल की गांरटी अवधि भी पूरी नहीं कर पाये कुण्ड

सुजानगढ़, (निसं)। बाघसरा आथूणा ग्राम पंचायत के अंतर्गत गांव तेलाप में जलग्रहण योजना के तहत बने कुंडों में जमकर हेराफेरी की गई है। हेराफेरी व मनमर्जी सरकारी कार्यों में ठेकेदारों व अधिकारियों द्वारा इतनी की गयी है कि कुण्ड अपने दो साल की गांरटी अवधि भी पूरी नहीं कर पाये। प्रत्येक कुण्ड के लिए तीन लाख रूपए सरकार द्वारा स्वीकृत किये गये है। पंचायत में 9 कुण्ड बनाये गये है। जिनकी दशा दयनीय है। तेलाप की भोमबस्ती में सामुदायिक भवन के निकट कुण्ड का निर्माण विभागीय मापदण्डों के अनुरूप नहीं किया गया है। कुण्ड के चारों और कार्यकारी फर्म द्वारा पक्का पायतान भी नहीं बनाया गया है। इसी प्रकार श्याम गौशाला में बनायी गयी कुण्ड भी बनने के बाद टूट गयी।

गांव के भंवराराम ज्याणी ने बताया कि निर्माण कार्य के बाद कुण्ड टूट गयी थी। जिसे रात के अंधेरे में ठेकेदार द्वार पुन: सही करने का प्रयास किया गया था। लेकिन खेत पड़ोसी द्वारा विरोध करने पर ठेकेदार के आदमी वहां से भाग गये। जिसके बाद कुण्ड को दिन के समय में सही किया गया। भंवराराम ने बताया कि कुण्ड को सही करने के बाद कुण्ड में पानी टिका हुआ है। जबकि कुण्ड के उपर खूब दरारें आ गयी है। इसी प्रकार 33 केवी में बनायी गयी कुण्ड का पायतन भी जर्जर अवस्था में मिला। गोपी सिंह ने बताया कि 6 महीनें पहले इसका निर्माण हुआ था। जो बनने के बाद धंस गया। विभाग के अधिकारियों के आने के बाद इन्हें रिपेयर किया गया। वार्ड 11 के पंच विनोद कुमार ने बताया कि जब उन्होनें कुण्डों का मुद्दा ग्राम सभा में उठाया तो उनकी मांग को अनसुना कर दिया गया। पंच विनोद कुमार ने उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

तेलाप गांव में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप कुण्ड नहीं बनाये गये।

- प्रत्येक कुण्ड के लिए तीन लाख रूपए सरकार द्वारा स्वीकृत किये हैं

इस योजना के तहत हुआ है कुण्डों का निर्माण :- पंच वर्षीय योजना के तहत ग्राम पंचायत बाघसरा आथूणा में साढे 12 करोड रूपए खर्च होने है। जिन कार्यो के लिए ग्राम पंचायत में जलग्रहण समिति बनायी गयी है। समिति की अनुशंसा पर पंचायत में निर्माण कार्य होते है। पीएमकेवाई व राजीव गांधी जलग्रहण योजना के तहत गांव में सार्वजनिक व व्यक्तिगत कुण्ड व डिग्गी का निर्माण कार्य होता है। इन कार्यो का भुगतान समिति के अध्यक्ष व सचिव की रिपोर्ट के बाद अधिकारी मौका देखकर करते है।

मैं भारतीय टीम को शानदार सफलता की शुभकामनायें देना चाहूंगा। और मैं उम्मीद करता हूं कि हमने पिछली बार जितने पदक जीते थे, उसकी तुलना में और ज्यादा पदक जीते और मुझे भरोसा है कि हम यह हासिल कर लेंगे।

रणधीर सिंह, ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष, एशियाई खेलों को लेकर।

खेल जगत

स्विस स्टार रोजर फेडरर की 2018 आस्ट्रेलियाई ओपन में अपने 20वें और अंतिम ग्रैंडस्लैम खिताब के दौरान पहनी गयी पोशाक की बुधवार से ऑनलाइन नीलामी होगी। नीलामी कराने वाली 'प्रेस्टिज मेमोरेबिलिया' के अनुसार, '' नाइके की इस पोशाक के नीलामी में 35,000 डॉलर तक मिलने की उम्मीद है। इस पोशाक में उनकी शर्ट और शार्ट शामिल होंगे जिसमें दोनों पर फेडरर के हस्ताक्षर होंगे जिन्होंने एक साल पहले टेनिस को अलविदा कह दिया था। नीलामी के लिये बोली आठ अक्टूबर को समाप्त होगी।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय मैच में पहला शतक 1972 में इंग्लैंड के डेनिस एमिस ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध ओल्ड ट्रेफर्ड में बनाया था (134 गेंदों पर 103) रन।

अंतिम पंघाल ने विश्व चैम्पियन पैरिश को धूल चटाई

बेलग्रेड (सर्बिया), 20 सितंबर। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने क्वालीफिकेशन दौर में बुधवार को यहां अमेरिका की मौजूदा विश्व चैंपियन ओलिविया डोमिनिक पैरिश को धूल चटाकर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। पहलवान पंघाल एक समय पहले दौर में इस मुकाबले में 0–2 से पीछे चल रही थी, लेकिन भारतीय महिला पहलवान ने इसके बाद जबरदस्त वापसी करके 3–2 से जीत हासिल की। अमेरिकी पहलवान पैरिश शुरुआत में भारतीय पहलवान पर हावी थी। पैरिश ने पंघाल के दाएं पांव को पकड़कर उसे नीचे गिराकर दो अंक हासिल किए। इसके बाद हालांकि भारतीय 19 वर्षीय पहलवान का रक्षण काफी मजबूत था और उन्होंने दो अन्य प्रयासों को नाकाम करके पहले दौर में आगे अपना कोई अंक नहीं गंवाया। पंघाल ने इसके बाद भी अपना मजबूत रक्षण बरकरार रखा और पैरिश को किसी तरह से हमला नहीं करने दिया। भारतीय पहलवान ने इसके बाद अमेरिकी पहलवान का बायां पांव पकड़ कर नीचे गिराकर दो अंक हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। पैरिश इसके बाद कोई खास प्रदर्शन नहीं कर सकी और उसने अपना एक अंक गंवाया। पंघाल ने अपनी इस मामूली बढ़त को आखिर तक बरकरार रखा और विश्व चैंपियन पर जीत हासिल की। भारत की हालांकि पांच महिला और 10 पुरुष फ्री स्टाइल पहलवान पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वे ओलंपिक कोटा हासिल करने या गैर ओलंपिक वर्गों में पदक जीतने में पूरी तरह से वंचित रहे।

मोटोजीपी के लिये तैयार बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट

ग्रेटर नोएडा, 20 सितम्बर। आगामी 22 से 24 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित होने वाली दो पहिया वाहनों की रेस 'मोटोजीपी वर्ल्ड चैम्पियनशिप' में दुनिया भर के दिग्गज बाइकर्स हिस्सा लेंगे। भारत पहली बार इस आयोजन की मेजबानी कर रहा है। रेस के जरिये रेपसोल होण्डा टीम से मार्क मार्क्वेज और जोन मीर भारतीय प्रशंसकों से रूबरू होंगे। 4.96 किलोमीटर का बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट रेसिंग के एक और रोमांचक राउण्ड के लिए तैयार है, जिसमें रेसिंग प्रेमियों को लॉन्ग स्ट्रेट, टाईट हेयरपिन्स, टेक्निकल सेक्शन्स और ओवरटेकिंग देखने का मौका मिलेगा। मार्क मार्क्वेज हमेशा से हर रेस ट्रैक को जल्दी ही समझ जाते हैं, यहां वे स्पीड हासिल करने और जल्द से जल्द बुद्ध के 13 कोनों को समझने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर जोन मीर को उम्मीद है कि सैन मरिना जीपी में ट्रिकी समापन के बाद नया आयोजन स्थल, उनके लिए नया भाग्य लेकर आएगा। चाहे कुछ भी हो इस सप्ताहान्त भारत में नया इतिहास बनेगा। मार्क मार्क्वेज ने कहा में भारत में अपने प्रशंसकों से मिलने के लिए उत्सुक हूं। जब भी हम मोटोजीपी को किसी नए देश में लाते हैं, यह हमेशा यादगार पल बन जाते हैं। नए लोग, नए प्रशंसक हमारे खेल एवं हमारे जुनून की बातें करते हैं। हमें ट्रैक पर हर चीज तथा बाईक पर हमारी अपनी स्थिति को समझने के लिए काफी काम करना है। हम मिसानो की तरह एक और रोमांचक सप्ताहान्त पेश करना चाहते हैं, और हर दिन के साथ शानदार रेसिंग लाना चाहते हैं। जोन मीर ने कहा नए स्थान पर जाना हमेशा उत्साहजनक होता है, भारत से इतने सारे प्रशंसक और सोशल मीडिया हमसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। उनसे मिलना शानदार अनुभव होगा। ढेरों विभिन्न एलीमेन्ट्स के साथ ट्रैक बेहतर रोमांचक होगा। नए सर्किट पर आपको बहुत सी नई चीजें समझनी होती हैं।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम बहिष्कार खत्म करने को राजी

मैड्रिड 20 सितंबर। चुबंन विवाद के कारण खेल का बहिष्कार कर रही स्पेन की महिला फुटबाल टीम की अधिकतर सदस्य मैदान पर लौटने को राजी हो गयी हैं। यह दावा स्पेन के खेल सचिव विक्टर फ्रैंकोस ने बुधवार को किया। उनका कहना है कि महिला फुटबाल टीम की अधिकतर खिलाड़ी बहिष्कार समाप्त करने पर सहमत हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फ्रैंकोस ने कहा कि सात घंटे से अधिक समय तक चली बैठकों के बाद यह समझौता हुआ है। इस महीने के नेशंस लीग खेल के लिए बुलायी गयी 23 खिलाड़ियों में से दो ने टीम से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा स्पेनिश फुटबॉल महासंघ ने 'तत्काल और गहन बदलाव' के लिए प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने महिला विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड पर स्पेन की जीत के बाद तत्कालीन आरएफईएफ अध्यक्ष लुइस रुबियल्स द्वारा फॉरवर्ड खिलाड़ी जेनी हर्मोसो को चूमने के बाद खिलाड़ियों ने खेल का बहिष्कार शुरू कर दिया था। हालांकि चुंबन विवाद के कारण रुबियल्स को इस्तीफा देना पड़ा, जबकि स्पेन के मैनेजर जॉर्ज विल्डा को बर्खास्त कर दिया गया था।

हरमनप्रीत सिंह और लवलीना एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में होंगे ध्वजवाहक

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन 23 सितंबर को हांगझोउ में एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए संयुक्त ध्वजवाहक बनाने का फैसला किया। एशियाई खेलों में इस दफा कुल 655 भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जो देश का अब तक का सबसे बड़ा दल है। भारतीय दल के दल प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमने आज काफी सोच विचार के बाद यह फैसला किया। भारतीय कुश्ती संघ के प्रमुख बाजवा ने कहा, ''इस बार एशियाई खेलों के लिए हमारे दो ध्वजवाहक होंगे – हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा 2018 जकार्ता एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक बने थे। लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में 69 किग्रा वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता था। इस साल उन्होंने नयी दिल्ली में महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की 75 किग्रा स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। हरमनप्रीत दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैगफ्लिकर में शुमार हैं और वह तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे जिससे भारतीय हॉकी टीम का ओलंपिक में चार दशक से ज्यादा लंबे समय से चला आ रहा पदक का सूखा समाप्त हुआ था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक पर निगाह लगाये होगी ताकि वह 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए स्वतः क्वालीफिकेशन हासिल कर ले। बाजवा के साथ एशियाई खेलों में चार उप दल प्रमुख होंगे। वह आईओए द्वारा कुश्ती के लिए गठित तदर्थ समिति के चेयरमैन भी हैं।

करुण नायर ने नार्थम्पटनशर के लिए बनाये नाबाद 144 रन

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। त्वेसा मलिक ने बुधवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर में दूसरे दौर के बाद बढ़त बरकरार रखी लेकिन उन्हें अनन्या दातर से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले दौर के बाद छह शॉट से आगे चल रही त्वेसा का दो दौर के बाद कुल स्कोर पांच अंडर 139 है और उनकी बढ़त सिर्फ तीन शॉट की रह गई है। उन्होंने दूसरे दौर में दो ओवर 74 का स्कोर बनाया। महिला पेशेवर गोल्फ टूर में पहले खिताब की तलाश में जुटी अनन्या का कुल स्कोर दो अंडर 142 है और वह दूसरे स्थान पर है। अनन्या ने पहले दौर के समान दूसरे दौर में भी एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। खुशी खानिजाउ एक ओवर 145 के स्कोर से तीसरे स्थान पर है।

विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला से मनोबल बढ़ाना चाहेंगे बांग्लादेशी क्रिकेटर

मीरपुर (बांग्लादेश), 20 सितंबर। इस महीने एशिया कप के फाइनल में पहुंचने में असफल रहने के बाद बांग्लादेश की टीम गुरुवार से शुरू होने वाले तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में न्यूजीलैंड को हराकर 50 ओवर के विश्व कप से पहले मनोबल बढ़ाने के लिए बेताब होगी। बांग्लादेश ने अपने अहम खिलाड़ियों कप्तान शाकिब अल हसन, मुशिफकुर रहीम, नजमुल हुसैन और तौहिद हृदय को आराम दिया है ताकि वे तरोताजा और चोटों से मुक्त रह सकें। हालांकि उसने अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम घोषित नहीं की है। न्यूजीलैंड ने विश्व कप टीम में शामिल अपने केवल पांच खिलाड़ियों को ही बांग्लादेश भेजा है जिसमें कार्यवाहक कप्तान लॉकी फर्ग्युसन, ट्रेंट बोल्ट, रचिन रविंद्र, ईश सोढ़ी और विल यंग शामिल हैं। पिछले महीने वनडे कप्तानी छोड़ने वाले तमीम इकबाल पीठ की समस्या से उबरने के बाद बांग्लादेश की टीम में वापस आ चुके हैं। महमूदुल्लाह ने भी वापसी की है जिन्हें खराब फॉर्म के कारण मार्च में इंग्लैंड श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था। शाकिब अल हसन की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई करने वाले लिटन दास ने कहा, ''इस श्रृंखला से काफी चीजें हासिल करनी हैं। पहली चीज तो जीत ही विश्व कप से पहले हमारे लिए बड़ी उपलब्धि होगी।'' फर्ग्युसन अभी तक बांग्लादेश की सरजमीं पर नहीं खेले हैं और उनका कहना है, ''बांग्लादेश अपनी परिस्थितियों में काफी अच्छा खेलती है और यहां हमें बड़ी चुनौती मिलेगी। हमारे लिए ध्यान लगाना और परिस्थितियों के हिसाब से तेजी से अनुकूलित होना महत्वपूर्ण होगा। हममें से काफी खिलाड़ी यहां नहीं खेले हैं। न्यूजीलैंड ने 2008 के बाद से बांग्लादेश में कोई वनडे मैच नहीं जीता है।

चीन के खिलाफ हार के बाद करो या मरो के मुकाबले में बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत

हांगझोउ, 20 सितंबर। मेजबान चीन के खिलाफ पहले मैच में करारी हार के बाद भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के करो या मरो के ग्रुप मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। भारतीय टीम सोमवार देर शाम यहां पहुंची थी और उचित आराम और नींद के बिना उसने मंगलवार को चीन के खिलाफ अपना पहला मैच खेला जिसमें टीम को 1–5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। नॉकआउट की दौड़ में बने रहने के लिए इगोर स्टिमक की टीम को ग्रुप ए मैच में बांग्लादेश को हर हाल में हराना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ हार से भारत टूर्नामेंट से बाहर नहीं होगा क्योंकि छह ग्रुप से तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीम भी प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी लेकिन ऐसी स्थिति में अंतिम मैच से पहले काफी अनिश्चितता रहेगी।

भारत को एशिया कप का ताज पहनाने वाले सिराज दुनिया में नंबर 1

दुबई 20 सितंबर। एशिया कप फाइनल में श्रीलंका की पारी को नेस्तानाबूद करने में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद सिराज एक बार फिर से दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गये हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में सिराज आठ पायदान की छलांग लगा कर शीर्ष पर पहुंचे हैं। कोलंबो में श्रीलंका को 50 रन पर आउट करने वाले सिराज के तूफान ने उन्हें एमआरएफ टायर्स आईसीसी पुरुष वनडे बॉलिंग रैंकिंग के चार्ट में शीर्ष पर पहुंचाने में मदद की है। उन्होंने एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका के छह विकेट मात्र 21 रन पर चटकाये थे। सिराज इससे पहले मार्च 2023 तक पहले स्थान पर है जहां आस्ट्रेलिया के जेसल हेजलवुड ने उनको हटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। सिराज ने एशिया कप में 12.2 की औसत से 10 विकेट लिए। इससे उन्हें आठ स्थान की छलांग लगाने और हेजलवुड, ट्रेंट बोल्ट, राशिद खान और मिशेल स्टार्क से आगे निकलने में मदद मिली। सिराज के अलावा एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुने गये कुलदीप यादव ने भी आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में नौवां स्थान हासिल किया है। शीर्ष दस में स्थान बरकरार रखने वाले शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान के इकलौते गेंदबाज है जो 632 अंकों के साथ दसवें स्थान पर हैं। मुजीब उर रहमान और राशिद की अफगान स्पिन जोड़ी भी अपनी रैंकिंग में सुधार करके क्रमशः नंबर चार और नंबर पांच पर पहुंच गई। भारतीय टीम एक दिवसीय रैंकिंग में पाकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर है। बल्लेबाजी रैंकिंग के टाप टेन में तीन भारतीय बल्लेबाजों ने जगह बनायी है। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल पाकिस्तान के बाबर आजम के बाद आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं जबकि विराट कोहली आठवें और रोहित शर्मा दसवें स्थान पर हैं। उधर, आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे वन डे में 174 रन की पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 पायदान की छलांग लगायी है और अब वह नौवें स्थान पर पहुंच चुके हैं। आईसीसी टी20 में लगभग एक साल तक नंबर वन रहे इंग्लैंड के डेविड मलान ने वनडे करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 92.33 की औसत और 105.72 की स्ट्राइक–रेट से 277 रन बनाये थे। मलान के हमवतन बेन स्टोक्स, जिन्होंने द ओवल में 182 रनों की तूफानी पारी के साथ अपनी वनडे वापसी का जश्न मनाया, वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 36वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वनडे सीरीज के लिये ऑस्ट्रेलिया टीम दिल्ली पहुंची

नई दिल्ली 20 सितंबर। एक दिवसीय विश्व कप से पहले भारत के साथ दो मैचों की संक्षिप्त वन डे सीरीज को खेलने के लिये आस्ट्रेलिया की टीम बुधवार को पहुंच गयी। आस्ट्रेलिया की टीम अपना पहला मैच 22 सितंबर को मोहाली में खेलेगी। विश्व कप से पहले दोनों ही टीमों की यह आखिरी वनडे सीरीज होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया विश्व कप में भी अपने अभियान की शुरुआत आठ अक्टूबर को एक–दूसरे के खिलाफ मैच कर करेंगे। दिल्ली पहुंचने के बाद डेविड वॉर्नर ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह सुरक्षाकर्मी के साथ सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, भारत आने पर स्वागत किये जाने पर हमेशा अच्छा लगता है। हमारी हमेशा अच्छी तरह से देखभाल की जाती है और अच्छी तरह से सुरक्षा दी जाती है। बहुत–बहुत धन्यवाद। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर इन दिनों अच्छी फॉर्म में हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके बल्ले से खूब रन निकले थे। वहीं वनडे में भारत के खिलाफ भी वॉर्नर के आंकड़े देखने लायक हैं। भारत के विरुद्ध उन्होंने अब तक 22 मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 50.65 की औसत से 1013 रन बनाये हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और छह अर्धशतकीय पारियां निकली हैं और 122 नाबाद उनका उच्चतम स्कोर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया टीम : पैट कमिंस (कप्तान), शॉन एबॉट, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लैबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस , डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा।

ओडिशा टी–20 राष्ट्रीय बधिर क्रिकेट चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) टी–20 राष्ट्रीय बधिर क्रिकेट चैंपियनशिप 25 सितंबर से ओडिशा के भुवनेश्वर में शुरू होगी। ओडिशा बधिर क्रिकेट एसोसिएशन (ओडीसीए) के सचिव सागरकांत सेनापति ने कहा, हम बधिरों के लिए ओडिशा के भुवनेश्वर में आईडीसीए सातवीं टी20 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। इस सात दिन लम्बे चैंपियनशिप में 19 टीमें राष्ट्रीय चैंपियनशिप ट्रॉफी हासिल करने के लिए आपस में भिड़ेंगी करेंगी। सभी टीमों को चार अलग–अलग ग्रुप में बांटा गया है। ये टीमें फाइनल में पहुंचने से पहले एक–दूसरे के साथ 42 मैच खेलेंगी। ओडिशा बधिर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित मैच भुवनेश्वर के चार अलग–अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। फाइनल मैच एक अक्टूबर 2023 को ईस्ट कोस्ट रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन स्टेडियम, भुवनेश्वर में खेला जाएगा। फाइनल मैच एक अक्टूबर को अपराह्न साढ़े तीन बजे शुरू होगा, जिसके दौरान विजेता टीम और उसके खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। टी–20 चैंपियन टीम को 1,00,000 रुपये का पुरस्कार मिलेगा, जबकि उपविजेता को 50,000 रुपये मिलेंगे। बल्लेबाजी, गेंदबाजी, क्षेत्ररक्षण, सुपर सिक्स और अन्य श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पांच–पांच हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। मैच के बाकी सभी खिलाड़ियों को 2100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में होगा ट्वंटी-ट्वंटी विश्वकप

नयी दिल्ली 20 सितंबर। अमेरिका और वेस्ट इंडीज की संयुक्त मेजबानी में वर्ष 2024 का टी20 विश्व कप खेला जायेगा। अमेरिका के डलास, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क पहली बार किसी विश्वकप के आयोजन की मेजबानी करेंगे। आईसीसी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में होने वाली चैंपियनशिप में 20 टीमें भाग लेंगी। आईसीसी के साथ हुए समझौते के अनुसार इसके लिए न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी में आइजनहावर पार्क में 34 हजार सीटों वाला स्टेडियम बनाया जाएगा। इसके तहत फ्लोरिडा में ग्रांड प्रेयरी, डलास और ब्रोवार्ड काउंटी में मौजूदा स्थानों का आकार बढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आईसीसी बोर्ड ने नवंबर 2021 में वेस्ट इंडीज और अमेरिका को आयोजन की मेजबानी सौंपी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, अमेरिका रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण बाजार है और ये स्थान हमें दुनिया के सबसे बड़े खेल बाजार में अपनी पहचान बनाने का शानदार मौका है। उन्होंने कहा कि आईसीसी ने कई विकल्पों के बारे में विस्तृत और व्यापक मूल्यांकन के बाद अमेरिका के स्थानों का चयन किया है। हमने देश में कई संभावित स्थलों के विकल्पों का पता लगाया और हम संभावित मेजबानों के बीच उत्पन्न उत्साह से बेहद खुश थे, इससे क्रिकेट के प्रशंसकों और विभिन्न समुदायों को एकजुट करने और क्रिकेट को लेकर बढ़ती जागरूकता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

टिम साउदी के क्रिकेट विश्वकप खेलने पर संशय

वेलिंगटन 20 सितंबर। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच के दौरान कैच पकड़ने के प्रयास में चोटिल हुए न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी के विश्व कप में खेलने पर संशय है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा कि साउदी को अंगूठे की सर्जरी करानी पड़ेगी, इसलिये पांच अक्टूबर से भारत में शुरू होने वाले विश्व कप में साउदी के खेलने के बारे में फैसला अगले सप्ताह लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान एक कैच पकड़ने का प्रयास में 34 वर्षीय खिलाड़ी का अंगूठा चोटिल हो गया था। इंग्लैंड विश्वकप के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा।

विश्व कप के लिये भारतीय टीम की जर्सी लांच

नई दिल्ली 20 सितंबर। भारत में पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले एक दिवसीय विश्व कप के लिये भारतीय टीम की नई जर्सी लॉन्च कर दी गई है। टीम इंडिया के आधिकारिक किट स्पॉन्सर एडिडास ने वीडियो शेयर कर नई जर्सी लॉन्च की है। नई जर्सी में कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली समेत पूरी टीम का अलग ही स्वैग देखने को मिल रहा है। एडिडास ने अपने ऑफिशियल सोशल अकाउंट से टीम इंडिया की जर्सी लॉन्च किया है। एडिडास ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें भारत के प्रसिद्ध सिंगर और रैपर रफ्तार ने '3 का ड्रीम' गाना गाया है। इस गाने पर भी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और मोहम्मद सिराज जैसे स्टार खिलाड़ी नई जर्सी में नजर आ रहे हैं।

भारतीय टीम के वर्तमान जर्सी से इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। नई जर्सी में कंधे की तीन सफेद धारियों के स्थान पर कंपनी ने भारतीय झंडे के तीन रंगों (केसरिया, सफेद और हरा) को रखा है। वहीं जर्सी के छाती के बाईं ओर बीसीसीआई का लोगो और उसके साथ दो सितारे हैं। यह दो सितारे भारतीय टीम की दो वनडे विश्व कप 1983 और 2011 की जीत को दर्शाते हैं।

वर्ल्ड कप का ऑफिशियल थीम सॉन्ग लॉन्च

नई दिल्ली 20 सितम्बर। वनडे वर्ल्ड कप 2023 का ऑफिशियल थीम सॉन्ग बुधवार को लॉन्च कर दिया गया है। गाने का नाम दिल जश्न बोले है। सॉन्ग के कवर पर रणवीर सिंह नजर आ रहे है। म्यूजिक डायरेक्टर प्रीतम चक्रवर्ती ने कंपोज किया है। इस वर्ल्ड कप सॉन्ग को सिंगर प्रीतम, नकाश अजीज, श्रीराम चंद्रा, अमित मिश्रा, जोनिता गांधी, अकासा और चरण ने गाया है। पिछले महीने लॉन्च हुआ था ऑफिशियल मस्कट ने वनडे वर्ल्ड कप का ऑफिशियल मस्कट पिछले महीने 19 अगस्त को लॉन्च किया गया। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट और महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है। ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मस्कट का वीडियो भी शेयर किया, इसमें भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह नजर आए थे। मस्कट लॉन्च इवेंट में भारत की अंडर–19 विमेंस टीम की कप्तान शेफाली वर्मा और अंडर–19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल भी मौजूद रहे। वनडे वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। पहला मैच पिछले वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

भारत-पाकिस्तान मुकाबला 14 को

वनडे वर्ल्ड कप के इस 13वें संस्करण में भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में होगा, जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होना है। 15 और 16 नवंबर को सेमीफाइनल, 19 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

एशियाई खेलों में गोल बचाने और जवाबी हमले पर ध्यान देगी पुरुष हॉकी टीम : फुल्टन

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई खेलों में कुछ बदली रणनीति के साथ मैदान पर उतरेगी और अपनी पारंपरिक आक्रामक शैली के बजाय रक्षात्मक संरचना पर जोर देगी क्योंकि मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ऐसा चाहते हैं।

एशियाई खेल : भारतीय क्रिकेट टीम ने बेंगलूरू में किया अभ्यास

बेंगलूरू 20 सितंबर। एशियाई खेलों में भाग लेने वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने वीवीएस लक्ष्मण अगुवाई वाले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) कोचों के संरक्षण में बुधवार को अभ्यास कर जमकर पसीना बहाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आज एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, एशियाई खेलों में भाग लेने वाली भारतीय क्रिकेट टीम वीवीएस लक्ष्मण अगुवाई वाले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) कोचों के संरक्षण में अभ्यास किया। यहां यह उनके अभ्यास की एक झलक है जहां उन्होंने आगामी मैचों की तैयार के लिए कड़ी मेहनत की। बीसीसीआई ने टीम के सदस्यों वाले अभ्यास करते हुए टीम के सभी खिलाड़ियों की दो तस्वीरें भी साझा की। एशियाई खेल के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम में रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम दुबे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), आकाश दीप हैं। उल्लेखनीय है कि एशियाई खेलों का 19वां संस्करण 23 सितंबर से आठ अक्टूबर के दौरान चीन के हांगझोउ में खेला जाएगा। क्रिकेट के सभी मैच झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड में आयोजित किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, अफगानिस्तान, मंगोलिया, कंबोडिया, जापान, नेपाल, हांगकांग, सिंगापुर, थाईलैंड, मलयेशिया, बहरीन और मालदीव हिस्सा लेंगे।

पंजाब एफसी से जुड़े ग्रीक डिफेंडर दिमित्रियोस चात्जिसाईस

मोहाली, 20 सितंबर। पंजाब एफसी ने 2023–24 सीजन के लिए ग्रीक डिफेंडर दिमित्रियोस चैट्ज़िसियास के साथ अनुबंध करने की घोषणा की है। 30 वर्षीय खिलाड़ी ग्रीस, तुर्की और बेल्जियम के क्लबों के लिए खेलकर पंजाब एफसी से जुड़े हैं। थेसालोनिकी में जन्मे डिफेंडर ने अपने युवा करियर की शुरुआत ओमानिया स्टावरोपोलिस से की। उन्होंने अपने सीनियर करियर की शुरुआत ग्रीक क्लब वटोनियाकोस के लिए की और गिलफ़ाडा और चानिया के लिए भी खेला। इसके बाद, उन्होंने तुर्की क्लब केकुर रिजेपोर के लिए और बेल्जियम में सर्कल ब्रुग के लिए खेला। वह फिलहाल ग्रीक क्लब एट्रोमिटोस के साथ जुड़े थे था जहां उन्होंने पंजाब एफसी के लिए साइन करने से पहले 55 मैच खेले और एक गोल किया। चैट्ज़िसाईस पंजाब एफसी के रोस्टर में अंतिम विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं और आने वाले सीज़न के लिए स्टाइकोस की टीम के प्रमुख सदस्य होंगे। पंजाब एफसी के फुटबॉल निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, दिमित्रियोस यूरोप के विभिन्न देशों में खेलकर हमारे साथ जुड़े हैं, उनका अनुभव हमारी रक्षा को मजबूत करने में मदद करेगा। हम उन्हें एक्शन में देखने के लिए उत्सुक हैं और हमें विश्वास है कि वह आगामी सीजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वर्ल्ड कप में 70 मीटर की होगी बाउंड्री : पिच पर घास भी रहेगी

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे वर्ल्ड कप के सभी वेन्यू के क्यूरेटर्स को पिच पर घास छोड़ने और बाउंड्री बड़ी बनाने के निर्देश दिए हैं। काउंसिल ने कम से कम 70 मीटर की बाउंड्री बनने को कहा है। भारत के कुछ मैदानों पर 60 से 65 मीटर की बाउंड्री है। भारत की पिचें आमतौर पर स्पिन के लिए ज्यादा मददगार होती हैं। ने क्यूरेटर को पिचों पर ज्यादा घास छोड़ने के लिए कहा है, ताकि तेज गेंदबाजों को भी मदद मिले। अखबार को सूत्र ने बताया कि उत्तर, पश्चिम और पूर्वी राज्यों में अक्टूबर–नवंबर में खूब ओस पड़ती है। चेन्नई और बेंगलुरु में होने वाले मैचों में बारिश की आशंका है। ओस से स्पिनर्स का परफॉर्मेंस कमजोर होता है, क्योंकि बॉल गीली होने पर ग्रिप करने में मुश्किल होती है, ऐसे में बॉल कम टर्न होती है। ऐसे में ने स्पिनर्स की निर्भरता कम करने के लिए पिच पर घास छोड़ने को कहा है। दूसरी तरफ ज्यादा घास होने से टीमों के पास तेज गेंदबाजों को आजमाने का मौका रहता है। बैट और बॉल के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए हर मैदान की बाउंड्री को बड़ी करने का आदेश दिया है। सभी स्टेडियम के क्यूरेटर्स को कह दिया गया है कि बाउंड्री का साइज 70 मीटर होना चाहिए। इंटरनेशनल मैचों में बाउंड्री का मिनिमम साइज 65 मीटर होता है, जबकि मैक्सिमम साइज 85 मीटर का होता है। पुराने स्टेडियमों में बाउंड्री साइज 70–75 मीटर के बीच होता है, लेकिन अब बाउंड्री की साइज को 70 मीटर से ज्यादा करना होगा। हेड सिलेक्टर अजीत अगरकर ने एक महीने पहले एशिया कप के लिए टीम की घोषणा करते हुए ओस फैक्टर को स्वीकार किया था। वर्ल्ड कप 2023 के मुकाबले 10 शहरों में खेले जाएंगे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट अपने विधानसभा क्षेत्र टोंक की गाँव, ढाणियों में घूमकर जमकर पसीना बहा रहे हैं। बुधवार को पायलट ने पांच गाँवों, भांची, मण्डावरा, हथौना पराना और परोनी का दौरा किया। पायलट एक के बाद एक विभिन्न गाँवों में गए और वहाँ 13.16 करोड़ रुपये के 50 से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित हुआ

विधेयक के पक्ष में 454 वोट पड़े जबकि विपक्ष में मात्र दो वोट पड़े, सिर्फ ओवैसी की पार्टी के दो सांसदों ने विरोध किया

- **महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में आरक्षण के प्रावधान वाले ''नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023'' को लोकसभा में दिनभर चली चर्चा के बाद मतविभाजन के लिए रखा गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पर्ची से हुए मत विभाजन की घोषणा करते हुए कहा कि, विधेयक के पक्ष में 454 और विरोध में दो मत पड़े हैं। उन्होंने कहा कि, यह संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई से अधिक बहुमत से पारित हुआ है।**

नयी दिल्ली, 20 सितंबर (वार्ता)। विधायिका में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाले 128वें संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा ने बुधवार को दो तिहाई से अधिक बहुमत से पारित कर नारी सशक्तीकरण की दिशा में चिरलंबित एक ऐतिहासिक निर्णय किया।

महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में आरक्षण के प्रावधान वाले 'नारीशक्ति वंदन विधेयक 2023' को आज लोकसभा में दिनभर चली चर्चा के बाद मतविभाजन के लिए रखा गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पर्ची से हुए मत विभाजन की घोषणा करते हुए कहा कि विधेयक के पक्ष में 454 और विरोध में दो मत पड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई से अधिक बहुमत से पारित हुआ है।

कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विधेयक को नये संसद भवन में कार्यवाही के पहले दिन पहले विधायी कार्य के तहत मंगलवार को सदन में पेश किया था। विधेयक पर आज दिनभर हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस विधेयक पर चर्चा में सभी दलों ने इसका समर्थन किया है।

चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक को लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों के नये परिसीमन की आवश्यकता के बारे में सदस्यों की जिज्ञासा का स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि विधेयक को लागू करने में परिसीमन आवश्यक है। शाह ने कहा विधेयक में आज कुछ कमी है तो कल इसे पूरा कर दिया जाएगा।

अमित शाह के भाषण के तुरंत बाद चर्चा का जवाब देते हुए मेघवाल ने कहा कि इस विधेयक पर सभी दल एकमत हैं। चर्चा के दौरान कुछ राजनीतिक टीका टिप्पणी की गई हैं जिनका जवाब गृह मंत्री ने दे दिया है।

विधेयक पर सदस्यों ने कुछ संशोधन रखे थे लेकिन असदुद्दीन ओवैसी के संशोधन को ध्वनिमत से खारिज कर दिया। ज्यादातर सदस्यों ने अपने संशोधन वापस ले लिए।

सचिन पायलट के टोंक दौरे में भारी भीड़ उमड़ी

पायलट ने 13.16 करोड़ रू. के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया

- **पायलट ने कहा, मैं आप लोगों को साधुवाद देने आपके बीच आया हूँ। क्योंकि जब जनता जागरूक होती है तभी विकास कार्य हो पाता है।**
- **पायलट ने महिला आरक्षण बिल पर कहा कि, यह विधेयक कांग्रेस की देन है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह व सोनिया गांधी ने इस बिल को आगे बढ़ाया था।**

टोंक, 20 सितम्बर(निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने बुधवार को टोंक विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। पायलट ने ग्रा.पं. देवली भांची, मण्डावरा, हथौना, पराना एवं बरोनी में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत कर ग्रामीणों एवं आमजन से संवाद किया तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया और देवनारायण मंदिर, जोधपुरिया, निवाई पहुंचकर दर्शन भी किये। उसके बाद उन्होंने जोधपुरिया पधारे श्रद्धालुओं को संबोधित किया।

इस दौरान विधायक गजराज खटाना, विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, विधायक प्रशांत बैरवा, विधायक इंद्राज गुर्जर, टोंक जिला अध्यक्ष हरी प्रसाद बैरवा, जोधपुरिया कमेटी के अध्यक्ष फूलचंद लांगडी एवं लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

पायलट ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, आज मैं आपके बीच केवल विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने ही नहीं आया हूं बल्कि आप लोगों को साधुवाद देने भी आया हूं, क्योंकि जब स्थानीय लोग जागरूक होंगे तभी क्षेत्र में विकास संभव होता है। आप लोगों की जागरूकता के कारण ही यहां विकास कार्य सम्पन्न हो रहे हैं। जनता के पैसों का पूरा-पूरा सदुपयोग हो, इसकी निगरानी रखने की जिम्मेदारी आप, हम सबकी है। हमारी पूरी कोशिश रही है कि टोंक की हर पंचायत हर ढाणी तक विकास कार्य हों। हमने टोंक विधानसभा क्षेत्र की 36 पंचायतों की 36 कौमों के लिए बिना पक्षपात, बिना भेदभाव के विकास कार्य किये है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, सड़क क्षेत्र में विकास को प्राथमिकता देकर कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि, महिला आरक्षण बिल के नाम पर प्रधानमंत्री जी वाहवाही लूटने का काम कर रहे है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी ने कांग्रेस शासन के समय महिला आरक्षण बिल को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि, महिला आरक्षण बिल में संशोधन की क्या जरूरत है। भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर वोट बटोरने का काम कर रही है। इनकी मंशा महिलाओं को आरक्षण देने की नहीं है। महिला आरक्षण बिल पर अब ये बोल रहे हैं कि 2029 में जनगणना होगी, परिसीमन होगा, उसके बाद इसे लागू करेंगे। इससे भाजपा की मंशा साफ नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि, प्रदेश में भाजपा विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करने में पूरी तरह से विफल रही है। साढ़े चार साल तक इनके नेताओं ने आपकी सुध नहीं ली और अब जन आक्रोश यात्रा, परिवर्तन यात्रा निकाल रहे हैं। पिछले 9 सालों से केन्द्र में भाजपा की सरकार है। प्रदेश से दो बार 25 के 25 सांसद भाजपा के चुनकर आपने दिल्ली भेजे। परन्तु वो एक भी नई योजना प्रदेश को नहीं दिलवा सकें। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाने में ये पूरी तरह से नाकाम रहे।

उन्होंने कहा कि, भाजपा के पास जनता को बताने के लिए कोई काम नहीं है। वे अब आपको मंदिर, मस्जिद, धर्म, जाति के नाम पर बरगलाने की कोशिश करेंगे। परन्तु आपको सजग रहना है, अपना आपसी भाई-चारा कायम रखना है और क्षेत्र में निरन्तर हुए विकास कार्यों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाना है। इस दौरे के दौरान सचिन पायलट ने विभिन्न जगहों पर 13.16 करोड़ रूपये के 50 से अधिक विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

'संविधान की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये'' हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के इरादों पर संदेह जताया। उन्होंने पत्रकारों को बताया, ''नये भवन में हम संविधान की प्रस्तावना की जो प्रतियाँ अपने साथ ले गए उनमें ''धर्म निरपेक्ष'' तथा ''समाजवादी'' शब्द नहीं हैं। ये (शब्द) चालाकी से हटाये गये हैं।.....यह एक गंभीर मामला है तथा हम इस मुद्दे को उठायेंगे।'' उन्होंने आगे कहा कि, उन्हें मालूम है कि, ये शब्द संविधान में बाद में, 1976 में जोड़े गये थे।

लोकसभा में सदन के कांग्रेस के नेता ने कहा कि, अगर कोई व्यक्ति संविधान की कोई प्रति आज दे रहा है तो उसका संस्करण आज के अनुरूप ही होना चाहिये।

सी.पी.आई. (एम) के बिनॉय विस्वम ने इन दोनों शब्दों को नहीं लिए जाने को ''अपराध'' की संज्ञा दी।

सोनिया गांधी ने भी महिला आरक्षण पर दिये गये अपने भाषण में इस संगीन मुद्दे को उठाया और कहा कि, मंगलवार को सरकार द्वारा दी गई संविधान की अंग्रेजी वाली प्रतियों में संविधान की प्रस्तावना से दो शब्द, ''सोशलिस्ट'' तथा ''सैक्युलर'' गायब थे।

उन्होंने कहा, ''ये शब्द 1976 में किये गये एक अति महत्वपूर्ण, 42वें संशोधन द्वारा प्रस्तावना में जोड़े गये थे, क्योंकि ये मूल संविधान में नहीं थे।''

टोंक से ही चुनाव लड़ेंगे सचिन पायलट

- **पायलट ने अपने क्षेत्र की जनता से कहा, आपने मुझे पहले भी रिकॉर्ड मतों से जिताया है और आगे भी इससे ज्यादा मतों से विजयी बनाएंगे।**
- **पायलट ने महंगाई, बेरोजगारी, परिवर्तन यात्रा को लेकर भाजपा की कड़ी आलोचना की।**
- **कांग्रेस में अनुशासनहीनता पर कार्यवाही के प्रश्न पर पायलट ने कहा कि, फैसला ए.आई.सी.सी. को लेना है।**

टोंक/जयपुर, 20 सितम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस कार्य समिति सदस्य सचिन पायलट विधानसभा चुनाव 2023 में कौन सी सीट से विधायक बनना पसंद करेंगे? यह सवाल कई दिनों से उठ रहा है, लेकिन खुद सचिन पायलट ने इस सवाल को समाप्त करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि, वे अपनी वर्तमान विधानसभा सीट टोंक से ही चुनाव लड़ने वाले हैं।

टोंक के दौरे के दौरान सचिन पायलट ने स्पष्ट कर दिया कि, वे अपनी विधानसभा सीट बदलने वाले नहीं हैं। इस दौरान पायलट ने भाजपा पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि, चुनाव आते ही भाजपा वाले राम मंदिर जाएंगे, नारियल फोड़ेंगे और राम मंदिर का उद्घाटन कर वोट मांगेंगे।

पायलट ने अपने लिए खुलकर वोट मांगते हुए कहा कि, 2018 से ज्यादा 2023 में जनता उन्हें वोट दें। सचिन ने कहा, पूरे देश की नज़र टोंक पर रहेगी। चाहे मेरे चाहने वाले हों या मेरे विरोधी, इस सीट पर केवल जीत मायने नहीं रखती है। मायने रखती है पहले से ज्यादा वोटों से जीत।

पायलट ने कहा, मेरे क्षेत्र में इत्तफाक देखिए कि, 36 ग्राम पंचायतें हैं और मुझे 36 कौम का समर्थन मिला है। आपने मुझे रिकॉर्ड मतों से पहले भी जिताया और मुझे विश्वास है कि, आगे भी उससे ज्यादा वोटों से जिताकर भिजवायेंगे। पायलट ने पांच पंचायतों के दौरे के दौरान अपने लिए खुलकर वोट मांगे।

इसके अलावा सचिन पायलट ने महंगाई, बेरोजगारी, महिला आरक्षण बिल, परिवर्तन यात्रा और ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजैक्ट को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। वहीं, कांग्रेस में अनुशासनहीनता के मामले पर कार्रवाई के सवाल पर सचिन ने चुप्पी साध ली और कहा कि, यह फैसला ए.आई.सी.सी. को लेना है।

सीएम गहलोत के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये महाधिवक्ता के ऑफिस से स्वीकृति नहीं मिली है परंतु मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये बयान ना केवल न्यायपालिका की कार्यप्रणाली को ''सैन्सेशनलाइज्ड'' करते हैं, बल्कि उसकी गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं, इसलिये अदालत को मामले पर आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करनी चाहिये।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा न्यायपालिकाओं के संदर्भ में गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी किये जाने के संदर्भ में दायर जनहित याचिका में मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा गया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्यायपालिका के खिलाफ बयानबाजी की थी। इस परिप्रेक्ष्य में अदालत ने कहा कि वह इस बात की पुष्टि करना चाहते हैं कि मुख्यमंत्री ने मीडिया को क्या बयान दिया था और क्यों किया था। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मीडिया में मुख्यमंत्री की बयानबाजी की रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद स्वयं मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण दिया कि उन्होंने उनकी मंशा न्यायपालिकाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाना नहीं थी और उनकी टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों की टिप्पणी पर आधारित थी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह साफ जाहिर करता है कि मुख्यमंत्री ने ही अपमानजनक बयान दिये थे और अपने बयान को वापस लेने या माफी मांगने के बजाये उन्होंने पूर्व न्यायाधीशों की टिप्पणीयों की आड़ ली, जबकि यह अभद्र बयानबाजी करने का कोई समय या अवसर भी नहीं था।

उल्लेखनीय है कि गहलोत ने न्यायपालिका में गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सुना है कि ''कोर्ट के फैसले तक वकील लिखते हैं और वे जो लिखकर लाते हैं, वहीं फैसला आता है। चाहे निचली न्यायपालिका हो या उच्च, हालात गंभीर है।''

अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद कहा कि क्योंकि मुख्यमंत्री गहलोत को जनहित याचिका में जवाब तलब किया जा चुका है, इसलिये उक्त मामले का निस्तारण किया जाता है, परंतु आपराधिक अवमानना का विषय जैसे ही अदालत के सामने आयेगा तब याचिकाकर्ता आवेदन दायर कर पुनः मामले को दायर कर सकते हैं और अदालत मामले को सुनेगी।

यहां यह गौर फरमाने योग्य है कि गहलोत की बयानबाजी के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई तीन अक्टूबर को सूचीबद्ध है।

आरक्षण विस्तार की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सी.ए. सुंदरम ने कहा कि, मुख्य मुद्दा यह होगा कि, क्या आरक्षण बढ़ाने के लिए संविधान में किए गए संशोधनों ने संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन किया है।

चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान बैंच ने कहा कि, वह संविधान के 104वें संशोधन की वैधता का परीक्षण करेंगे, जिसके द्वारा लोकसभा और विधानसभाओं में अजा/जजा का कोटा और 10 साल के लिए बढ़ाया गया है।

शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट किया कि, वह अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए किए गए आरक्षण को बढ़ाने के लिए पूर्व में किए गए संशोधनों की वैधता पर नहीं जाएगा।

जस्टिस ए.एस. बोपन्ना, एम.एम. सुन्दरेश, जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा बैंच के बाकी सदस्य हैं। बैंच ने कहा कि, 104वें संशोधन की वैधता की जांच उसी सीमा तक की जाएगी जहां तक उसका असर अनुसूचित जाति/जनजाति पर होता है, क्योंकि, एंग्लो इण्डियन्स के लिए आरक्षण संविधान लागू होने के 70 साल बाद समाप्त हो गया। कोर्ट ने कहा कि, कार्रवाई संविधान की धारा 334 के अंतर्गत होगी। इस धारा में अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए आरक्षण तथा एंग्लो इण्डियन समुदाय के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में विशेष प्रतिनिधित्व एक समय सीमा के बाद समाप्त हो जाता है।

शीर्ष कोर्ट ने यह मामला 2 सितंबर 2003 को पांच सदस्यीय बैंच को भेजा था जिसमें 1999 में हुए संविधान के 79वें संशोधन को चुनौती दी गई थी।

लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान पुनः चांद पर चहलकदमी करेंगे

बैंगलुरु, 20 सितम्बर। इसरो अपने चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के साथ फिर से संपर्क स्थापित करने की तैयारी कर रहा है। लैंडर और रोवर को पिछले पंद्रह दिनों से स्लीप मोड में रखा गया है। हालांकि, शिव शक्ति पॉइंट पर सूरज की रोशनी आने के साथ ही उनके परिचालन स्थितियों में सुधार होने की उम्मीद है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसरो ने बताया कि चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में चंद्रयान-3 लैंडिंग साइट पर सूर्योदय हो गया है और वे बैटरी के रिचार्ज होने का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें विक्रम लैंडर और प्रज्ञान के साथ फिर से संचार स्थापित होने की उम्मीद है।

'केन्द्र में 90 सचिव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का बहाना नहीं बनाना चाहिये तथा जनगणना एवं परिसीमन की प्रतीक्षा किये बिना महिलाओं को यह आरक्षण तुरंत दे देना चाहिये।

उन्होंने जातिगत जनगणना की तुरंत आवश्यकता बताई ताकि देश में ओ.बी.सी. की विशाल आबादी का हिसाब सामने आ सके। लेकिन उन्हें सत्ता का हस्तांतरण (ट्रांसफर ऑफ पावर) नहीं हुआ है, जो 1947 में आजादी की प्राप्ति के साथ ही शुरू हो गया था। उन्होंने सचिव-स्तर के 90 अधिकारियों द्वारा केन्द्र सरकार के संचालन का उदाहरण दिया तथा कहा कि, उनमें केवल तीन ओ.बी.सी. अधिकारी है जिनका नियंत्रण केन्द्रीय बजट के केवल 5 प्रतिशत हिस्से पर है।

राहुल ने कहा कि, ओ.बी.सी. के प्रति किया जा रहा यह भेदभाव शीघ्राताशीघ्र खत्म किया जाना चाहिये। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बीच में हस्तक्षेप करते हुये, उनसे कहा कि, बहस महिला आरक्षण पर है तथा वे (राहुल) विषय से हट रहे हैं। राहुल ने कहा कि, वे तो भारत की जनता को सत्ता के हस्तान्तरण पर ही बोल रहे हैं। वे महिलाओं को सत्ता का हस्तान्तरण करने के लिये मंगलवार को लाये गये विधेयक को लेकर बहुत प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था'' में महिलाओं को दिये गये आरक्षण के जरिये महिला सशक्तीकरण की दिशा में पहल करने वाली कांग्रेस ही थी।

लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल को कहा कि, वे ''डरो मत' की रट लगाना बंद करें। बिड़ला ने कहा कि, सदन में कोई भी भयभीत नहीं है, जैसा कि वे उस समय जताते हैं, जब भाजपा बैंचों की ओर से शोर होता है। इस पर लेकिन मजे की बात यह है कि जब कांग्रेस की बैंचों की तरफ से हो-हल्ला हुआ तो अमित शाह ने भी अपने सदस्यों से ''डरिये मत'' कहना उचित समझा।

राहुल ने कहा कि, उन्होंने ओ.बी.सी. का मुद्दा इसलिये उठाया है क्योंकि संस्थाओं में उनकी सहभागिता नगण्य है, जैसा कि, कांग्रेस द्वारा कराये गये एक शोध में सामने आया है। उन्होंने दबाव डालते हुये कहा कि, जातिगत जनगणना यथाशीघ्र कराइये, या फिर कांग्रेस द्वारा तैयार किये गये डेटा को जारी कर दीजिये, अन्यथा उन्हें (राहुल) उस डेटा को जारी करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा।

'मैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ प्रावधानों के कारण इसको लागू करना परिसीमन और जनगणना पर निर्भर है इसलिए यह 2029 के चुनाव से पहले प्रभावी नहीं हो सकेगा।

सोनिया गांधी ने कहा, ''महिलाओं को और कितने साल इंतजार करना पड़ेगा.....दो, चार, आठ? कांग्रेस की मांग है कि इस कानून की तुरंत क्रियान्विति हो। हम अनुसूचित जाति/जनजाति और ओ.बी.सी. की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग करते हैं। इसमें विलंब करना महिलाओं के साथ अन्याय होगा।

अगली प्रमुख वक्ता थीं द्रमुक की कनिमोई, जिन्होंने एक संक्षिप्त लेकिन प्रभावी भाषण दिया, हालांकि उनके बोलने के लिए उठते ही उन पर छींटाकशी हुई। उन्होंने मांग की कि महिलाओं को प्रणाम करना और उनकी पूजा करना बंद कर उन्हें बराबरी का दर्जा दीजिए। उन्होंने कहा, ''हम सिर्फ मां, बहन या बीबी नहीं कहलाना चाहते। हमें बराबरी का सम्मान चाहिए।''

कनिमोई ने सरकार से पूछा कि क्या उसने सभी संबंधित पक्षकारों से सलाह-मशविरा किया जैसा उसने कहा था। उन्होंने कहा, ''मैं जानना चाहती हूँ कि क्या सर्वसम्मति बनी, क्या चर्चाएं हुईं। यह विधेयक गोपनीयता के पर्दे में लाया गया। हमें जानने का अधिकार है, यह देश हमारा हैं। संसद हमारी है।''

एन.सी.पी. सांसद सुप्रिया सुले ने इंडिया गठबंधन पर निशिकांत दुबे के तंज का जवाब देते हुए महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ भाजपा सांसद का नाम लिया जिन्होंने कहा था, ''सुप्रिया घर जाओ, खाना बनाओ। देश कोई और चला लेगा।''

उन्होंने कहा कि, भाजपा की सोच ही ऐसी है। जब कनिमोई ने अन्नाद्रमुक की स्वर्गीय अध्यक्ष और तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता सहित मजबूत महिला नेताओं का उल्लेख किया तो सुले ने उनके समर्थन में कहा, ''शाबाश कनी बिल्कुल सही।''

स्मृति ईरानी ने सोनिया गांधी का नाम लिए बिना कांग्रेस पर यह बताने के लिए चुटकी ली कि यह विधेयक यू.पी.ए. सरकार ने 2010 में पेश किया था। उन्होंने कहा, ''वे कहते हैं कि सफलता के कई बाप होते हैं और असफलता का कोई नहीं। जब विधेयक आया तो कुछ लोगों ने इसे अपना विधेयक कहा। मंगलवार को सोनिया गांधी ने पत्रकारों के सामने इस विधेयक को अपना कहा था।

विपक्ष द्वारा इस विधेयक को 2024 के चुनाव से पहले लागू करने की मांग पर ईरानी ने पूछा कि क्या विपक्ष चाहता है कि हम संविधान की अवहेलना करें। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह धर्म आधारित कोटे की मांग कर देश को गुमराह कर रही है। जबकि सोनिया गांधी ने अजा/जजा और ओ.बी.सी. की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग की थी।

तृणमूल कांग्रेस की कांकोली घोष ने बोलते हुए यह जानने की मांग की कि भाजपा ने अपने सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की, जबकि महिला पहलवानों ने उन पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे। उन्होंने महिला विधेयक को देर से पेश करने की आलोचना करते हुए इसे ''टॉपी में से खरगोश निकालने'' जैसा दांव बताया।

एक अन्य तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा इस विधेयक को ढोंग बताते हुए कहा कि यह विधेयक पारित होने के बाद में 2029 से पहले क्रियान्वित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि विधेयक में जानबूझकर विलंब किया गया है और सरकार महिला आरक्षण विधेयक नहीं लाई है बल्कि ''महिला आरक्षण पुनर्निधारण विधेयक लाई है। इसका एजेंडा आरक्षण नहीं बल्कि विलंब है। अगला परिसीमन और जनगणना होने के बारे में असमंजस चल रहा है जिसका अर्थ है कि आरक्षण अनिश्चितकाल के लिए टल गया। यह वैसा ऐतिहासिक विधेयक नहीं हैं। जैसा प्रचार किया जा रहा है बल्कि यह ढोंग हैं। महिला आरक्षण के लिए कार्रवाई की जरूरत होती है, खाली विधायी स्वीकृति लेने की टालमटोल की नहीं।''

संसद के बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर ने विधेयक में परिसीमन और जनगणना वाली शर्त पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि एक पुरुष वर्चस्व वाली संसद ने महिलाओं को धोखा दिया है।

कौर ने कहा, ''जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन अब 2023 समाप्त होने वाला है। हमें अभी भी यह पता नहीं कि यह कब होगी।

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने इस बात पर जोर दिया कि अल्पसंख्यक एवं पिछड़ी जातियों की महिलाओं के हित के लिए विपक्ष की मांग मानी जानी चाहिए।

कैनेडा और भारत के बीच तनाव में चीन भी कूदा

चीन ने पश्चिम देशों, खासकर अमेरिका को लताड़ लगाई और कहा कि, दोगलेपन और पाखण्ड से सराबोर अमेरिका अपने निजी हित साधने के लिए भारत का उपयोग कर रहा है

- **ग्लोबल टाइम्स लिखता है कि, पश्चिमी देश मानवाधिकारों के रक्षक होने का दावा करते हैं और अक्सर मानवाधिकार संबंधी मुद्दों पर दूसरे देशों की आलोचना करते हैं। भारत के ''लोकतंत्र'' के लिए पश्मिी देशों की प्रशंसा मुख्य रूप से भूराजनीतिक हितों और भारत को उनके चीन विरोधी गठबंधन में शामिल करने की इच्छा से प्रेरित है।**

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। इस साल जून महीने में, खालिस्तानी नेता और कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा ने हाल ही में भारत पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया और एक भारतीय राजनयिक को बाहर निकाल दिया। जवाब में, भारत ने भी तुरंत घोषणा की कि उसने भारत में स्थित एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया है, साथ ही कनाड़ा के आरोपों को खारिज कर दिया और उन्हें ''बेतुका और प्रेरित'' बताया। अमेरिका ने दोनों देशों के विवाद पर बयान दिया कि वह कनाड़ा के दावों से चिंतित है और भारत से जांच में सहयोग की अपेक्षा करता है। इस पूरे घटनाक्रम पर चीन ने अमेरिका को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। चीन ने इसे भारत के साथ पश्चिमी देशों विशेषकर अमेरिका का पाखंड बताया है। कहा कि वर्तमान में भारत पश्चिम के लोगों के लिए उपयोगी है, इसलिए वे स्थिति का फायदा उठा रहे हैं।

चीन के मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने अपने आर्टिकल में लिखा है, हाल के वर्षों में, भारत और कनाड़ा के बीच विवाद कनाड़ा में सिख समुदाय के आसपास केंद्रित रहे हैं, जो मोदी सरकार का विरोध करते हैं और सिख अधिकारों की वकालत करते हैं। सिख समुदाय भारत में एक अल्पसंख्यक जातीय समूह है, जिसकी आबादी सिर्फ 20 मिलियन से अधिक है। कनाड़ा में, जो दुनिया भर में सिखों के लिए सबसे बड़ी अप्रवासी बस्तियों में से एक है, सिख समुदाय महत्वपूर्ण राजनीतिक, वाणिज्यिक और आर्थिक प्रभाव रखता है। हाल के वर्षों में अलगाववादी खालिस्तान आंदोलन का पुनरुत्थान भारत और कनाड़ा के बीच विवाद का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

जिला स्तरीय प्रतियोगिता शुरू

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कचियागढ़ स्टेडियम में 67 वीं जिला स्तरीय 14 वर्ष लॉन टेनिस छात्र-छात्रा प्रतियोगिता का आगाज हुआ।

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रानीपुरा खंडेला के तत्वावधान में टेनिस कोर्ट कचियागढ़ स्टेडियम में लॉन टेनिस प्रतियोगिता के टीम गेम हुए। टीम गेम में छात्र वर्ग में शहीद प्रताप सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कांसरड़ा ने श्री गांधी किसान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जयरामपुरा को 3 -1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं छात्र वर्ग में शहीद प्रताप सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कांसरड़ा ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बस्सी को 3 -0 से हराया। गुरुवार को राज्य स्तर के लिए चयन होने के लिए सिंगल्स गेम खेले जाएंगे। प्रतियोगिता संयोजक महेंद्र कुमार महरिया ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ पर्यवेक्षक मनीषा मीणा एवं जिला मंत्री गोकुल कुमार जांगिड़ राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला सीकर की उपस्थिति में हुआ। प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में 13 टीमों के 47 प्रतिभागी एवं छात्रावर्ग में 11 टीमों के 41 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। निर्णायक मंडल में राकेश प्रसाद महरिया, गोकुल कुमार जांगिड़, शारीरिक शिक्षक की देखरेख में मैच खेले जा रहे हैं।

मौसमी बीमारियों को लेकर चिकित्सा विभाग अलर्ट

कोटपूतली, (निसं)। मौसमी बीमारियों को देखते हुये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. निर्मल कुमार जैन ने ज्यादा से ज्यादा ओपीडी में आने वाले बुखार के मरीजों की स्लाइड एवं डेंगू जांच करने हेतु निर्देशित किया है।

ब्लॉक कोटपूतली में जनवरी 2023 से बुधवार तक 83 डेंगू केसेज पाये गये है, 06 मलेरिया केसेज एवं 05 स्क्रबटायफस केसेज पॉजिटिव पाये गये हैं। इनकी रोकथाम के लिये पॉजिटिव केसेज के आधार पर हाईरिस्क क्षेत्र को चिन्हित कर घर-घर बुखार के रोगियों का सर्वे कर रक्त पट्टिाकाओं का संचरण एवं सोर्स रिडक्शन एन्टी लार्वा गतिविधियां करवायी जा रही है। डोर टू डोर सर्वे करने हेतु ब्लॉक कोटपूतली में 141 टीमें बनाई गई हैं जो घर-घर जाकर एन्टीलार्वा एक्टीविटी, डेंगू एक्शन टेकन का कार्य कर रही है। पॉजिटिव आने के पश्चात् उसके आस पास के 50 घरों का सर्वे एवं पाईथेरियम स्प्रे करवाया जा रहा है। तथा जल भराव क्षेत्र में एमएलओ मिश्रण डलवाया जा रहा है। इसी के तहत अब तक 8 गांवों में फोगिंग करवा दी गई हौ (बिठलोदा, सुजातनगर, कोटपूतली वार्ड नं. 02, सुन्दरपुरा, बुचारा, गोवर्धनपुरा, टसकोला, दांतिल एवं पंण्डितपुरा) एवं जहा भी पॉजिटिव केसेज अधिक मिल रहे है उसी क्षेत्र में फोगिंग का कार्य करवाया जा रहा है।

- **डोर टू डोर सर्वे करने हेतु ब्लॉक कोटपूतली में 141 टीमें बनाई**
- **सी.एम.एच.ओ. डॉ. निर्मल कुमार जैन ने बुखार के मरीजों की जांच के निर्देश दिये**

कोटपूतली क्षेत्र में मौसमी बीमारियों को लेकर फोगिंग की जा रही है।

विप्र सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया

चाकसू, (निसं)। चाकसू स्थित कमला सदन पर विप्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील तिवाड़ी का चाकसू के ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत करते हुए अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर उपस्थित समाज के प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए यहां की सामाजिक स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सामाजिक संगठन के एकजुट होना आवश्यक है। परस्पर सहयोग, संवाद एवं सहभागिता समय समय पर होते रहने से लोगों में आपसी समझ बढ़ती है। उन्होंने युवकों से आगे बढ़कर संगठन के कार्य को गति देने का आग्रह किया। तिवाड़ी यहां उपजिला अस्पताल के पास एक निजी लेब का उद्घाटन करने आए हुए थे।

स्वागत समारोह में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के उपाध्यक्ष नारायणलाल शर्मा, पार्षद दिनेश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, सुनील तिवाड़ी, नीरज शर्मा पूर्व पार्षद कृष्ण बिहारी शर्मा, रामावतार गणेशपुरा, गौसेवक महेश कुमार शर्मा, एडवोकेट सुरेश शर्मा, मोहनलाल शर्मा, नीरज शर्मा, सुरेश शर्मा बालमुकुंद, अजय, मुकेश, रामावतार शर्मा सहित अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

सार-समाचार

उत्तम मार्दव धर्म की पूजा की

चाकसू, (निसं)। दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन बुधवार को उत्तम मार्दव धर्म की पूजा की गई। समाज के अध्यक्ष अशोक गंगवाल, रूपाहेडी एवं महामंत्री दिनेश गंगवाल तमाडिया ने बताया कि सुबह अभिषेक शांति धारा की गई। उसके पश्चात दशलक्षण धर्म की विधान पूजा की गई। मर्दाव धर्म के बारे में बताते हुए कहा कि मार्दव धर्म हमें सिखाता है कि प्रत्येक जीव के प्रति विनय भाव रखना चाहिए। सायंकाल आरती - चालीसा के बाद 48 दीपकों के द्वारा भक्तामर अनुष्ठान किया गया। जिसमें समाज के महिला-पुरुष एवं बच्चों आदि ने भाग लिया। दसलक्षण महापर्व के तहत सभी मंदिरों को विशेष लाइटिंग से सजाया गया है। यह जानकारी युवक मंडल अध्यक्ष अजय गंगवाल ने दी।

हंसराज अध्यक्ष व राजेंद्र मंत्री बने

चौरु/उनियारा, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा उनियारा के वार्षिक चुनाव सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि. अलीगढ़ में चुनाव अधिकारी विमल कुमार विजय व पर्यवेक्षक हंसराज गुर्जर की देखरेख में संपन्न हुए। जिसमें लगातार चौथे वर्ष हंसराज गुर्जर बनेठा को तहसील अध्यक्ष व राजेन्द्र सिंह गौड़ अलीगढ़ को तहसील मंत्री चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर हेमंत कुमार जैन व महिला मंत्री माया सैनी अलीगढ़, सभा अध्यक्ष बालकिशन शर्मा,उप सभाध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा, बनवारी लाल सैनी वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मण मीणा, उपाध्यक्ष विशाल स्वामी(पुरूष),बबीता जैन(महिला) का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। बनवारी लाल सैनी उनियारा को राज्य स्तर पर शिक्षक सम्मान मिलने पर उपशाखा उनियारा के सभी सदस्यों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।इस अवसर पर मोहरसिंह गुर्जर जिला संगठन मंत्री बृजेश कुमार शर्मा, ललित शर्मा, सतीश शर्मा,सेवानिवृत्त व्याख्याता विष्णु दत शर्मा, घनश्याम गुर्जर, गोवर्धन गुर्जर सहित कई शिक्षक सदस्य उपस्थित थे।

8 वारंटियों को गिरफ्तार किया

मालपुरा, (निसं)। विधानसभा चुनाव के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था को मध्यनजर रखते हुए जिला पुलिस अधिक्षक राजऋषी राज वर्मा के निर्देशानुसार एएसपी पुष्पेन्द्र सिंह व डीवाईएसपी सुशील मान के सुपरविजन में डिग्गी थानाधिकारी अय्युब खान के निर्देशन में गठित विशेष टीमों ने थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगह दबिश की कार्यवाही कर 8 वारंटियों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि न्यायालय द्वारा जारी सुधा एक स्थाई वारंटी व 7 गिरफ्तारी वारंटियों को विशेष टीमों ने गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई।

परिचय सम्मेलन 24 सितम्बर को

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र में जांगिड़ समाज के 23 नवंबर को होने वाले तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर 24 सितंबर को युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार जांगिड़ ने बताया कि रविवार 24 सितंबर को भूतेश्वरनाथ मंदिर शिवालय उद्यान, युवक-युवती परिचय सम्मेलन का सुबह 9.15 गणपति पूजन, 9.30 विश्वकर्मा भगवान पूजन, 10 बजे ध्वजारोहण के साथ आगाज होगा। वहीं 10.15 बजे अतिथि सम्मान, 11.15 बजे युवक युवती परिचय, दोपहर 2.15 बजे अतिथि संबोधन का आयोजन होगा।

यादव ने गणेश जी के दर्शन किये

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भाजपा नेता डॉक्टर मंगल यादव ने शाम टिड्डीनाथ आश्रम आकर गणेश जी के दर्शन कर मंदिर के संत बालक गिरीनाथ जी महाराज का आशीर्वाद लेकर आए हुए भक्तों से परिचर्चा की, वहीं आमजन से भी अपील की है कि मंदिर में हर संभव प्रयास किया जाएगा व काम में कोई कमी नहीं आने की बात कही। इस मौके पर विनोद" चांद" सोनू पंडित, राजू राजोरिया, बाबूलाल कुमावत ,शंकर लाल कुमावत, पिंटू ,संजय कुमार , मंजू टेलर सहित कई कार्यकर्ता थे।

कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

दूदू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माल की ढाणी के खेल प्रांगण में बुधवार को 67 वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि नगर परिषद उपसभापति अमित जोशी, समाजसेवी हनीफ शेख, तेजपाल सिंह, मुख्यब्लाक शिक्षा अधिकारी एन एल कटारिया द्वारा मां सरस्वती चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर ध्वजारोहण के बाद शुभारम्भ किया गया। शारीरिक शिक्षक मुकेश गुर्जर ने बताया कि 40 टीमों के खिलाड़ियों ने भाग लिया है।

पर्यवेक्षयक ने कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक ली

पावटा, (निसं)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जयपुर जिला देहात कांग्रेस कमेटी के जिला पर्यवेक्षयक व हरियाणा के महेन्द्रगढ़ से विधायक राव दान सिंह के मुख्य आतिथ्य व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर की अध्यक्षता एवं जयपुर देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाल मीणा, जयपुर देहात कांग्रेस प्रभारी आर सी चौधरी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी विराटनगर प्रभारी विक्रम वाल्मीकि, जयपुर संभाग सह प्रभारी रमेश खण्डेलवाल, प्रधान प्रतिनिधि विराटनगर कन्हैयालाल गुर्जर, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पावटा महादेव यादव, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विराटनगर महेंद्र रातावाल, जगदीश मीणा सहित जनप्रतिनिधियों के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों की एक बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में जिला पर्यवेक्षक राव दानसिंह ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विधायक द्वारा किये गए विकास कार्यों व जनता द्वारा उनकी सराहना, राजनितिक पस्थितियों का अवलोकन व आमजन व नेताओं से कांग्रेस सरकार की योजनाओं के क्रियान्वन व जनता को उनसे मिलने वाले लाभ, वहीं कांग्रेस सरकार की योजनाओं को आमजन द्वारा सराहा जाना वहीं कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सर्वे कर आलाकमान तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। वहीं बैठक को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि विपक्ष के पास चुनाव में जाने का कोई मुद्दा नहीं बचा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की बात कही तथा एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव में जुट जाने की अपील करते हुए सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को एक रहकर कांग्रेस को जिताने है।

जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता शुरू

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत बड़ागांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टोरडी में बुधवार को 67 वीं जिला स्तरीय 14 आयु वर्ग के विद्यार्थियों का खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक प्रशांत बैरवा ने ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रशांत बैरवा ने कहा कि खेल हमारी दिनचर्या का अभिन्न अंग है और बच्चों को अपनी रूचि अनुसार खेल खेलना चाहिए। खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद सांखला ने की। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता में 14 आयु वर्ग के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

सैनी समाज की 450 प्रतिभाओं को सम्मानित किया

पावटा, (निसं)। महात्मा ज्योतिबा फुले बिग्रेड व सैनी समाज द्वारा तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले बिग्रेड राष्ट्रीय अध्यक्ष राम सिंह सैनी के मुख्य आतिथ्य व व्याख्यता बाली सैनी की अध्यक्षता में किया गया।

प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान 450 मेधावी छात्र-छात्राओं व सम्मानितगणों को स्मृति चिन्ह, ज्योतिबा फुले का दुपट्टा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि रामसिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने जो संघर्ष किया हमारी पीढी को यह बात जानने की बहुत आवश्यकता है। वहीं उन्होंने कहा कि सैनी समाज भोला समाज है हमें चाहिए कि हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं। इस दौरान गुड्डू सैनी, सीमा सैनी, पोखर सैनी, भागीरथ सैनी, सीताराम सैनी, सुरजन सैनी, ताराचंद सैनी, गोपाल सैनी, कैलाश सैनी, सुरेश बादलीवाल, प्रकाश सैनी रामेश्वर सैनी, प्रेम सैनी, उमराव सांखला, ताराचंद सैनी, चंद्रप्रकाश सैनी, नरेंद्र सैनी, महेंद्र सैनी, रोशन बागडी सहित बडी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले बिग्रेड़ व सैनी समाज द्वारा तृतीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

विधायक ने करोड़ों की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। विधायक श्रीमाधोपुर एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली कई सड़कों का शिलान्यास किया।

विधायक शेखावत ने शिलान्यास कार्यक्रम के तहत महरौली मोड़ से गोविंद सिंह की ढ़ाणी तक, जालपाली मोड पर जालपाली से श्रीमाधोपुर नगरपालिका की सीमा तक फोर लाइन सड़क का शिलान्यास किया। जानकारी के अनुसार जालपाली मोड पर विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत ने एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि कुछ ही दिनों बाद गौशाला से खंडेला रोड बाईपास तक 4 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से सड़क का निर्माण करवाया जाएगा, जिसका शिलान्यास भी जल्द ही होगा। समारोह को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक शेखावत ने कहा कि भाजपा केवल और केवल बातें करती है लेकिन उन्होंने जमीन पर विकास के कार्य कर के दिखाए हैं। विधानसभा क्षेत्र में किसी भी गांव ढाणी या नगर पालिका में चले जाओ कांग्रेस तथा मेरे कार्यकाल में सड़कों का जाल बिछाया, करोड़ों रुपए की लागत से सड़कों का निर्माण करवाया, माध्यमिक से उच्च माध्यमिक विद्यालय करवाए, पानी के लिए 10 करोड रुपए स्वीकृत करवाएं और भाजपा कहती है कि कांग्रेस ने कुछ नहीं किया तो भाजपा केवल और केवल बातें करना जानती है। वहीं उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी कहा कि उनका स्वास्थ्य खराब होने तथा अस्वस्था के चलते हुए अब आगे चुनाव नहीं लड़ेंगे और कांग्रेस के टिकट लेने के लिए कई लोग सामने आ रहे हैं, लेकिन पैसे में जनता बिकने वाली नहीं है जो जनता के बीच रहकर विकास के कार्य करवाए और आमजन का दर्द सुनकर उनकी पीड़ा को दूर करें ऐसे विधायक को चुनना जनता पसंद करती है, उन्होंने कहा कि वह अस्वस्थ रहने के बावजूद भी चारपाई पर रहकर भी विकास के कार्यों को लेकर लगातार मुख्यमंत्री को उन्होंने चिट्ठी लिखी जिसकी बदौलत से ही आज क्षेत्र में काफी विकास के कार्य हुए और आगे भी होंगे। इस दौरान काफी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं उन्होंने इसके बाद मऊ गांव में संपर्क सड़क बालाजी मंदिर तक बनने वाली का शिलान्यास किया।

- **विकास के नाम पर भाजपा केवल बात करती है, कांग्रेस ने धरातल पर काम किया है : शेखावत**

तीन धाम की यात्रा रवाना

लालसोट, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के दर्जन भर गांवों से यात्री तीन धाम की यात्रा को रवाना हुए। यात्रियों का बीजेपी नेता रामबिलास मीना भामाशाह प्रहलाद मीना ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

यात्रा संयोजक गिर्राज सुकारिया ने बताया कि देशभर के तीर्थ स्थलों के दर्शनकर 52 दिनों में यात्री वापस लालसोट आएंगे यात्रियों ने सुबह से ही मंदिरों में भगवान के परिक्रमा लगाकर लगा कर पूजा अर्चना की ओर रिश्तेदारों व बड़े बुजुर्गों से मिल जुलकर आशीर्वाद लिया साथ ही गाजे बाजे के साथ नाचते हुए गांव के लोगो ने यात्रियों पर पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर सत्यनारायण पट्टया, हरिप्रसाद शर्मा,डॉ भरत शर्मा,दीपक पटेल,नाथूलाल पटेल,हनुमान शर्मा, सत्यनारायण चोपड़ा, रामेश्वर समोत्या, ब्रजमोहन पाटीवाला, भगवानसहाय शर्मा,अशोक चौधरी, डॉ शंभू कुइवाला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से मनाया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में मंगलवार को गणेश चतुर्थी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसके चलते क्षेत्र में धर्मप्रेमियों द्वारा अपने घरों में और कॉलोनियों में पांडाल सजाकर भगवान श्री गणेश की मूर्तियां लगाई गई।

वहीं जगह जगह पर गणपति बप्पा के जयकारों की गूंज सुनाई दी। इसी क्रम में न्यू कॉलोनी स्थित श्री सिद्ध गणेश मन्दिर पर मन्दिर समिति के तत्वावधान में मेला महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आराध्य देव श्री गणेश की आराधना की। इस दौरान मन्दिर के पुजारी महेश शर्मा के सानिध्य में प्रात: 9:15 बजे समाजसेवी जितेन्द्र अग्रवाल के द्वारा मेला ध्वजारोहण (ध्वज पूजन) किया गया। दोपहर 12:15 बजे समिति के पदाधिकारियों के द्वारा मन्दिर में गणेश जी महाराज की अनुपम झांकी सजाकर पूजन व भोग आरती की गई। इसके बाद सांय 8 बजे महाआरती एवं अतिथि सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद वहीं मन्दिर समिति के तत्वावधान अतिथि सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनसेवक विद्याधर सिंह चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि पालिका उपाध्यक्ष योगेश सैनी, पार्षद चन्द्रप्रकाश दुलानी, समाजसेवी जितेन्द्र अग्रवाल, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर चन्द सैनी, गोरी शंकर सैनी, शिवजी राम कुमावत,दौलत चौधरी रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शंकर लाल बरड़वाल के द्वारा की गई। इस दौरान अतिथियों को माला साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि जनसेवक विद्याधर सिंह चौधरी ने मन्दिर निर्माण कार्य में अपनी ओर से 31 हजार रुपये की सहयोग राशि दी, तो वहीं समाजसेवी जितेन्द्र अग्रवाल ने 11 हजार रुपये की सहयोग राशि दी।

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक ली

खैरथल, (निसं)। खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर डॉ. ओमप्रकाश बैरवा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भिवाडी में रीको लिमिटेड द्वारा सम्पादित करवाया जा रहा संयुक्त उछिष्ठ उपचार संयंत्र का जेड. एल. डी. उच्चीकरण कार्य की प्रगति समीक्षा करते हुए अधिकारियों को बंद पाइप लाइन में गन्दा पानी नहीं छोड़ने वाले उद्योगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं ।

कलेक्टर ने यह आदेश भिवाड़ी में काले पानी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों दिए हैं। भिवाडी रीको लिमिटेड द्वारा सम्पादित करवाया जा रहा संयुक्त उछिष्ठ उपचार संयंत्र का जेड.एल.डी उच्चीकरण कार्य अपने अंतिम चरण में है। वर्तमान में इस संयंत्र तक प्रदूषित पानी के परिवहन हेतु डाली गई बंद पाइप लाइन के साथ उद्योगों के कनेक्शन का कार्य किया जा रहा है। कार्य की निगरानी हेतु जिला प्रशासन द्वारा 16 दलों का गठन किया गया है । गठित दलों की टीम की और से भिवाडी औधोगिक क्षेत्र के 915 उधोगों का सर्वे कार्य पूर्ण किया जा चूका है । सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार कुल 455 उद्योगों द्वारा अपने कनेक्टिविटी पूर्ण कर ली गई है। वर्तमान में 81 उद्योगों में कनेक्टिविटी कार्य प्रगति पर है । क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण कंट्रोल भिवाड़ी अमित शर्मा ने कलेक्टर को बताया कि सर्वे के रिपोर्ट की आधार पर कनेक्टिविटी कार्य करवाने में रूचि नहीं रखने वाले 226 उद्योगों को राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मंडल द्वारा कंसेंट टू ऑपरेट के निरस्तीकरण एवं जल व वायू अधिनियमों की धारा 31अ / 33 अ के प्रावधान अनुसार उद्योंगों को बंद करवाने की कार्यवाही हेतु नोटिस जारी कर 25 सितंबर 2023 तक जवाब माँगा है। समय अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. बैरवा ने कनेक्टिविटी कार्य पूर्ण करवाने वाले उद्योंगों को अपना प्रदूषित पानी को बंद पाइप लाइन में ही छोड़ने की निर्देश दिए हैं। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी शिवचरण मीना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडा भिवाड़ी श्वेता चौहान, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग भूरी सिंह मौजूद रहे।

- **भिवाड़ी में फैक्ट्री से निकलने वाले काले पानी की समस्या पर कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए**

भाजपा कार्यकर्ताओं ने नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का स्वागत किया

कोटपूतली, (निसं)। प्रदेश भर में जारी भाजपा की परिर्वतन संकल्प यात्रा के तहत बुधवार को निकटवर्ती अलवर जिले में आयोजित कार्यक्रमों में जयपुर से बानसूर जाते वक्त कोटपूतली में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का ग्राम खेडकी वीरभान स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना के नेतृत्व में 51 किलो की माला व साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

राठौड़ ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की एकजुटता व जनता के पीएम मोदी व भाजपा पर विश्वास के चलते प्रदेश में प्रचण्ड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। इसी प्रकार छात्र नेता महेन्द्र जांगल के नेतृत्व में भी नेता प्रतिपक्ष का स्वागत किया गया। इस दौरान जिला पार्षद भोमाराम गुर्जर, अमीचंद धानका, प्रविन्द्र सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष गोपाल मोरीजावाला, सरपंच लीलाराम, झाबरमल टापरी, पूरणमल सैन, बनवारी लाल रावत, फूलचंद सैनी, नगर महामंत्री बालकृष्ण सैनी, उपाध्यक्ष शशी मित्तल, चन्दाराम डोई, सुगनचंद, सतीश सैनी, आनंद अग्रवाल, बजरंग सैनी, हवलदार कमलेश छावडी राजू सैनी, विक्रम कसाना, शक्ति सिंह, प्रफुल्ल रमन, नवीन कसाना, सुभाष कसाना, गोविंद सैनी, गुल्लालाल कसाना, रामजीलाल भगतजी, मनोहर कसाना, झांजूराम कसाना, राम चतुर्वेदी, व्याख्याता नरेश पायला, देव जांगल, संजू कसाना, हवासिंह जांगल, राजाराम जांगल, राकेश गुर्जर, कृष्ण खटाणा, ज्ञानी गुर्जर, मुकुल सैन, गोपाल, राकेश आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- **कार्यकर्ताओं की एकजुटता से प्रचण्ड बहुमत की भाजपा सरकार बनेगी : राठौड़**

जयपुर से बानसूर जाते वक्त कोटपूतली में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का भाजपा कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता शंकर लाल कसाना के नेतृत्व में 51 किलो की माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

'त्यौहार भाईचारे, सौहार्द एवं खुशी के साथ मनाएं'

टोंक, (निसं)। आगामी दिनों में 26 सितंबर को जलझूलनी एकादशी (डोल ग्यारस) एवं 28 को अनंत चतुर्दशी के त्यौहारों को देखते हुए मेलों के आयोजन, विभिन्न समाजों के डोल एवं गणेश विसर्जन की यात्रा कार्यक्रम एवं मार्ग की व्यवस्थाओं, कानून एवं शांति व्यवस्था की दृष्टि से बुधवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. सूरज सिंह नेगी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी लोग त्यौहार भाईचारे, सौहार्द एवं खुशी के साथ मनाएं। उन्होंने तहसीलदार रामधन गुर्जर एवं नगर परिषद आयुक्त ममता नागर को यात्रा के मार्ग का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। नगर परिषद को सड़कों के गड्ढों को भरने, डोल एवं गणेश विसर्जन की यात्रा के मार्ग में आने वाले पेड़ों की छटाई करने तथा फायर बिग्रेड की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। एडीएम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा डीजे पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई है, इसकी शत-प्रतिशत पालना की जाएगी।

एडीएम ने कोतवाली के थानाधिकारी जितेंद्र सिंह चारण को कहा कि आमजन की सुरक्षा एवं कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्य-मुख्य स्थानों पर पुलिस जाब्ता मुस्तैद रहें।

बैठक में उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल, पीएमओ बीएल मीणा, पवन कुमार महावर, तुलसीराम शर्मा, अनिल सैनी मोतीलाल बैरवा, राजेश कुमार शर्मा, एडवोकेट कैलाश शर्मा, सीताराम शर्मा, राजाराम शर्मा, संदीप सक्सैना एवं कैलाश नामा सहित कार्यक्रम आयोजन के विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

- **त्यौहारों को लेकर एडीएम डॉ. सूरज सिंह नेगी ने अधिकारियों की बैठक ली**

MARUTI SUZUKI

NEXA

AN SUV MADE TO MATCH YOUR STRIDE.

PRESENTING

FRONX

THE SHAPE OF NEW

Scan to know more about FRONX

CREATE. INSPIRE.

1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid

360 View Camera

Head Up Display

NEXTre' Rear Combination Lights

In-Built Suzuki Connect

Wireless Charger

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO WWW.NEXAEXPERIENCE.COM TO BOOK YOUR TEST DRIVE.

CONTACT YOUR NEAREST NEXA DEALER: JAIPUR: NEXA MANSAROVAR (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

Accessories and features shown may not be part of standard equipment. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.